उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी - 263139
फोन नं. 05946-286000
टॉल फ्री० नं० : 18001804025
Fax No.- 05946-264232, E-mail- info@uou.ac.in
http://uou.ac.in

Annual Report 2018-2019

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2018-2019

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

(Established by Govt. of Uttarakhand vide Act. No. 23 of 2005)

उत्तराखण्ड सरकार का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय मार्ग, ट्रान्सपोर्ट नगर के पीछे, (तीनपानी बाईपास), हल्द्वानी-263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड
University Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass,) Haldwani-263139, Nainital, Uttarakhand

वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report
2018-2019

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act No. 23 of 2005)

उत्तराखण्ड सरकार का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय मार्ग, ट्रान्सपोर्ट नगर के पीछे (तीनपानी बाईपास), हल्द्वानी- 263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड

University Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass), Haldwani-263139, Nainital, Uttarakhand

सम्पादन

प्रोफेसर एच.पी. शुक्ल - संयोजक

डॉ. मदन मोहन जोशी

डॉ. नन्दन कुमार तिवारी

मोहम्मद अकरम

© उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

प्रकाशक : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

मुद्रण : सहारनपुर इलैक्ट्रिक प्रैस, बोमनजी रोड, सहारनपुर (उ०प्र०)

प्रतियाँ : 150

ज्ञान–विज्ञान विमुक्तये

University Grants Commission
Bahadur Shah Zafar Marg
New Delhi-110002

2308-2766
F.No.UGC/DEB/2013
Dated 14.10.2013

The Registrar/ Director
Of all the Indian Universities
(Deemed, State, Central Universities/
Institutions of National importance)

Subject: Equivalence of Degrees awarded by Open and Distance Learning (ODL) Institutions at par with Conventional Universities / Institutions

Sir/ Madam,

1. There are a number of Open and Distance Learning Institutions (ODLIs) in the country offereing Degree/ Diploma/ Certificate programmes through the mode of non formal education. These comprise Open Unviersities, Distance Education Universities, Deemed to be Unviersities, Institutions of National Importance or any Council/ Societies registered under the Society Registration Act 1860.
2. A circular was earlier issued vide UGC letter Fl No.-52/2000 (CPP-11) dated May 05, 2004 (copy enclosed) mentioning that Degrees/Diplomas / Certificates / awarded by the Open Universities in conformity with the UGC notification of degree be treated as equivalent to corresponding awards of the traditional Unviersities in the country.
3. Attention is also invited to UGC circular No Fl-25/93(CPP-II) dated 28th July 1993 (copy enclosed) for recognition of degrees and diplomas as well as transfer of credit for course successfully completed by students between the two types of Universities / institutions is ensured without any difficulty.
4. The Government of India, in exercise of ots power conferred under section 20 (1) of UGC Act 1956, issued directions dated 29th December 2012 entrusting UGC with the responsibility of regulating higher education programme in open and distance learning (ODL) mode. Consequently, Universities/ Institutions desirous of offering any programme through distance mode would require recognition of UGC.
5. As you are aware, the Government of India has envisaged a greater role for the Open and Distance Education System. The envisaged role may be fulfilled by recognizing and treating the Degrees / Diplomas / Certificates awarded through distance mode at par with the degrees obtained through the formal system of education. Open and Distance Education System in the country is contributing a lot in expansion of Higher Education and for achieving target of GER, without compromising on quality. Non recognition / non equivalence of degrees of ODl Instituions for the purpose of promotion/ employment and pursuing higher education may prove a deterrent to many learners and will untimately defeat the purpose of Open and Distance Education.
6. Accordingly, the Degrees / Diplomas/ Certificates awarded for programmes conducted by the ODL institutions, recognized by DEC (erstwhile) and UGC, in conformity with UGC Notification on specification of Degrees should be treated as equivalent to the corresponding awards of the Degree/Diploma/Certificate of the traditional Universities/ Instituions in the country.

Director (Admn)
Tel: 011 23230405
Email: vikramsahay7@gmail.com
Encl: As above

Copy to:

1. Secretary, Government of India, Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001
2. Secretary, All Indian Council for Technical Education, 7th Floor, Chandra Lok Building, Janpath, New Delhi.
3. Secretary, Association of Indian Unviersities, AIU House, 16 Comrade INdrajit Gupta Marg (Kolta Marg), New Delhi-110002.

अनुक्रमणिका (Index)

	पृष्ठ संख्या
कुलपति की कलम से	1
आमुख (Preface)	2
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय: एक परिचय	3-6
विश्वविद्यालय की स्थापना काल से कुलपतियों एवं कुलसचिवों की सूची	7
1. पाठ्यचर्या आयाम (Curricular Aspects)	8-13
2. शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन (Teaching: Learning and Evaluation)	14-52
3. शोध, परामर्श एवं प्रसार (Research, Consultancy and Extension)	53-78
4. अधिसंरचना एवं अधिगम संसाधन (Infrastructure and Learning Resources)	79-85
5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ एवं प्रगति (Student Support and Progression)	86-93
6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन (Governance, Leadership and Management)	94-96
7. नवाचार एवं उत्तम क्रियायें (Innovations and Best Practices)	97-142
APPENDICES	143
Appendix I चतुर्थ दीक्षान्त समारोह (Fourth Convocation)	144
Appendix II दीक्षान्त समारोह में शोधोपाधि लेने वाले छात्रों की सूची	145
Appendix III कार्य परिषद् (Executive Council)	146
Appendix IV विद्या परिषद् (Academic Council)	147
Appendix V योजना परिषद् (Planning Board)	148
Appendix VI वित्त समिति (Finance Committee)	149
Appendix VII विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य(Members of the University Authority)	150-151
Appendix VIII विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन (Human Resources of the University)	152-155
Appendix IX उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम (Programmes of the University)	156-159
Appendix X विश्वविद्यालय में पधारे गणमान्य व्यक्ति (Dignitaries Visiting the University)	160
Appendix XI योग विभाग की कार्यशाला (Yoga Workshops)	161-162
Appendix XII वार्षिक लेखा (Financial Statements - 2018-19)	163-166
Appendix XIII क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची (List of Regional Centres)	167
Appendix XIV अध्ययन केन्द्रों की सूची (List of Study Centres)	168-173

कुलगीत

जहाँ ज्ञान श्रद्धा से जुड़ता, जहाँ ज्ञान चेतना बसे;
जहाँ ज्ञान का योग निरन्तर, जहाँ ज्ञान से मुक्ति मिले,
जहाँ ज्ञान से बिछुड़ों की भी आशाओं के दीप जले;
जहाँ सभी को ज्ञान-यज्ञ में आहुति का अधिकार मिले।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्।।

पर्वत की श्रृंखला यहाँ दृढ़ता के पाठ पढ़ाती;
निर्मल जल-धारायें निशि-दिन कल-कल गीत सुनातीं,
भाँति-भाँति की औषधियाँ, फल-फूल, प्रकृति मुसुकाती;
देवभूमि की सुन्दरता से अमरावती लजाती।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्।।

परम्परायें यहाँ ज्ञान की, तपोभूमि भारत की;
ज्ञानभूमि है यही विवेकानन्द, आदि-शंकर की,
धरा यही ऋषियों-मुनियों की, योग-ध्यान साधन की;
बहीं शारदा, सरयू, यमुना, कोख यही सुरसरि की।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्।।

विद्या देती विनय-पात्रता, शुभ प्रसाद धन-सुख का;
ज्ञान मोक्ष का द्वार, यही उद्घोष देव-संस्कृति का,
नई विधायें, नई दिशायें, पथ नवीन आशा का;
मुक्त विश्वविद्यालय अपना, है अभियान प्रगति का।।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्।।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य

विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से जिसमें किसी संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग भी है, अधिसंख्यक जनसमुदाय में शिक्षा और ज्ञान के प्रसार में अभिवृद्धि करेगा और अपने क्रियाकलापों को संचालित करने में अधोलिखित विनिर्दिष्ट उद्देश्यों का सम्यक् ध्यान रखेगा-

1-विश्वविद्यालय राज्य के विकास में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए जो राज्य की समृद्ध परम्पराओं पर आधारित हो राज्य की जनता की संस्कृति और उसके मानवीय संसाधनों की उन्नति और अभिवृद्धि के लिए शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण और विस्तारण के माध्यम से, प्रयास करेगा। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए वह-

क. नियोजन की आवश्यकताओं से सम्बन्धित तथा देश की अर्थव्यवस्था के, उसके प्राकृतिक और मानवीय साधनों के आधार पर, निर्माण के लिए आवश्यक उपाधि, डिप्लोमा और प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों को प्रोत्साहित करेगा और उन्हें विविध प्रकार का बनायेगा;

ख. जनता के बड़े भागों और विशिष्टतया सुविधारहित समूह को, जैसे कि वे समूह जो दूरस्थ व ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे हैं, जिनके अंतर्गत श्रमजीवी जनता, घरेलू महिलायें और ऐसे वयस्क हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के माध्यम से ज्ञान बढ़ाने व अर्जित करने की इच्छा रखते हैं, उच्चतर शिक्षा तक उनकी पहुँच के लिए उपबन्ध करेगा;

ग. शीघ्रता से विकसित और परिवर्तित होने वाले समाज में ज्ञान के अर्जन का संवर्धन करेगा और मानव प्रयास के सभी क्षेत्रों में नव-परिवर्तन, अनुसन्धान, शोध के सन्दर्भ में ज्ञान, प्रशिक्षण और कुशलता बढ़ाने के लिए लगातार अवसर प्रस्तुत करने के लिए प्रयास करेगा;

घ. ज्ञान के नये क्षेत्रों में विद्या की अभिवृद्धि करने और उसे विशिष्टतया प्रोत्साहित करने की दृष्टि से विद्या के तरीकों और गति, पाठ्यक्रमों के मिश्रण, नामांकन की पात्रता, प्रवेश की आयु, परीक्षाओं के संचालन और कार्यक्रमों के प्रवर्तन के सम्बन्ध में सुनिश्चय और निर्बाध विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा की नई प्रणाली के लिए उपबन्ध करेगा;

ङ. औपचारिक पद्धति की अनुपूरक अनौपचारिक पद्धति का उपबन्ध करके और विश्वविद्यालयों द्वारा विकसित पाठों और अन्य सॉफ्टवेयर का व्यापक रूप से उपयोग करके गुणवत्ता के अन्तरण को और शिक्षण कर्मचारी वृन्द के विनिमय को प्रोत्साहित करके शैक्षणिक पद्धति के सुधार में सहयोग देगा;

च. देश की विभिन्न कलाओं, शिल्पों और कुशलताओं में, उनकी गुणवत्ता में सुधार करके जनता के लिए उनकी उपलब्धता में वृद्धि करके शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए उपबन्ध करेगा;

छ. ऐसे कार्यकलापों या संस्थाओं के लिए अपेक्षित शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए उपबन्ध या प्रबन्ध करेगा;

ज. अध्ययन के यथोचित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए उपबन्ध करेगा और अनुसन्धान को बढ़ावा देगा;

झ. अपने छात्रों के लिए परामर्श एवं मार्गदर्शन के लिए उपबन्ध करेगा; और

ञ. अपनी नीति एवं कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता व मानव व्यक्तित्व के समन्वित विकास में वृद्धि करेगा।

2- विश्वविद्यालय दूर और अनुवर्ती शिक्षा के विविध माध्यमों से उक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रयास करेगा और उच्चतर शिक्षा के विद्यमान विश्वविद्यालयों और संस्थाओं के सहयोग से कृत्य करेगा और नवीनतम ज्ञान का और नई शिक्षण प्रौद्योगिकी का ऐसी उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देने के लिए जो समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप हो, पूर्ण उपयोग करेगा।

(उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005)

महामहिम श्रीमती बेबी रानी मौर्य

राज्यपाल एवं कुलाधिपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रो० ओम प्रकाश सिंह नेगी
कुलपति
Prof. Om Prakash Singh Negi
Vice Chancellor

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

कुलपति के कलम से ...

ज्ञान-विज्ञान की त्रिवेणी भारतवर्ष में अत्यन्त प्राचीनकाल से ही निरन्तर प्रवाहित होते चली आ रही है। अपने उसी विपुल ज्ञान-सम्पदा के आधार पर ही यह देश सदियों पहले विश्व गुरू के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। ज्ञानोत्पत्ति के अनेक स्रोत रहे हैं। और उन स्रोत में एक मुख्य स्रोत विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित है। कदाचित् विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य ध्येय भी यही रहा होगा कि-विश्वविद्यालय के प्रांगण में सार्वभौमिकता के साथ देश-विदेश की प्रतिभा को पहचान कर उसकी प्रज्ञाचक्षु के आचार्यो द्वारा जागृत किया जाय, जिससे कि वह प्रतिभा राष्ट्र निर्माण में सर्वविधकल्याणार्थ अपनी एक आहूति दे सकें दीर्घकालावधि तक भारतवर्ष में ज्ञान के आदान-प्रदान की यही परम्परा रही है। सम्प्रति इसका उत्तरोत्तर ह्रास परिलक्षित होता है। अस्तु: यह सर्वविदित है कि राष्ट्रनिर्माण में विलक्षण प्रतिभा सर्वदा से अपना योगदान देते रही है और उन प्रतिभाओं को तैयार करने का एक आधार है- विश्वविद्यालय। मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय भी उसी मार्ग पर चलते समाज के ऐसे वर्ग प्रतिभासम्पन्न होते हुए भी मुख्य धारा से वंचित रह गये हैं, उनके मार्गदर्शक का कार्य बखूबी निभा रही है।

विश्वविद्यालय के लिए हमारा एक मात्र उद्देश्य अपने विद्यार्थियों के उज्जवलतम भविष्य एवं सक्रिय कार्यकुशलता में बढ़ोत्तरी करना होना चाहिए। हमें इस बात का निरन्तर स्मरण रखना चाहिए कि हम परस्पर सहयोग एवं सामंजस्यता से अपनी सम्पूर्ण निष्ठा एवं संसाधनों के कुशलतम उपयोग से अन्तत: अपने विद्यार्थियों के हितों का उन्नयन करने में सक्षम हो सकें। इसके साथ-साथ हमारा यह भी प्रयास है कि विश्वविद्यालय को शीघ्र ही 12वीं (बी) तथा NAAC द्वारा ग्रेड भी मिल जाए। फलस्वरूप विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य जन-जन तक शिक्षा को पहुँचाना है।

विश्वविद्यालय द्वारा उसके उद्देश्यों की पूर्ति एवं दिशा के साथ-साथ राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद NAAC के महत्वपूर्ण सात मानकों- पक्ष, शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन शोध, परामर्श एंव प्रसार अधिसंरचना एंव अधिगम संसाधन, छात्र एवं प्रगति शासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन, नवाचार एवं उत्तम क्रियायें-को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018-19 का यह चतुर्थ वार्षिक प्रतिवेदान प्रस्तुत किया जा रहा है।

सम्प्रति मुझे हर्ष है कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नवीन कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मैं इसके लिए सभी अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को बधाई देता हूँ, जिनके निरत्नतर सहयोग से विश्वविद्यालय का चहमुखी विकास सम्भव हो सका है। इस वार्षिक प्रतिवेदन को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मापदण्ड के अनुरूप तैयार करने का प्रयास किया गया है। इसके लिए वार्षिक प्रतिवेदन के सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को मैं विशेष रूप से बधाई देता हूँ।

(प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी)

भरत सिंह
कुलसचिव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

आमुख (Preface)

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय का वार्षिक कार्यवृत का प्रकाशन विगत चार वर्षों से विश्वविद्यालय द्वारा 'वार्षिक प्रतिवेदन' के रूप में होता रहा है। विश्वविद्यालय के इस महत्वपूर्ण प्रकाशन 'वार्षिक प्रतिवेदन' को निर्मित करने का मुख्य आधार राष्ट्रीय मूल्याकन एंव प्रत्यायन परिषद् (NAAC) के मुख्य सात मानकों के आधार पर किया जा रहा है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपनी प्रगति यात्रा के 15 वें वर्ष में गतिमान है। वर्ष 2018–19 विश्वविद्यालय के लिये उत्तरोकतर प्रगति के साथ साथ उतार चढ़ाव भरा भी रहा है। इस वर्ष यू जी सी के कठोर नियमों के कारण हमें कई अध्यन केन्द्र बन्द करने पडे साथ ही वर्ष के पूर्वार्द्ध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विषयों के संचालन की मान्यता को लेकर भी हमें संघर्ष करना पड़ा। अन्ततोगतवा वर्ष के उत्तरार्द्ध में हम सफल हुए और हमें पूर्व से संचालित विषयों के साथ–साथ कई नवीन पाठ्यक्रम भी संचालन करने हेतू अनुमति प्राप्त हुई, किन्तु इस कार्यविधि में इस सत्र की लगभग आधे से ज्यादा कालावधि व्यतीत हो गयी। इस वर्ष विश्वविद्यालय में 56,000 से अधिक छात्रों का प्रवेश हुआ।

आप सभी को पुन: यह अवगत कराते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि विश्वविद्यालय के स्थापना काल से अब तक का समय उपलब्धियों से भरा रहा है। हम अकादमिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में प्रदेश मे अग्रणी भूमिका में रहे हैं। हमारी शैक्षिक पहुँच प्रदेश के कोने कोने तक है, जहाँ हम अपनी भौगोलिक पहुंच में प्रदेश के सबसे बड़े विश्वविद्यालय हैं, वहीं तकनीकि कुशलता और गुणवत्ता परक मानवीय संसाधनों में भी सबसे अग्रणीय है। विभिन्न कारणों से उच्च शिक्षा से वंचित अथवा नियमित कक्षाओं में प्रवेश लेने में असमर्थ प्रदेश के दुगर्म स्थानों में निवास करने वाले व सभी क्षेत्रों के लोगों की उच्च शिक्षा की प्राप्ति में सरलता प्रदान करना, इस विश्वविद्यालय का नैतिक कर्तव्य एवं लक्ष्य बन गया है। भौगोलिक कारणों तथा सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों एवं स्थानीय आवश्यकताओं की मांग के अनुरूप छात्रों के कौशल विकास पर बल देते हुए रोजगार हेतू सक्षम बनाने का गम्भीर प्रयास सतत् रूप से गतिमान है।

यह वार्षिक प्रतिवेदन उतराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय कि 2018–19 वर्ष का कार्यवृत, अकादमिक प्रगति और आत्मावलोकन के त्रि–आयामी स्वरूप का प्रकाशित प्रतिरूप है।

(भरत सिंह)
कुलसचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

विश्वविद्यालय : एक परिचय

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना, उत्तराखण्ड शासन के एक्ट 23, 2005 द्वारा विधानसभा में पारित प्रस्ताव के माध्यम से हुई। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दूरस्थ प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा को प्रदान करना, शिक्षा को रोजगारपरक एवं तकनीकी रूप में सर्वजन सुलभ ढंग से उत्तराखण्ड के दुर्गम क्षेत्रों तक के निवासियों तक पहुँचाना तथा शिक्षा को सर्वजन सुलभ बनाना है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना को 15 वर्ष से अधिक हो चुके हैं। इन 15 वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने प्रगति की नित्य-नवीन ऊँचाइयों को छुआ है। सीमित अवधि और अल्प संसाधनों के बावजूद भी विश्वविद्यालय की अकादमिक और प्रशासनिक गतिविधियाँ राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखित होती रही हैं। आज यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है, जिसकी पहुँच उसके सभी जिलों व सुदूर क्षेत्रों तक है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के मुख्यालय हल्द्वानी के अतिरिक्त देहरादून में भी एक क्षेत्रीय परिसर है। विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केन्द्र तथा 88 अध्ययन केन्द्र हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की संरचना में क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्र उसकी धमनियों के समान हैं, जिसके माध्यम से पूर्ण विश्वविद्यालय की गति प्रवाहित होती रहती है। मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र और विकेन्द्रीकरण का अद्भुत समन्वय होता है। एक ओर इसकी अपनी संदृष्टि और कार्य–उद्देश्य की पूर्ति के लिए विभिन्न केन्द्र होते हैं, अर्थात् एक केन्द्र और फिर उसके बहुकेन्द्र। इस प्रक्रिया में केन्द्रीयता भी होती है और जनबद्ध-बोझिल एकरूपता का अभाव भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्रों पर संचालित होने वाले कार्यक्रम इसकी लोकधर्मिता, संजीवता व व्यापक प्रकार की ही प्रतिध्वनि हैं। इस विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में 80 पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिसमें मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान आदि विषयों से लेकर प्रबन्धन, पर्यटन जैसे रोजगारपरक विषय भी हैं। प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन में अप्रैल 2018 से लेकर जुलाई 2019 तक की विश्वविद्यालयीय क्रियाकलापों का उल्लेख है। सत्र 2018-2019 विश्वविद्यालय के लिए उतार-चढ़ाव के साथ विशेष उपलब्धियों से युक्त रहा हैं।

- विश्वविद्यालय में सत्र 2018-19 में चतुर्थ दीक्षान्त समारोह आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि माननीय कुलाधिपति राज्यपाल, उत्तराखण्ड श्रीमती बेबी रानी मौर्या थी। इस समारोह के अध्यक्षता करते हुए दीक्षान्त उद्बोधन माननीय महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती बेबी रानी मौर्या द्वारा दिया गया। चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री डॉ0 धन सिंह रावत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। इन समारोहों में राज्य के प्रमुख विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रमुख पत्रकार, शिक्षाविद्, गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से उपस्थित थे।
- सत्र 2018-19 के पूर्वार्द्ध में विश्वविद्यालय के द्वारा प्रस्तावित कई पाठ्यक्रमों पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा रोक लगा दी गयी थी, जिससे विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधि पर प्रभाव पड़ रहा था। किन्तु सत्र के उत्तरार्द्ध कालखण्ड में प्रस्तावित लगभग समस्त पाठ्यक्रमों के संचालन की अनुमति पुन: मिल जाने से विश्वविद्यालय के लिए स्थिति अनुकूल हो गयी। इस प्रक्रिया में सत्र 2018-19 का अधिकांश समय हो गया। इसके साथ-साथ विश्वविद्यालयीय अकादमिक विस्तार के लिए यह अच्छा भी रहा कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित कई नये पाठ्यक्रमों को भी संचालित करने की मान्यता मिल गयी। यथा - एम.ए. (गृह विज्ञान), एम.ए. (ज्योतिष), एम.ए. (साइबर सिक्योरिटी), एम.ए. मनोविज्ञान, एम.ए. (संगीत) आदि।
- अकादमिक दृष्टि से विश्वविद्यालय की प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के लिए 35 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को विषय की अद्यतन जानकारी दी गई तथा साथ ही सम्बन्धित विषय के व्यवहार पक्ष को समझाया गया।

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सदस्यों द्वारा बड़े स्तर पर संगोष्ठियों में प्रतिभाग किया गया। इस अवधि में विश्वविद्यालय सदस्यों ने 100 से ज्यादा संगोष्ठियों में व्याख्यान / शोधपत्र पढ़े।
- विश्वविद्यालय के अकादमिक सदस्यों की शैक्षणिक प्रगति भी सन्तोषप्रद रही । इस अवधि में उनके द्वारा अनेक शोधपत्रों / लेखों का प्रकाशन देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुआ।
- विश्वविद्यालय के अकादमिक सदस्यों ने बड़े स्तर पर विश्वविद्यालय की स्वअध्ययन पाठ्यसामग्री हेतु इकाई लेखन करने के साथ-साथ उनका सम्पादन भी किया।
- माननीय कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी जी ने अपने कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात् विश्वविद्यालय की 24वीं कार्य परिषद की बैठक दिनांक 25 फरवरी, 2019 को सम्पन्न करायी जिसमें बिन्दुवार निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्णय लिये गयें -

<u>विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की 24वीं बैठक दिनांक 25 फरवरी, 2019 में पारित मुख्य बिन्दु</u>

1. विश्वविद्यालय में नवनियुक्त कुलपतिजी के कार्यभार ग्रहण के संबंध में सूचना।
2. विश्वविद्यालय योजना बोर्ड के गठन हेतु कार्य परिषद द्वारा नाम निर्दिष्ट किये जाने के संबंध में निर्णय।
3. विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-छ: 'विश्वविद्यालय के अध्यापक' में परिनियम 32(6) में संशोधन विषयक प्रस्ताव।
4. विश्वविद्यालय में अकादमिक परामर्शदाताओं के नियोजन के संबंध में नीति निर्धारण हेतु गठित समिति की संस्तुतियों पर विचार।
5. डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा, सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र की परिवीक्षावधि पूर्ण होने के पश्चात स्थायीकरण के संबंध में विचार।
6. विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परामर्शदाताओं के कार्यकाल विस्तारण की सूचना तथा 23 विभिन्न कार्यक्रमों हेतु अकादमिक परामर्शदाताओं के वॉक-इन-इन्टरव्यू के (साक्षात्कार) का प्रस्ताव।
7. विश्वविद्यालय हेतु शासन द्वारा विभिन्न शासनादेशों के माध्यम से सृजित आउटसोर्स के पदों को नियमित पदों में परिवर्तित करने के संबंध में विचार एवं निर्णय।
8. शिक्षणेत्तर वर्ग के पदों पर संविदा के आधार पर की गयी नियुक्तियों से परिषद को अवगत कराने के सम्बन्ध में प्रस्ताव।
9. राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) के दिशा-निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन एवं प्रत्यायन के लिए विश्वविद्यालय में शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों के शोध हेतु मूलभूत आवश्यकताओं के संबंध में विचार।
10. विनियमितीकरण नियमावली 2013 का लाभ अनुमन्य किये जाने के संबंध में निर्णय।
11. प्रवेश समिति के गठन के सम्बन्ध में निर्णय।
12. उत्तराखण्ड मुकत विश्वविद्यालय में परम्परागत पद्धति से पाठ्यक्रम संचालित किये जाने के सम्बन्ध में।

कुलपति, प्रोफेसर ओमप्रकाश सिहं नेगी जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय में विद्यापरिषद की 15वीं बैठक दिनांक 29 जुलाई 2019 को सम्पन्न हुई। जिसमें महत्वपूर्ण रूप से निम्नलिखत बिन्दुओं पर प्रस्ताव पारित हुए।

विश्वविद्यालय विद्या परिषद की 15वीं बैठक दिनांक 29 जुलाई, 2019 में पारित मुख्य बिन्दु

1. विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं के अन्तर्गत सम्पन्न अध्ययन बोर्डों (Board of Studies) की संस्तुतियों पर विचार एवं अनुमोदन हेतु प्रस्ताव।
2. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में परम्परागत पद्धति से पाठ्यक्रम संचालित किये जाने के संबंध में सूचना।
3. विश्वविद्यालय योजना बोर्ड द्वारा संस्तुत नवीन डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों को आरम्भ किये जाने की संस्तुति।
4. Northwest Accreditation Commission, USA द्वारा प्रदान किये जाने वाले हाईस्कूल डिप्लोमा को विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता प्रदान किये जाने के संबंध में विचार किया गया।
5. विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रश्न-पत्रों का प्रारूप निर्धारण के क्रम में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को बन्द करने का निर्णय।
6. दूरस्थ माध्यम से बी0ए0 एकल विषय पाठ्यक्रम चलाये जाने के संबंध में यू0जी0सी0 से प्राप्त दिशा-निर्देशों के संबंध में सूचना।
7. CA परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके अभ्यर्थियों को वाणिज्य एवं संबंधित विषयों में परास्नातक के समतुल्य मान्यता प्रदान किये जाने तथा उन्हें शोध कार्य हेतु अर्ह घोषित किये जाने के संबंध में विचार किया गया।
8. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित क्षेत्रीय केन्द्रों के राज्य की भौगोलिक स्थिति के आधार पर पुर्नगठित किये जाने पर विचार एवं निर्णय।
9. शोध उपाधि अधिनियम-2016 के क्रम में 'शोध निर्देशकों' को मान्यता देने के संबंध में गठित समिति की अनुशंसाओं पर विचार।
10. प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए (विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5 (XIV), अनुच्छेद 6 तथा 9 में आंशिक संशोधन किये जाने पर विचार।
11. शोध उपाधि कार्यक्रम की गुणवत्ता तथा नैक मूल्यांकन हेतु आवश्यक मानदण्ड सुनिश्चित किये जाने के लिए कार्यक्रम में मानकों की पूर्ति के संबंध में।
12. बाह्य शोधार्थीयों द्वारा शोध परियोजनाओं को उत्तराखण्ड मुक्त विश्विद्यालय के माध्यम से संचालित किये जाने एवं इस हेतु प्रक्रिया निर्धारित किये जाने पर विचार।
13. व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा द्वारा कौशल विकास हेतु चार नये डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम संचालित किये जाने के संबंध में प्रस्ताव स्वीकृत।
14. शासकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में संचालित ऐसे अध्ययन केन्द्र जिनमें योग पाठ्यक्रम संचालित नहीं है, के लिए दिशा-निर्देश/नियमावली बनाये जाने के संबंध में विचार।

15. विधि विद्याशाखा के अन्तर्गत बैंकिग एण्ड इन्सोरेन्स लॉ एवं हयूमन राइट्स प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम संचालित किये जाने के संबंध में विचार।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना काल से कुलपतियों की सूची

क्रम सं.	नाम	कार्यकाल कब से	कार्यकाल कब तक
1.	प्रोफेसर एस.एस. हसन	22-11-2005	15-07-2008
2.	श्री इन्दु कुमार पाण्डेय (अतिरिक्त प्रभार)	16-07-2008	24-11-2009
3.	प्रोफेसर विनय कुमार पाठक	25-11-2009	24-11-2012
4.	प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल (कार्यकारी)	25-11-2012	13-02-2013
5.	प्रोफेसर सुभाष धूलिया	14-02-2013	13-04-2016
6.	प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल (कार्यकारी)	14-04-2016	02-05-2016
7.	प्रोफेसर नागेश्वर राव	03-05-2016	17-07-2018
8.	प्रोफेसर डी.के. नौडियाल	18-07-2018	08-02-2019
9.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	09-02-2019	अब तक

कुलसचिवों की सूची

क्रम सं.	नाम	कार्यकाल कब से	कार्यकाल कब तक
1.	डॉ. एस.ए.चारी	20-01-2006	22-06-2006
2.	श्री महादेव प्रसाद अतिरिक्त प्रभार	03-11-2006	05-03-2007
3.	डॉ. अनिल कुमार जोशी	06-03-2007	19-12-2007
4.	डॉ. बी.आर.पन्त विशेष कार्यधिकारी	20-12-2007	21-06-2010
5.	प्रोफेसर आर.सी.मिश्र	22-06-2010	27-12-2011
6.	श्री सुधीर बुड़ाकोटी	28-12-2011	24-07-2012
7.	प्रोफेसर आर.सी.मिश्र	25-07-2012	25-12-2012
8.	प्रोफेसर जी.पी. पाण्डे	26-12-2012	16-09-2013
9.	श्री लक्ष्मण सिंह रावत	17-09-2013	16-09-2015
10.	प्रोफेसर गोविन्द सिंह	16-09-2015	04-12-2015
11.	प्रोफेसर आर.सी. मिश्र	04-12-2015	18-09-2018
12.	श्री भरत सिंह	18-09-2018	अब तक

1. पाठ्यचर्या आयाम
(Curricular Aspects)

किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसके शैक्षणिक कार्यक्रम उसके दृष्टिगत दायित्व के परिचालक होते हैं। विश्वविद्यालय जब किसी विषय में कोई पाठ्यक्रम संचालित करता है, उससे हम उसकी क्रियात्मकता एवं समाज के प्रति उसकी दृष्टि एवं उत्तरदायित्वों को समझ सकते हैं। शैक्षणिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के आंतरिक दर्शन का बाह्य विस्तार होता है, कारण यह है कि इन्हीं के माध्यम से वह अपने शैक्षिक–सामाजिक उत्तरदायित्वों का प्रसार करता हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का ध्येय उत्तराखण्ड के दूरस्थ व्यक्तियों को उच्च शिक्षा से तो जोड़ना है ही, साथ ही विश्वविद्यालय इस बात के लिए भी कृत संकल्प है कि राज्य एवं देश के अध्येताओं को तकनीकी एवं आधुनिक विषयों को उच्च शिक्षण सामग्री के साथ प्रस्तुत करे, जिससे अध्येताओं के सामने गम्भीर चिन्तन की पृष्ठभूमि प्रस्तुत हो सके। इस समय विश्वविद्यालय 80 पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है, जो परम्परागत पाठ्यक्रम (बी.ए, एम.ए., बी.कॉम, एम.कॉम) से लेकर आधुनिक रोजगारपरक विषयों से भी जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष कुछ नए पाठ्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। इन पाठ्यक्रमों में साइबर सुरक्षा, रेडियो जॉकी जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम के साथ ही संस्कृत तथा ज्योतिष जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय इस बात के लिए कृतसंकल्प है कि वह अपने पाठ्यक्रमों में परम्परागत शिक्षा के साथ ही आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का भी समावेश कर सके।

1.1. कार्यक्रम की प्रकृति (Nature of the Programmes)

पाठ्यक्रम के बाह्य संरचना के स्तर पर इसे वार्षिक, सेमेस्टर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में विभक्त किया गया है। बी.ए, एम.ए. जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम वार्षिक हैं, जबकि एम.बी.ए., एम.जे.एम.जी एम.टी.एम, एम.एच.एम. जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर पद्धति के अनुसार रखा जाता है। भविष्य में बी.ए, एम.ए, बी.कॉम, एम.कॉम जैसे पारम्परिक पाठ्यक्रमों को भी सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत रखे जाने की योजना है। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत रखा गया है।

1.2. पाठ्यक्रम और क्रेडिट प्रणाली (Syllabus and Credit System)

मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति में प्रत्यक्ष शिक्षण पद्धति के कक्षा–अध्यापन के समतुल्य स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है। यह अध्ययन सामग्री कक्षा अध्यापन का लिखित प्रतिरूप है, इसलिए एक विशेष व्यवस्था के तहत इसे नियोजित किया जाता है। पाठ्यक्रमों की समयावधि सुनिश्चित करने के लिए इन्हें क्रेडिट प्रणाली के अंतर्गत विभाजित किया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में विभिन्न श्रेणी के पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग क्रेडिट्स तथा अध्ययन अवधि निर्धारित की गयी है। इस व्यवस्था में एक (01) क्रेडिट का अभिप्राय 30 घंटे के छात्र अध्ययन के बराबर माना जाता है, जिसमें समस्त अध्ययन गतिविधियॉ शामिल हैं, जैसे: पढ़ने और स्वअध्ययन सामग्री (SLM) को समझने, ऑडियो सुनने, वीडियो देखने, परामर्श सत्र में भाग लेने, दूरसंवाद और सत्रीय कार्य लेखन, इत्यादि।

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित क्रेडिट एवं सामान्य अवधि का विवरण निम्नवत हैं-

पाठ्यक्रम	निर्धारित क्रेडिट	पाठ्यक्रम की सामान्य अवधि
प्रमाण-पत्र	12-18	6 मास
डिप्लोमा / पी.जी. डिप्लोमा	28-36	1 वर्ष

स्नातक उपाधि (सामान्य / व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष
स्नातक उपाधि (प्राविधिक)	160-105	5 वर्ष
द्वितीय स्नातक उपाधि	32	1 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (सामान्य)	60-66	2 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (प्राविधिक/व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष

1.3. विद्याशाखाएं (Schools)

वर्तमान में, विश्वविद्यालय 14 विद्याशाखाओं एवं 52 विभागों के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। ये विद्याशाखाएं निम्नलिखित हैं:-

1. कृषि एवं विकास अध्ययन
2. कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी
3. स्वास्थ्य विज्ञान
4. विज्ञान
5. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
6. प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य
7. शिक्षाशास्त्र
8. मानविकी
9. समाज विज्ञान
10. विधि
11. पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन
12. पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबंधन
13. व्यावसायिक अध्ययन
14. भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान

1.4. पाठ्यक्रम एवं स्व-अध्ययन सामग्री(Curriculum and SLM)

मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षा पद्धति का आधार स्वचिंतन, स्वाध्याय एवं स्व-निर्माण है । प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति का आधार गुरू ज्ञान एवं गुरू व्यक्तित्व की समीपता है। प्रत्यक्ष शिक्षण- पद्धति में गुरू-शिष्य संवाद की पर्याप्त गुंजाइश तो है, किन्तु धीरे-धीरे उनका स्थान शिलाधर्मी गुरुओं के एकालापी वक्तव्य ने ले ली है। फलत: प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति एकालाप तथा ज्ञान के आतंक तक सीमित होती चली गयी। मुक्त शिक्षण पद्धति ज्ञान के एकालापी पद्धति की जगह गुरू–शिष्य संवाद को स्थापित करती है। मुक्त विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री गुरू की लिखित उपस्थिति है। श्रेष्ठ लेखकों /प्राध्यापकों द्वारा निर्मितअध्ययन सामग्री छात्रों को इस योग्य बनाती है कि वह स्वयं ही ज्ञान के आत्मसातीकरण की प्रक्रिया को सुनिश्चित कर सकें। ज्ञान की सार्थकता तब तक नहीं होती जब तक कि वह छात्र के भीतर स्वयं ही प्रश्न निर्मित करने की योग्यता न उत्पन्न कर दे। मुक्त शिक्षा पद्धति में स्तरीय अध्ययन सामग्री के माध्यम से हम यह कार्य करते हैं। स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण में मनोवैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग करते हुए छात्र के वातावरण, उसकी मानसिक गति-स्थिति तथा प्रश्नों –सामग्री के क्रमिक विस्तार के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया जाता है।

पाठ्यसामग्री का निर्माण दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अत्यन्त महत्वपूर्ण घटकों में से है। पाठ्यक्रमों को सहज एवं

बोधगम्य बनाने हेतु उन्हें सबसे पहले विषय केंद्रित खण्डों (ब्लॉक) में विभक्त किया जाता है। तत्पश्चात् प्रत्येक खण्ड को चार से छ: छोटी-छोटी इकाइयों में विभक्त किया जाता है। इस प्रक्रिया का मुख्य ध्येय यह है कि विद्यार्थी एक या दो चरण में एक इकाई का पूर्ण अध्ययन कर सके। पाठ्यवस्तु की शैली इस प्रकार नियोजित की जाती है कि वह कक्षा में अध्यापक की उपस्थिति को प्रतिबिंबित कर सके। इसलिए विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री के बीच-बीच में ऐसे प्रश्नों की श्रृंखला दी जाती है, जो उन्हें प्रेरित करने के साथ –साथ उस पाठ का तथ्यपरक ज्ञान भी करा सकें। कठिन तथा पारिभाषिक शब्दावली की आख्या द्वारा जटिल तथ्यों एवं विचारों को बोधगम्य बनाया जाता है। अध्ययनार्थियों को व्यापक एवं गहन अध्ययन के लिए उस विषय के महत्वपूर्ण तथा सहायक ग्रन्थों की सूची उपलब्ध करायी जाती है। इकाई के अन्त में दिये गये प्रश्न परीक्षा की तैयारी में विद्यार्थियों के लिए सहायक सिद्ध होते हैं।

1.5. ऑडियो – विजुअल सामग्री (Audio-visual Material)

दूरस्थ शिक्षा पद्धति को रोचक एवं प्रभावशाली बनाये जाने हेतु कुछ पाठ्यक्रमों में ऑडिया-विजुवल व्याख्यानों को विकसित किया गया है। ऑडियो-विजुअल की कुछ सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। भविष्य के लिए यह प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु इकाई/ ब्लॉक के अनुसार ऑडियो- विजुअल सामग्री का विकास किया जाए फलस्वरूप विद्यार्थी को पाठ्य की सामग्री समझने में और अपनी समझ को और अधिक बढ़ाने में सहायता मिल सके । विश्वविद्यालय के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत ऑडियो–विजुअल व्याख्यानों को 'एडुसेट' के माध्यम से सरकारी महाविद्यालयों मे अपने स्वयं के अध्ययन केंद्रो से प्रसारित करने की योजना है,जिससे विद्यार्थियों को इसका अतिरिक्त लाभ मिल सके। इस दिशा में हमारे केंद्र कार्य कर रहे हैं और वे सफल रहे हैं।

1.6. स्व-अध्ययन पाठ्यसामग्री लेखन एवं प्रशिक्षण (Study material writing and training)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के कुछ एक वर्षों में ही अपनी पाठ्य सामग्री का निमार्ण प्रारंभ करा दिया था। आज विश्वविद्यालय ने लगभग सारे विषयों में अपनी पाठ्य सामग्री निर्मित कर ली है। विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री नवीन ज्ञान-विज्ञान, शोधपरक दृष्टि एवं तथ्यात्मकता से युक्त है। प्रत्येक विषय के समन्वयक के निर्देशन में विषय विशेषज्ञों की सहायता से विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री प्रत्यक्ष शिक्षण का विकल्प होता है, इसलिए इसकी लेखन-प्रक्रिया सामान्य पुस्तक लेखन प्रक्रिया से भिन्न होती है। सामान्य लेखन में लेखक अपने मतों को अपने दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत कर देता है। उसके लेखन के केंद्र में कोई निश्चित पाठक नहीं होता। अत: वह अपने मत को व्यक्तिगत रूप देकर लिखता है। इस लेखन की अपनी स्तरीयता के अनुरूप ही पाठक स्वयं तय हो जाते हैं।

अत: लेखक पाठ की सम्प्रेषणीयता से मुक्त होता है, किन्तु मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री का निमार्ण सुनिश्चित पाठक के आधार पर होता है। इसलिए इसकी प्रक्रिया सरल भी होती है और ज्यादा वस्तुनिष्ठ भी। स्व-अध्ययन सामग्री का लेखन एक विशेष पद्धति (संवादात्मक) पर होता है, इसलिए यह पद्धति व्याख्यात्मक पद्धति से भिन्न होती है। इन्हीं कारणों से जब स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है, तब इसके लेखन में विशेष सावधानी की आवश्यकता पड़ती ही है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय समय-समय पर बाह्य एवं आंतरिक विषय-विशेषज्ञों की सहायता से स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण की कार्यशाला आयोजित करता रहता है, जिससे उच्च पाठ्यसामग्री निर्मित हो सके। इस प्रकार के पाठ्यसामग्री लेखन की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण से एक तो विश्वविद्यालय की पाठ्यसामग्री उन्नत होती है तो दूसरे उनमें एकरूपता भी आती है।

विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री की रूपरेखा इस प्रकार है –

क्रम संख्या	विषय	विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री
1.	अंग्रेजी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
2.	हिन्दी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
3.	संस्कृत	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
4.	ज्योतिष	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
5.	उर्दू	बी0ए0 व एम0ए0 (प्रथम वर्ष)
6.	संगीत	बी0ए0
7.	समाज कार्य	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
8.	इतिहास	बी0ए0
9.	लोक प्रशासन	बी0ए0
10.	राजनीति विज्ञान	बी0ए0 व एम0ए0 (प्रथम वर्ष)
11.	योग	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
12.	गृह विज्ञान	डीपीएचसीएन व बी0 ए0
13.	पर्यटन	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
14.	होटल मैनेजमेन्ट	डीएचएम & बीएचम
15.	अर्थशास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
16.	शिक्षाशास्त्र	बी0ए0 व एम0ए0/ बी0एड0 (शिक्षाशास्त्र) एवं बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा)
17.	लोक प्रशासन	एम0ए0 प्रथम वर्ष
18.	जन्तु विज्ञान	बीएससी (जन्तु विज्ञान)
19.	रसायन विज्ञान	बीएससी (रसायन) एवं एमएससी प्रथम सेमेस्टर
20.	वनस्पति विज्ञान	बीएससी (वनस्पति विज्ञान)
21.	भौतिकी	बीएससी (भौतिकी) प्रथम वर्ष
22.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	बी0 लिब0
23.	मनोविज्ञान	बी0ए0
24.	समाज शास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
25.	भूगोल	बी.ए. प्रथम व द्वितीय वर्ष

विषयवार अध्ययन सामग्री की सूची

1.7 कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशाला/परियोजना कार्य

1.7.1 मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति में ज्ञान तथा पाठ को सैद्धान्तिक रूप देकर ही छोड़ नहीं दिया जाता अपितु उसे व्यावहारिक निकष पर भी परखा जाता है। ज्ञान को व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। कार्यशाला को एक प्रकार से हम सैद्धान्तिक ज्ञान का व्यावहारिक परीक्षण या उपस्थापन के रूप में समझ सकते हैं। कार्यशाला आयोजन के पीछे

मुख्य मत यह है कि छात्र द्वारा अध्ययन सामग्री के वाचन पश्चात उसके ज्ञान की व्यावहारिक उपस्थिति का पता लगाना। इन कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अतिरिक्त बाह्य विषय-विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जाता है, जिससे छात्र विषय को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक रूप में ग्रहण करने की समुचित योग्यता धारण कर सके।

विज्ञान, शिक्षा, समाज कार्य, मनोविज्ञान, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशालाओं का प्रावधान किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की प्रायोगिक समझ विकसित हो सके। इसके अतिरिक्त कुछ पाठ्क्रमों में परियोजना कार्य पाठ्यक्रम के अनिवार्य भाग के रूप में शामिल किया गया है, जिससे विद्यार्थी के प्रायोगिक/व्यावहारिक/शोधपरक ज्ञान में वृद्धि हो सके।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षण पाठ्यक्रम मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्रों की त्रिस्तरीय व्यवस्था द्वारा संचालित होते हैं। राज्य के विभिन्न भागों में स्थित 8 क्षेत्रीय केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा नियन्त्रित तथा निर्देशित होते हैं। प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र अपने क्षेत्र में स्थित अध्ययन केन्द्रों और विश्वविद्यालय के बीच समन्वय तथा सक्रिय सहयोग की भूमिका निभाते हैं। अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय कार्यालय तथा विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार छात्रों का प्रवेश, पाठ्य-सामग्री परामर्श तथा प्रयोगात्मक कार्य से सम्बन्धित सभी कार्यों का सम्पादन करते हैं। समस्त शिक्षण कार्यों का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित अध्ययन केन्द्रों से ही होता है। इस समय विश्वविद्यालय में 88 अध्ययन केंद्र हैं।

1.8 निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं (आर.एस.डी.)

विश्वविद्यालय मुख्यालय में क्षेत्रीय सेवा प्रभाग की स्थापना की गयी है। यह प्रभाग 8 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं 88 अध्ययन केन्द्रों का नियमन एवं समन्वय करता है। यह अनुभाग क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों के संचालन का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अनुप्रयोग स्थिर करता है। (देखें परिशिष्ट – XIII & XIV)

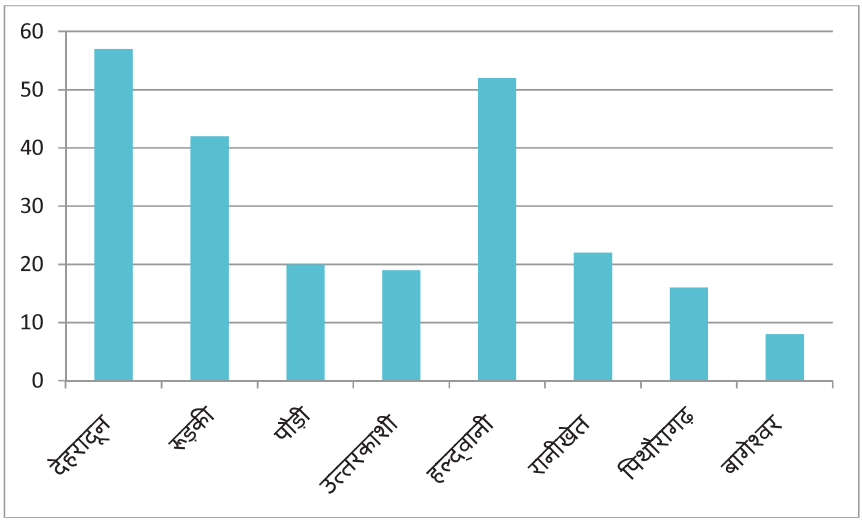

क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थिति

1.9 क्षेत्रीय केन्द्र

क्षेत्रीय केन्द्रों का कार्य अध्ययन केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के बीच शैक्षिक पाठ्यक्रमों हेतु समन्वय स्थापित कर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को उत्तराखण्ड के दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाना है। ये केन्द्र सामान्यतः

भौगोलिक पहुंच एवं अध्ययन केन्द्रों की परिस्थिति के दृष्टिकोण से बीच की जगह में स्थापित किये गये हैं। ऐसे आठ क्षेत्रीय केन्द्र, जिसमें से चार गढ़वाल मण्डल में (देहरादून,रूड़की,पौड़ी एवं उत्तरकाशी) तथा चार कुमाऊँ मण्डल (रानीखेत, हल्द्वानी, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़) में स्थापित किये गये हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

1.10 अध्ययन केन्द्र

अध्ययन केन्द्र मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति की प्राथमिक इकाई हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के द्वारा समुचित कार्यवाही के उपरान्त अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की जाती है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी सुविधानुसार अध्ययन केन्द्र चुनने की स्वतंत्रता होती है। छात्रों के प्रवेश के साथ साथ उनके लिए परामर्श सत्रों तथा प्रयोगात्मक कार्यों की व्यवस्था भी अध्ययन केन्द्रों द्वारा की जाती है। इन केन्द्रों के माध्यम से प्रत्येक छात्र अपने विश्वविद्यालय से निरन्तर जुड़ा रहता है।

2.1 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्षवार छात्र संख्या

क्र.सं.	शैक्षिक सत्र	छात्र संख्या
1	2006-07	2776
2	2007-08	1898
3	2008-09	1503
4	2009-10	629
5	2010-11	7380
6	2011-12	13729
7	2012-13	21316
8	2013-14	22272
9	2014-15	23875
10	2015-16	33095
11	2016-17	40,281
12	2017-18	68,230
13	2018-19	56,014

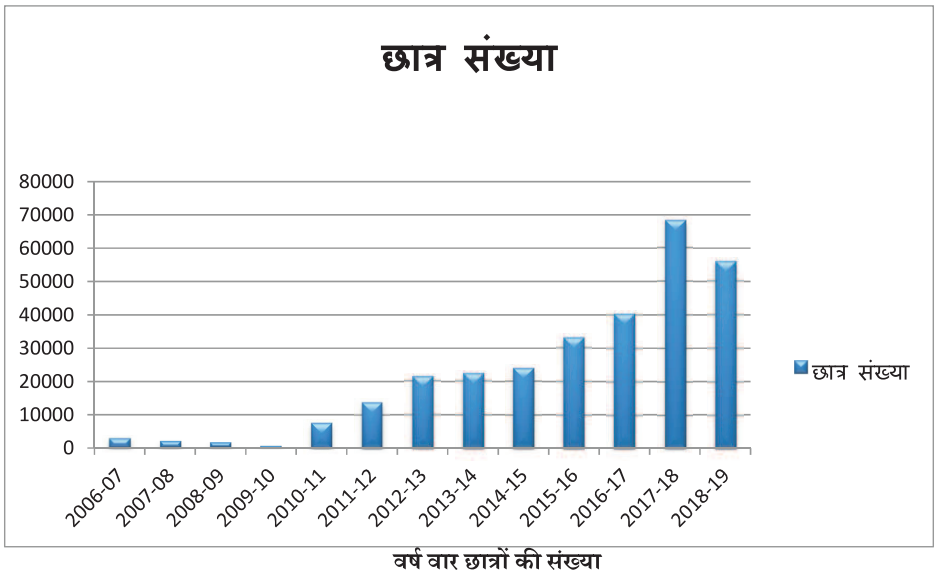

वर्ष वार छात्रों की संख्या

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की छात्र संख्या में 2011-12 के पश्चात् क्रमश: वृद्धि होती रही है। यह तथ्य ऊपर दी गयी सारिणी में आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि 2006-07 में हमारी छात्र संख्या महज 2776 थी जो कि वर्ष 2017-18 में 68,230 पहुँच चुकी थी। इस वर्ष 2018-19 में छात्र संख्या में थोड़ी सी गिरावट

आयी और यह संख्या 56,014 हो गयी। जिसका मुख्य कारण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा (UGC) द्वारा विश्वविद्यालय में संचालित किये जा रहे पाठ्यक्रमों की मान्यता समय पर नहीं मिलना था। इससे विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ा। किन्तु साथ में विश्वविद्यालयीय अकादमिक विस्तार के लिए यह सुखद समाचार भी रहा कि हम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से पूर्व संचालित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ अन्य कई नये पाठ्यक्रमों की मान्यता लेने में सफल रहें। इसके प्रभाव से भविष्य में हमारी छात्र संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि होने की भी संभावना रहेगी।

सामान्य / दिव्यांग छात्र

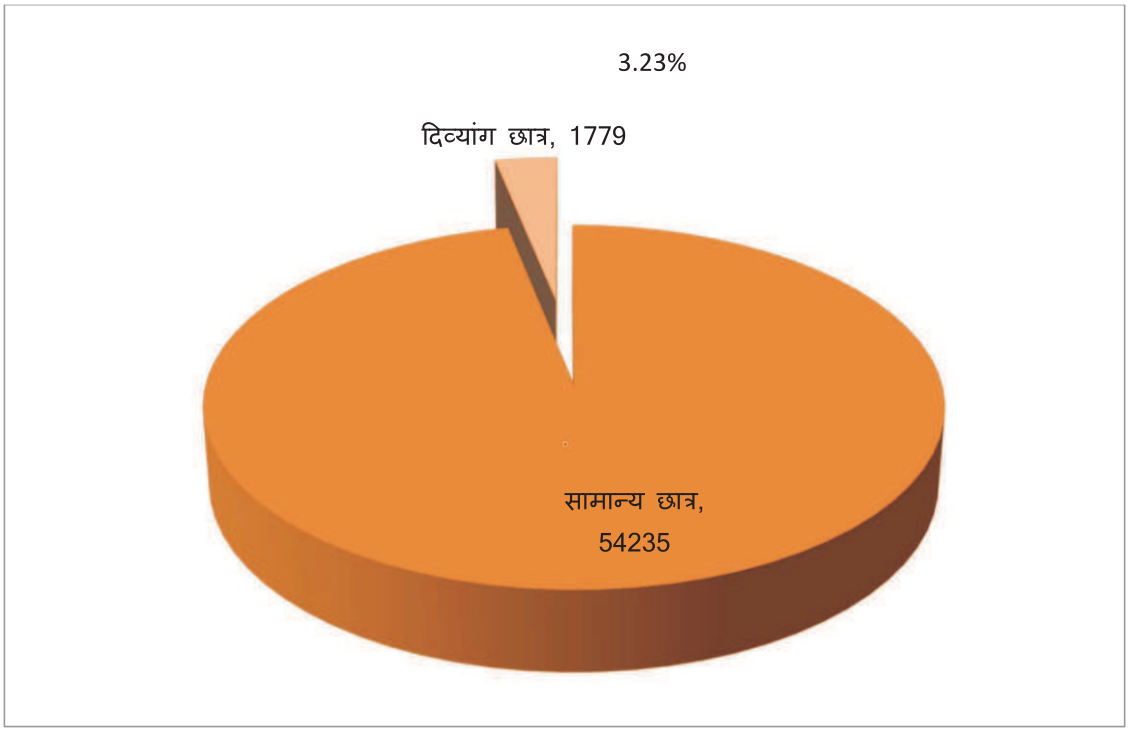

सामान्य/ दिव्यांग छात्र वर्तमान परिस्थिति

विश्वविद्यालय सामान्य छात्रों के साथ-ही-साथ दिव्यांग छात्रों के लिए भी कृतसंकल्प है। विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष कुल 68,230 छात्रों में से 2207 दिव्यांग छात्र थे। सत्र 2018-19 में 56,014 छात्रों में इनकी संख्या 1779 हो गई। कोई भी समाज नहीं चाहता कि उसके यहाँ अप्राकृतिक रूप से कोई व्यक्ति अपने अस्तित्व का निवर्हन करे। बावजूद इसके हमारा दायित्व है कि दिव्यांग छात्रों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने दिव्यांग छात्रों के लिए समय-समय पर विशेष कार्यशालाओं का आयोजन तो करता ही रहता है, साथ– ही-साथ अन्य मानवीय सहायता एवं सुविधा भी उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय का यह ध्येय है कि वह दिव्यांग छात्रों के भीतर आत्मविश्वास का संचार कर उन्हें इस योग्य बना दे, जिससे वह समाज की मुख्यधारा में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

- **पुरूष एवं महिला छात्र**

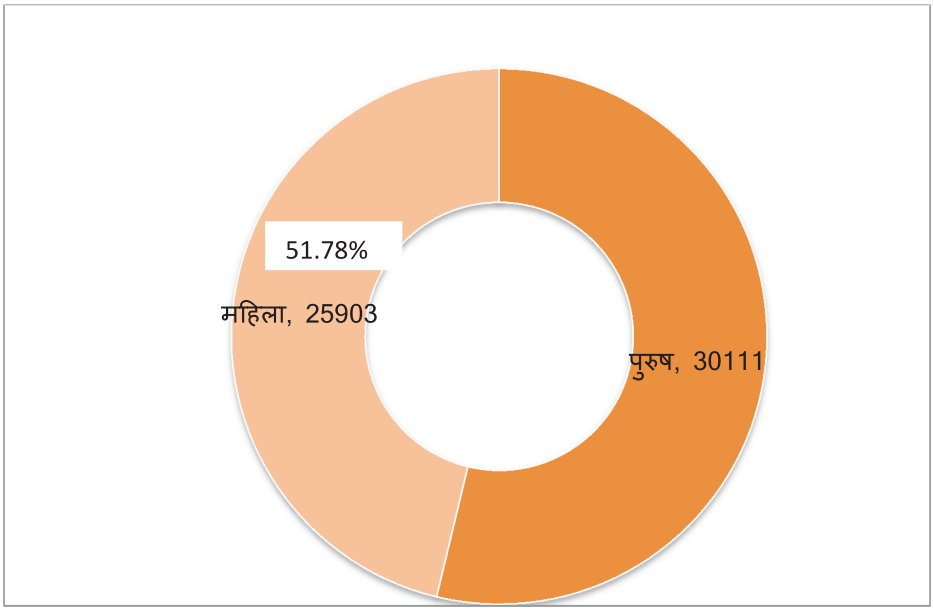

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पुरूष और महिला दोनों वर्गों के समान अधिकार व विकास का पक्षधर है। बावजूद हमने महिलाओं की सुविधा को विशेष रूप से दृष्टिगत रखा है। अपने महिला कर्मचारियों को ध्यान में रखते हुए हमने हमेशा उनको आगे रखा है। पुरूष और महिला छात्रों की संख्या में भी इसीलिए समानता है, बल्कि महिला छात्रों की संख्या पुरूषों की अपेक्षा कुछ ज्यादा ही है। पिछले वर्ष 32898 छात्रों के मुकाबले 35332 छात्रायें थीं। इस वर्ष है। इस वर्ष छात्राओं की संख्या में थोड़ी गिरावट आयी है। सत्र 2018-19 में 30111 छात्रों के मुकाबले छात्राओं की संख्या 25903 हैं। यह उतार-चढ़ाव बना रहता है। विगत दो वर्षों से महिला छात्राओं की संख्या निरन्तर बढ़ रही थी। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि हम छात्राओं के प्रति एक अनुकूल अध्यापन परिसर का निर्माण विकास करने में सफल रहे हैं।

- **जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्र विभाजन**

Category-wise Numbers of Students

Year	GEN.	SC	ST	OBC
2012-13	16994	2095	508	3798
2013-14	16240	2062	537	3690
2014-15	16825	2348	744	4403
2015-16	28881	1375	717	2569
2016-17	26287	4022	1896	8076
2017-18	45995	7517	2707	12011
2018-19	37710	6523	2477	9304

वर्ष वार जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्रों की संख्या

किसी भी समाज का सर्वांगीण विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक कि उस समाज के सभी वर्ग मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन जाते। भारतीय समाज का एक बड़ा अंतर्विरोध या विशेषता इसका जाति विभाजित समाज है। पूर्व की अपेक्षा आज हमारे समाज के सभी वर्गों की जातियाँ सामाजिक गतिशीलता में अपना योग दे रही हैं। एक अध्ययन परिसर के भीतर हमारा यह दायित्व है कि हम सभी वर्गों के लिए समान सुविधा व अवसर को विकसित कर सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने समाज कल्याण विभाग की सहायता से अनुसूचित जाति व जनजाति जाति के शुल्क वापसी का प्रावधान भी नियत किया है। विश्वविद्यालय के समावेशी चरित्र ने सभी वर्ग के छात्रों में अपनी विश्वसनीयता निर्मित की है। पिछले सत्र में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ी जाति के 12011 छात्र थे, जबकि अनुसूचित जाति के 7517 एवं अनुसूचित जनजाति के 2707 छात्र नामांकित थे। इस वर्ष संख्या में कमी आयी हैं। सत्र 2018-19 में पिछड़े छात्रों की संख्या 9304 हो गई है, जबकि अनुसूचित जाति के 6523 छात्र एवं अनुसूचित जनजाति के 2477 छात्र नामांकित हैं।

विश्वविद्यालय में जाति वर्गीकरण के आधार पर नीचे दिए गए चार्ट द्वारा वर्षवार छात्रों की स्थिति का अवलोकन किया जा सकता है।

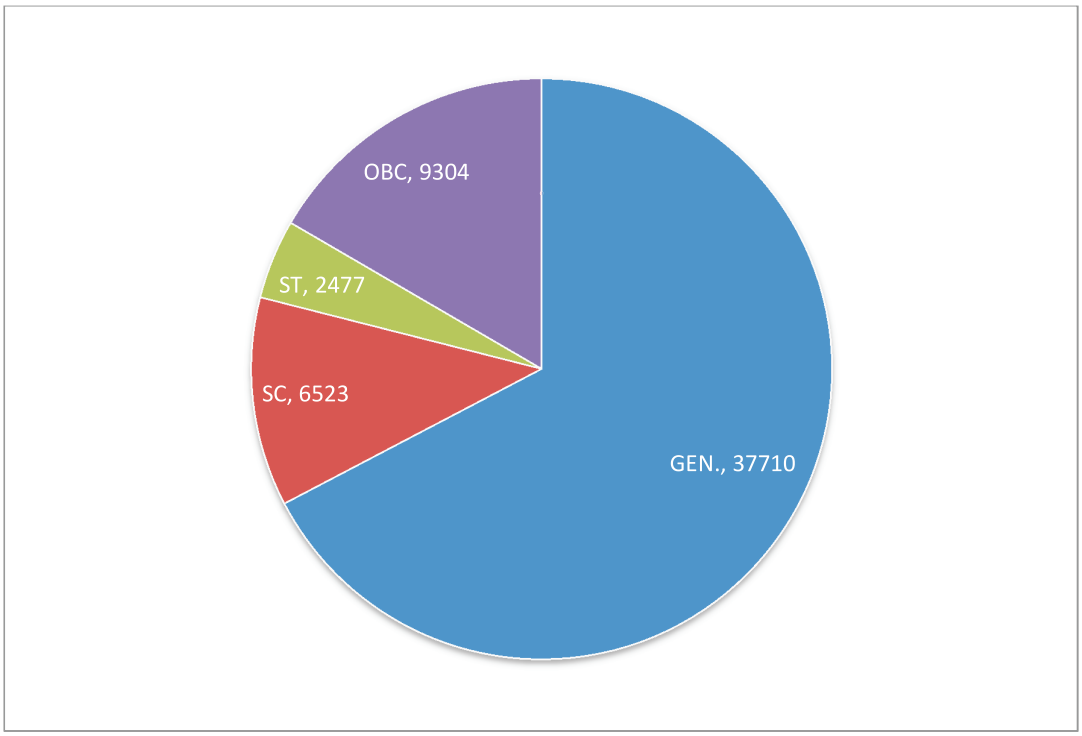

मानविकी विद्याशाखा
(SCHOOL OF HUMANITIES)

❖ अंग्रेजी विभाग

- अंग्रेजी विषय में बी0ए0 एवं एम0ए0 पाठ्यक्रम के पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।

❖ संस्कृत विभाग

- संस्कृत विषय में बी0ए0 एवं एम0ए0 पाठ्यक्रम के पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।

❖ हिन्दी विभाग

- राजभाषा दिवस, 14 सितम्बर 2018 को हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषायें विभाग द्वारा एक वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल ने कहा कि हर सचेत समाज अपनी परम्परा को नवीन ढंग से खोजता है। हिन्दी भाषा की परम्परा इस देश की मूल संस्कृति से जुड़ी हुई है। इसी कारण वह बाजार की शक्तियों से प्रभावित भले हो, किन्तु संचालित नहीं है। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कुमाऊँ विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्षा प्रोफेसर नीरजा टण्डन ने कहा कि हर हिन्दी की ताकत इसकी प्रादेशिकता में है। यह भाषा इसलिए समृद्ध है क्योंकि इसके पास लम्बी प्रादेशिक चेतना है। कॉमर्स एवं प्रबन्ध विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर आर.सी.मिश्र ने कहा कि हिन्दी भाषा का लचीलापन एवं असाम्प्रदायिक चरित्र इसे विशिष्ट बनाता है। संगोष्ठी का प्रस्तावना वक्तव्य देते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. शशांक शुक्ला ने कहा कि हिन्दी भाषा की ताकत इसका जनतांत्रिक स्वरूप है। यह सत्ता की भाषा कभी नहीं रही। इसकी ताकत यह भी नहीं है कि यह इस देश की संस्कृति, पूर्वभाषा – अपभ्रंशों के दामन को स्वीकार कर आगे बढ़ी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेन्द्र कैड़ा ने किया।

हिन्दी दिवस समारोह की छायाचित्र

❖ ज्योतिष विभाग

- दिनांक 30 मार्च 2019 को ज्योतिष विभाग द्वारा 'ज्योतिषशास्त्र का लोक-कल्याणकारी स्वरूप' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में किया गया। यह संगोष्ठी माननीय कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश नेगी जी के निर्देशन तथा मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल जी के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार ने उपस्थित होकर संगोष्ठी में आए समस्त प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि ज्योतिष की सीमा शून्य से अनन्त तक है। यह समस्त चराचर प्राणियों के लिए कालानुरोधेन उत्तम पथप्रदर्शक है। इस शास्त्र की अपार सम्भावनायें हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल ने ज्योतिष के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की प्रस्तावना विभागीय सहायक प्राध्यापक डॉ. नन्दन कुमार तिवारी ने उपस्थापित किया तथा संचालन डॉ. देवेश कुमार मिश्रा ने किया। संगोष्ठी में 50 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित हुए। कार्यक्रम के समापन में माननीय कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश नेगी जी ने सभी का आभार जताया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नन्दन कुमार तिवारी ने किया। संगोष्ठी में अन्य विद्वान- डॉ. रत्न लाल शर्मा, प्रोफेसर जगन्नाथ जोशी, डॉ. महेश चन्द्र जोशी, डॉ.गोपाल दत्त त्रिपाठी, डॉ. नवीन चन्द्र वेलवाल, संस्कृत के सहायक उच्च शिक्षा निदेशक, पदमाकर मिश्र के साथ-साथ विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ. सूर्यभान सिंह, डॉ. नीरजा सिंह, शालिनी चौधरी, डॉ. सीता, राजेन्द्र सिंह क्वीरा आदि ने प्रतिभाग किया।

एकदिवसीय राष्ट्रिय ज्योतिष संगोष्ठी की छायाचित्र

- विभागीय सहायक प्राध्यापक डॉ. नन्दन कुमार तिवारी को दिनांक 10 अप्रैल 2018 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय में UGC- MHRD द्वारा प्रदत्त परियोजना E-content (इ- पाठशाला) में PG स्तरीय ज्योतिष (गणित) सम्बन्धित 'ग्रहलाघवम्' नामक प्रश्न पत्र के कुल 32 इकाईयों का संस्कृत भाषा में लेखन कार्य के लिए BHU संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय के ज्योतिष विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। UGC के वेबसाइट पर ज्योतिष (गणित) विषय के लिए डॉ. नन्दन कुमार तिवारी का नाम इकाई लेखक के रूप में अंकित हो चुका है।

डॉ. नन्दन कुमार तिवारी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (BHU) के ज्योतिष विभाग में सम्मानित होते हुए

- विभागीय अध्यापक डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम के पाठ्यसामग्रियों का लेखन एवं सम्पादन कार्य किया गया।

- **उर्दू विभाग**

  उर्दू विषय के एम.ए. पाठ्यक्रम के पाठ्यसामग्रियों को स्वअध्ययन सामग्री के रूप में तैयार किया गया।

सामाजिक विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL 0F SOCIAL SCIENCES)

इतिहास विभाग

- डॉ0 एम0एम0जोशी द्वारा विश्वविद्यालय की शीतकालीन सत्र 2018-19 के लिए विवरणिका सम्पादित की गई।

राजनीति विज्ञान विभाग

- राजनीति विज्ञान विभाग में डॉ0 सूर्यभान सिंह द्वारा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की पाठ्यसामग्री निर्मित की गई।

लोकप्रशासन विभाग

- डॉ0 घनश्याम जोशी द्वारा लोक प्रशासन विषय के स्नातक की अध्ययन सामग्री का लेखन व सम्पादन किया गया।
- पंचायती राज्य में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम की पुस्तकों का सम्पादन कार्य किया गया।
- लोक प्रशासन में एम0 ए0 प्रथम वर्ष की चारों पुस्तकों के संयोजन और सम्पादन का कार्य किया गया।

मनोविज्ञान विभाग

- मनोविज्ञान विभाग द्वारा गतवर्ष प्रारंभ किये गये "स्मृति वर्धक विज्ञान" में प्रमाण पत्र कार्यक्रम (CME-17) के अंतर्गत स्व अध्ययन सामग्री का सम्पादन एवं प्रकाशन कार्य किया गया।
- 07.02.2019 को 'हैलो हल्द्वानी' सामुदायिक रेडियो में "परीक्षा तनाव" पर रेडियो टॉक।

अर्थशास्त्र विभाग

- शालिनी चौधरी द्वारा बी.ए. एवं एम. ए. (अर्थशास्त्र) की पन्द्रह स्वअध्ययन पाठ्यसामग्री का सम्पादन कार्य किया गया। इसके साथ साथ एम.ए. समाजशास्त्र के लिए तीन इकाईयों का लेखन कार्य किया गया|
- दिनाँक 3-4 नवम्बर 2018 को जनपद हरिद्वार में आयोजित "ज्ञान कुम्भ 2018" में विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिभाग किया|
- दिनाँक 05 जनवरी 2019 से क्षेत्रीय सेवाएं निदेशालय में सहायक निदेशक के तौर पर कार्य किया|

दिनाँक 18 जनवरी 2019 व 19 जनवरी 2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला "परिवार, स्कूल, कॉलेज और समुदाय में शराब और नशीली दवाओं के दुरूपयोग की रोकथाम" में प्रतिभाग किया गया|

समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग

- समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग में पुस्तकों का सम्पादन कार्य किया गया।
- मास्टर ऑफ सोसल वर्क (MSW) में सत्र २०१८ -१९ में एम. एस. डब्लू चतुर्थ सेमेस्टर के शिक्षार्थियों हेतु सामाजिक कार्य अनुसन्धान परियोजना विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें समाज कार्य में अनुसन्धान की आवश्यकता एवं अनुसन्धान के प्रकारों पर प्रकाश डाला गया। यह कार्यशाला उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविदयालय परिसर हल्द्वानी में एवं क्षेत्रीय कार्यालय एस० जी० आर० आर० पी० जी० कॉलेज देहरादून में आयोजित की गयी।
  कार्यशाला का मुख्य उददेश्य एम. एस. डब्लू चतुर्थ सेमेस्टर के शिक्षार्थियों का समाज कार्य अनुसन्धान के क्षेत्र में कौशल विकास करना था। इसके साथ ही मौखिकी परीक्षा के आयोजन किया गया जिसमें लगभग १५० विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। ८ मार्च को उत्तराखंड बाइक रैली में हिस्सा लिया गया।

कार्यशाला की छायाचित्र

वाणिज्य विभाग

- डॉ0 गगन सिंह के द्वारा बी0कॉम व एम0कॉम की पाठ्यसामग्री निर्माण आरम्भ किया गया।

प्रबन्ध अध्ययन विभाग

- प्रबन्ध अध्ययन विभाग द्वारा स्वअध्ययन पाठ्यसामग्री का लेखन व सम्पादन कार्य किया गया।

निदेशक, प्रोफेसर आर.सी.मिश्र द्वारा किये गये कार्यों का विवरण

Attended Interface Meeting at UGC;

- 10th Dec, 2018
- 07th Sep, 2018
- 14th August, 2018
- 06th July, 2018

❖ September 07th, 2018 , attended the 2nd National Level Interface Meeting of Open and Distance Learning (ODL) Institutions at UGC (DEB), New Delhi.

❖ July 06th, 2018, attended the 1st National Level Interface Meeting of Open and Distance Learning (ODL) Institutions at UGC, New Delhi.

❖ June 12th, 2018, Participated in a meeting of National Task Force, held at Bhubaneswar, Odisha organized by Odisha State Open University, Bhubaneswar, Odisha.

❖ May 04th, 2018, Participated in National Consultation Meeting for Assessment and Accreditation (A & A) of Open and Distance Learning Institutions at New Delhi.

KEY- NOTE/VALEDICTORY/CHAIRPERSON'S/CHIEF GUEST'S/ RESOURCE PERSON'S ADDRESSES: 2018

❖ Dec. 08th, Key-note Lecture on 'New India by 2022', organized by J.H.P.G.College, Amroha (U.P).

❖ May 09the, Participated in the 3rd, International Conference on "Emerging Strides in Innovations and Skill Enhancement-Sustainable Development a Key-Focus", at Bangkok Palace Hotel, Bangkok, Thailand.

❖ March 24th , Two (02) Lectures on "Yog, Ethics, Culture and Spirituality", at UGC-HRDC, Kumaun University, Nainital in a Refresher Programme for the teachers of University and UG/PG Colleges.

- March 20th , Lecture on "Yog and Scriptures" at a workshop (about 500 participants) on YOg, organized by Uttarakhand Open University at Aaditya Yog and Nature Care Centre, Kichcha, U.S.Nagar (Uttarakhand).
- March 14th, Lecture on "YOgsutr (योगसूत्र)", at a workship on You (about 500 participants), organized by Uttarakhand Open University at Aaditya Yog and Nature Care Centre, Kichcha, U.S.Nagar (Uttarakhand).
- February 24the, Key-note address in a National Seminar on 'Revolutionizing Education : Need, Challenges and Strategies', at Mahamaya Government Degree College, Sherkot (Bijnor, UP), Feb 24-25.
- February 18th, Valedictory address in an All India Seminar on "Transforming Nation into a Developed New India: Issues and Challenges", at J S Hindu P G College Amroha (UP) Feb 17-18.
- February 17th, Lecture on 'Shrimadbhagvad Gita and Yog" in a workshop on Yog (about 500 Participants), organized by Uttarakhand Open University, at Haridwar (Uttarakhand).
- January 20th, Key-note address in a National Seminar on , "Higher Education And Employability for Youth", organized by Gangasheel P G College, Bareilly (UP).
- January 06th, Key-note address in a National Seminar on "Skill Development : Bridging Gaps Between Entrepreneurship and Academic Excellence", organized by VRAL Women's Govt. Degree College, Bareilly (UP), January 06-07.

1. डॉ. मंजरी अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक, प्रबन्ध अध्ययन के द्वारा वर्ष 2018 में इकाई लेखन का कार्य किया गया

2. प्रबन्ध अध्ययन विषय के दो शोधार्थियों सुनीता सांगुडी तथा राजेन्द्र सिंह कोहली की मौखिकी हो चुकी है तथा एक शोधार्थी दीपचन्द्र ओली का पूर्व प्रस्तुत मौखिकी परीक्षा हो चुकी है।
3. प्रबन्ध अध्ययन विभाग द्वारा अक्टूबर 2018 में MBA Entrance की परीक्षा का आयोजन किया गया।
4. 23 जून, 2018, हैदराबाद में आयोजित डॉ। बीआरओयू, हैदराबाद द्वारा आयोजित ओ0 डी0 एल संस्थानों पर मूल्यांकन और प्रत्यायन के लिए NAAC की एक क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

1 डॉ0 सुमित प्रसाद द्वारा Intervention of Technology for Examination Reform Scanning of Exam Award List and Data Procession में दिनांक 15–16 नवम्बर 2018 को प्रतिभाग किया गया।

2 डॉ0 सुमित प्रसाद द्वारा One Day Workshop in NAAC ODL Manual in Bengaluru में प्रतिभाग दिनांक 10.06.2019 को किया गया।

3 डॉ0 सुमित प्रसाद द्वारा One Day Review Meeting in Doon University में दिनांक 10.07.2019 को प्रतिभाग किया गया।

4 MBA में परियोजना कार्य की Special Counseling Sessions को आयोजित किया गया।

विज्ञान विद्याशाखा
(SCHOOL OF SCIENCE)

विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं का विवरण -

विज्ञान विद्याशाखा द्वारा स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर विभिन्न विषयों में नामंकित विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक अकादमिक सत्र में दो बार प्रयोगात्मक कार्यशाला एंव परीक्षाओं का आयोजन कराया जाता है जिनका विवरण निम्नवत है -

ग्रीष्मकालीन सत्र 2018-19

विज्ञान विद्याशाखा द्वारा ग्रीष्मकालीन सत्र में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं एवं परीक्षाओं का विवरण निम्नवत है-

क्रम संख्या	तिथि	स्थान
1.	25.4.2018 से 4.5.2018 तक	एस0जी0आर0आर0 पी0जी0 कॉलेज, देहरादून
2.	26.4.2018 से 4.5.2018 तक	पी0एल0एम0एस0 राजकीय महाविद्यालय, ऋषिकेश
3.	6.5.2018 से 14.5.2018 तक	हे.न.ब.ग. विश्वविद्यालय पौड़ी केम्पस

4.	15.5.2018 से 24.5.2018 तक	एम0बी0पी0जी0 कॉलेज, हल्द्वानी
5.	20.5.2018 से 29.5.2018 तक	एल0एस0एम0 जी0पी0जी0सी0 पिथौरागढ़

शीतकालीन सत्र 2018-19

क्रम संख्या	तिथि	स्थान
1.	27.10.2018 से 4.11.2018 तक	एस0जी0आर0आर0 पी0जी0 कॉलेज, देहरादून
2.	26.11.2018 से 3.12.2018 तक	पी0एल0एम0एस0 राजकीय महाविद्यालय, ऋषिकेश
3.	22.11.2018 से 1.12.2018 तक	एम0बी0पी0जी कॉलेज, हल्द्वानी

वनस्पति विज्ञान विभाग (Department of Botany)

विज्ञान विद्याशाखा के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा स्नातक एवं परास्नातक में नामंकित विद्यार्थियों के लिए अकादमिक सत्र (2018-19) में दो बार प्रयोगात्मक कार्यशाला एंव परीक्षाओं का आयोजन कराया गया जिनका विवरण निम्नवत है -

वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विभिन्न केन्द्रों में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं के कुछ अंश

भौतिकी विभाग (Department of Physics)

विज्ञान विद्याशाखा के भौतिकी विभाग द्वारा स्नातक एवं परास्नातक में नामंकित विद्यार्थियों के लिए अकादमिक सत्र (2018-19) में दो बार प्रयोगात्मक कार्यशाला एंव परीक्षाओं का आयोजन कराया गया जिनका विवरण निम्नवत है –

भौतिकी विभाग द्वारा विभिन्न केन्द्रों में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं के कुछ अंश

ग्रीष्मकालीन सत्र 2018-19 के बीएससी एवं एमएससी पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए दिनांक 25 अप्रैल 2018 से 26 मई 2018 पर्यन्त कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा शीतलकालीन सत्र 2018-19 के छात्रों के लिए दिनांक 27 अक्टूबर 2018 से 30 नवम्बर 2018 पर्यन्त कार्यशाल का आयोजन किया गया।

भौगोलिकता के आधार पर विशेषज्ञों द्वारा पाँच कार्यशालाओं का आयोजन हल्द्वानी, देहरादून, ऋषिकेष, उत्तरकाशी एवं पिथौरागढ़ के केन्द्रों पर किया गया। जिसमें एमएससी पाठ्यक्रम के 293 तथा बीएससी के 120 छात्रों ने प्रतिभाग किया। यह कार्यशाला भौतिकी विज्ञान के छात्रों के लिए लाभकारी रहा।

जन्तु विज्ञान विभाग (Department of Zoology)

जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशाला का चित्र

रसायन विज्ञान विभाग (Department of Chemistry)

विज्ञान विद्याशाखा के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा स्नातक एवं परास्नातक में नामंकित विद्यार्थियों के लिए अकादमिक सत्र (2018-19) में दो बार प्रयोगात्मक कार्यशाला एंव परीक्षाओं का आयोजन कराया गया जिनका विवरण निम्नवत है -

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा विभिन्न केन्द्रों में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं के कुछ अंश

पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा
(SCHOOL OF EARTH AND ENVIRONMENTAL SCIENCE)

पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं का विवरण -

पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा द्वारा स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर विभिन्न विषयों में नामंकित विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक अकादमिक सत्र में दो बार प्रयोगात्मक कार्यशाला एंव परीक्षाओं का आयोजन कराया जाता है जिनका विवरण निम्नवत है -

ग्रीष्मकालीन सत्र 2018-19

विज्ञान विद्याशाखा द्वारा ग्रीष्मकालीन सत्र में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं एवं परीक्षाओं का विवरण निम्नवत है-

क्रम संख्या	तिथि	स्थान
1.	25.04.18 to 07.05.18 (For students enrolled in summer session- 2017-18)	एस0जी0आर0आर0 पी0जी0 कॉलेज, देहरादून
2.	15.05.18 to 27.05.18 (For students enrolled in summer session- 2017-18)	एम0बी0पी0जी0 कॉलेज, हल्द्वानी

शीतकालीन सत्र 2018-19

क्रम संख्या	तिथि	स्थान
1.	30.10.18 से 05.11.18	एस0जी0आर0आर0 पी0जी0 कॉलेज, देहरादून
2.	19.11.18 से 25.11.18 तक	एम0बी0पी0जी कॉलेज, हल्द्वानी

वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग:

- वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा स्नातक स्तर पर वानिकी विषय के छात्रों हेतु मई तथा नवम्बर माह में श्री गुरू राम राय परास्नात्क कालेज, देहरादून में प्रयोगात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा विभिन्न केन्द्रों में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं के कुछ अंश

भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग: -

- भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग द्वारा बी0 ए0 / बी0 एस0 सी0 एवं एम0 ए0/एम0 एस0 सी0 की भूगोल विषय की स्व-अध्ययन सामग्री का लेखन एवं सम्पादन कार्य किया गया।
- भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग द्वारा गढवाल एवं कुमाऊं क्षेत्र के शिक्षार्थियों हेतु अनिवार्य कार्यशाला का आयोजन क्रमश: एस0 जी0 आर0 आर0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय, देहरादून तथा एम0 बी0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हल्द्वानी मे किया गया।

भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग द्वारा आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशाला के कुछ अंश

कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा

(School of Computer Science and Information Technology)

- MHRD द्वारा संचालित एवं वित्त पोषित परियोजना SWAYAM के लिए Introduction to cyber security विषय पर MOOC के निर्माण हेतु डॉ. जीतेंद्र पाण्डे - सहायक प्राध्यापक (कंप्यूटर विज्ञानं) को MHRD/IGNOU द्वारा 13.5 लाख(तेरह लाख पचास हजार रूपए मात्र) का अनुदान प्राप्त हुआ है। जिसके अंतर्गत साइबर सिक्यूरिटी विषय में 20 घंटे के विडियो लेक्चर रिकॉर्ड किये जाने हैं तथा MHRD के दिशा-निर्देशों के अनुसार 4 quarderent approach के अनुपालन में पाठ्यसामग्री, असाइनमेंट, क्विज आदि का भी निर्माण किया जाना है। परियोजना के अंतर्गत विकसित पाठ्यक्रम को SWAYAM प्लेटफार्म द्वारा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जायेगा। इसके अतिरिक्त इन विडियो लेक्चर का प्रसारण MHRD के DTH चैनल SWAYAMPRABHA में भी किया जायेगा।
- मिनिस्ट्री ऑफ़ ह्यूमन रिसोर्स एंड डेवलपमेंट द्वारा संचालित SWAYAM ऑनलाइन एजुकेशन पोर्टल हेतु Fundamentals of Cyber Security विषय पर ऑनलाइन कोर्स विकसित करने हेतु रुपये 13.5 लाख रुपये की ग्रांट आवंटित हुए है।
- असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे का चयन Asian Association of Open Universities (AAOU) की प्रतिष्ठित Inter-University Staff Exchange Fellowship हेतु Sukhothai Thammathirat Open University, Bangpood, Pakkret, Nonthabur,

Thailand विश्वविद्यालय में हुआ है। इस फेलोशिप के अंतर्गत डॉ जीतेंद्र पाण्डे कुछ समय Sukhothai Thammathirat Open University में रहकर A comparative study of OER practices at Uttarakhand Open University(UOU), India & Sukhothai Thammathirat Open University(STOU), Thailand विषय में शोध करेंगे।

1. डिजिटल साक्षरता के प्रसार के लिए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा इंट्रोडक्शन टू इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी दिनांक ०८ अप्रैल से १२ अप्रैल तक पांच दिवसीय निशुल्क नॉन-क्रेडिट ऑनलाइन कोर्स चलाया गया।

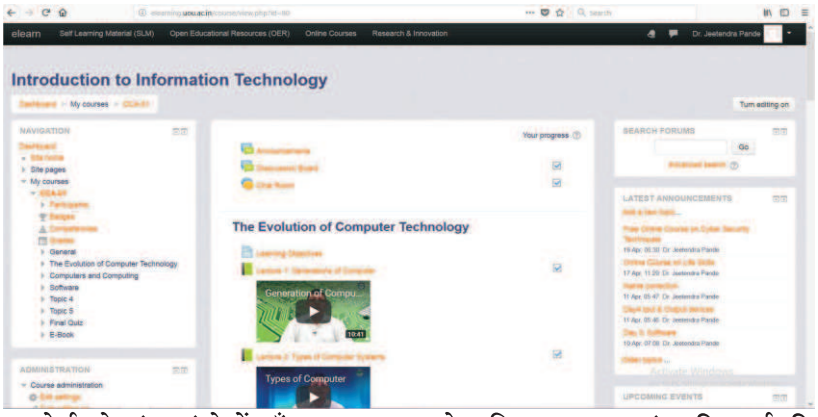

इस पांच दिवसीय कोर्स को पांच खंडो में बाँटा गया तथा प्रत्येक दिवस पर एक खंड की चर्चा की गयी| खण्डों का विवरण इस प्रकार हैं:

प्रथम खंड: प्रथम खंड में निम्नलिखित प्रसंगों की चर्चा की गयी-

- Generations of Computer
- Types of Computer Systems
- Computer Hardware and Peripherals
- Process and Storage Devices
- Storage Devices

द्वितीय खंड: द्वितीय खंड में निम्नलिखित प्रसंगों की चर्चा की गयी-

General Purpose Computer System Embedded Computer Systems Computer System- How it Works Processing Data

तृतीय खण्ड में निम्नलिखित प्रसंगों की चर्चा की गयी-

Operating Systems, Utility Programs and Laguage Translators

चतुर्थ खण्ड में निम्नलिखित प्रसंगों की चर्चा की गयी-

Input and Output Devices

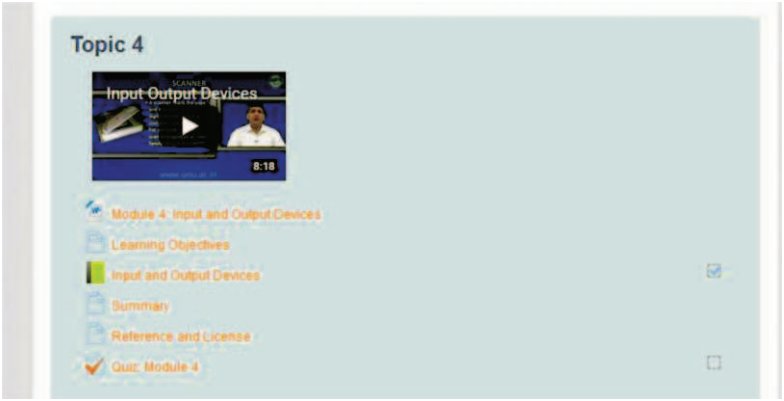

पंचम खण्ड में निम्नलिखित प्रसंगों की चर्चा की गयी-

Communication and Connectivity

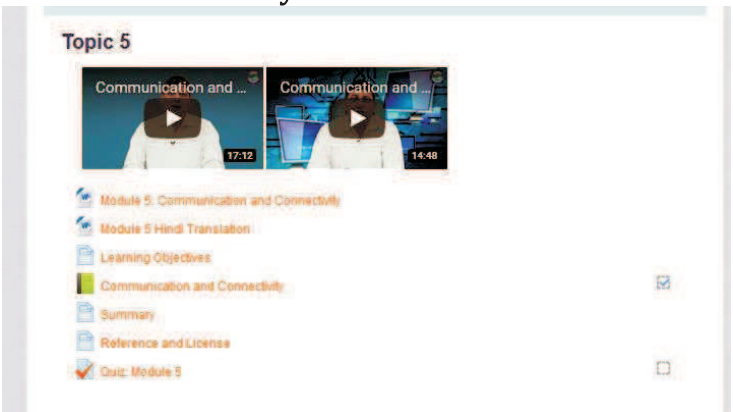

इस ऑनलाइन कोर्स में ऑनलाइन डिस्कशन फोरम एवं चैट की सुविधा भी दी गयी थी ताकि विद्यार्थीयों को कोई शंका होने पर वह अपनी शंका का समाधान कर सके।

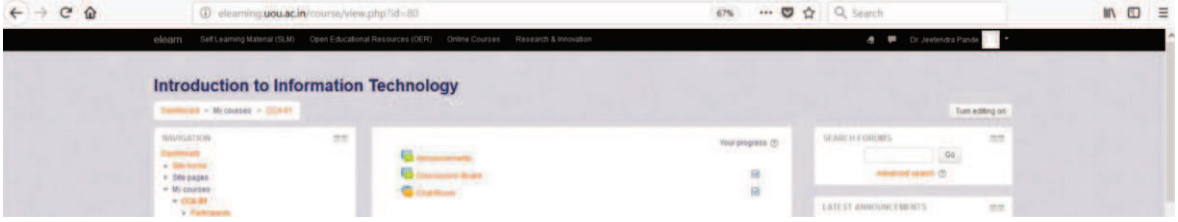

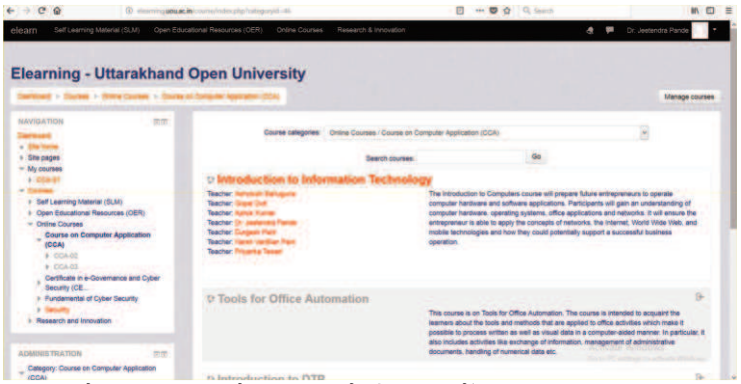

वे डिस्कशन फोरम एवं chat के माध्यम से विद्यार्थीयों की शंका का समाधान करते थे:

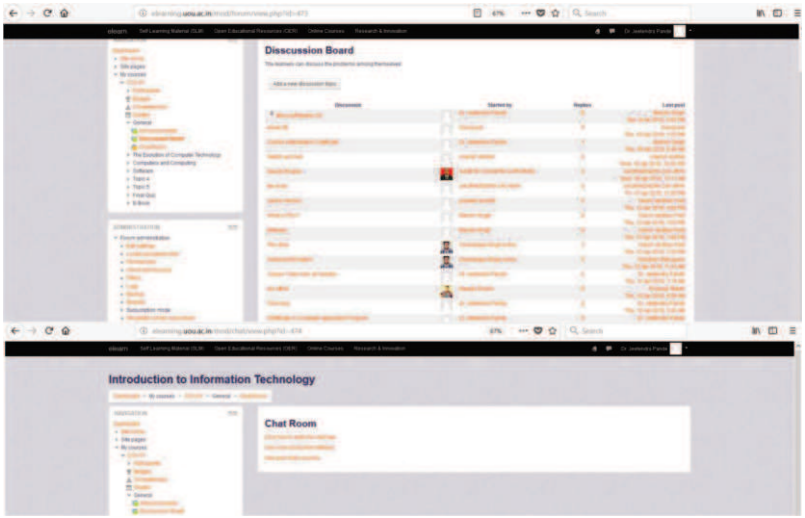

सभी खण्डों की समाप्ति के पश्च्यात विद्यार्थीयों ने फाइनल क्विज में प्रतिभाग किया जिसके पश्च्यात उन्हें ऑनलाइन सर्टिफिकेट ऑफ़ पार्टिसिपेशन जारी किया गया| इसके अतिरिक्त के पाठ्यसामग्री को पुस्तक के रूप में डाउनलोड भी कर सकते थे।

इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम में 3367 विद्यार्थियों द्वारा पंजीकरण कराया गय जोकि उत्तराखंड एवं भारत के विभिन्न इलाकों का प्रतिनिधित्व करते थे।

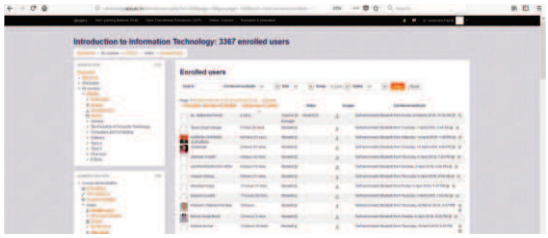

Welham Girls School, Dehradun की प्रिंसिपल Mrs. Padmini Sambasivam के अनुरोध पर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी द्वारा कक्षा 9 से १२ तक के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 24 अप्रैल 2018 को Digital Educational Resources and Cyber Awareness विषय पर ऑनलाइन कोर्स संचालित किया।

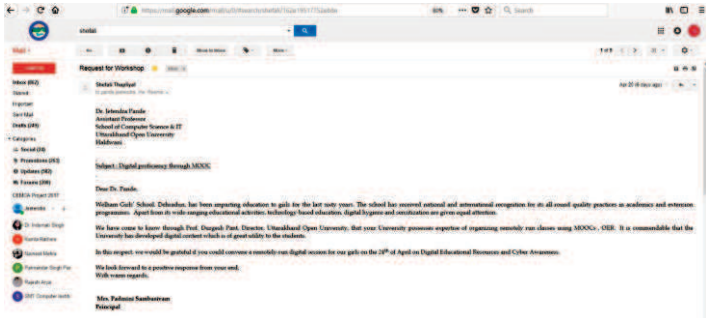

इस प्रोग्राम का निर्माण एवं संचालन कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप के कार्यरत डॉ जीतेंद्र पाण्डे द्वारा दिया गया।

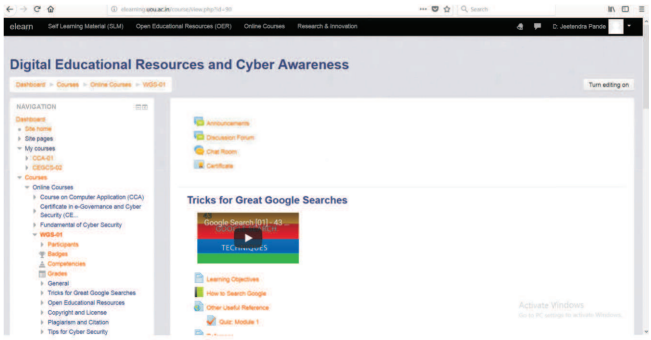

इस कोर्स में पांच खंड है जिनका विवरण इस प्रकार है:

Module 1: Tricks for Great Google Searches

2. Open Educational Resources

3. ModeuleCopyright and License

4. Module Plagiarism and Citation

5. Tips for Cyber Security

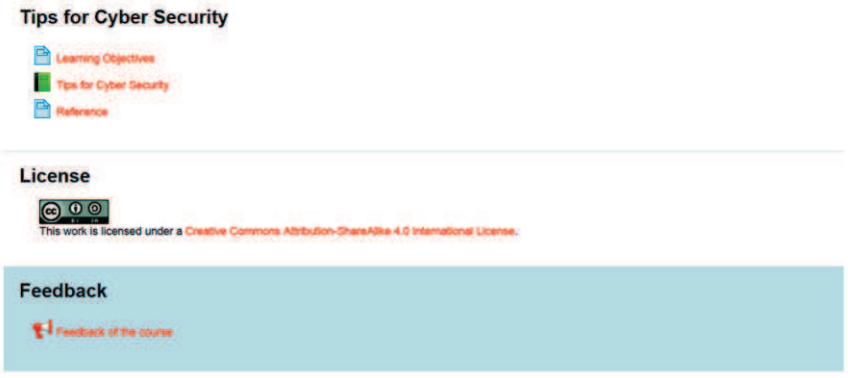

कोर्स में 80 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया| इस कोर्स को MOODLE प्लेटफार्म पर विकसित किया गया है| किसी भी कोर्स के दौरान किसी भी शंका के समाधान हेतु विद्यार्थी discussion forum एवं chat के सुविधा का उपयोग करके subject matter expert से अपनी शंकाओं का समाधान पा सकता है|

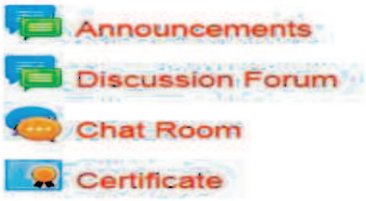

इस सुविधा का उपयोग कर विद्यार्थियों ने अपनी शंकाएं chat के माध्यम से साझा की जिनका निवारण डॉ. जीतेंद्र पाण्डे द्वारा दिया गया। कोर्स के सभी module पूर्ण करने पर विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट ऑफ़ पार्टिसिपेशन भी जारी किये गए जिसे कोर्स की वेबसाइट से विद्यार्थियों द्वारा डाउनलोड किया जा सकता है।

Certificate of Participation

This is to certify that

Smriti Agrawal

Successful Completed the Massive Open Online Course on

Digital Educational Resources and Cyber Awareness

Offered by Uttarakhand Open University, Haldwani on 24/04/18

through the Moodle platform at http://elearning.uou.ac.in

Date of Issue
April 24, 2018

Dr. Jeetendra Pande
Program Coordinator

Ministry of Education, Govt. of Thailand के निमंत्रण पर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में सहायक प्राध्यापक डॉ जीतेंद्र पाण्डे द्वारा को Thai Cyber University Project , Thailand द्वारा दिनांक 20-21 सितम्बर, 2018 को बैंकाक में आयोजित एक्सपर्ट समिति मीटिंग में External Expert के रूप में आमंत्रित किया गया है| इस मीटिंग का एजेंडा MOOC's Policy and Strategies' था जिसके अंतर्गत डॉ पाण्डे द्वारा Indian MOOCs: Policies and Strategies पर व्याख्यान दिया।

- दिनांक 14 सितम्बर 2018 को विश्वविद्यालय मुख्यालय में प्रोफ. दुर्गेश पन्त- डायरेक्ट की अध्यक्षता में स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी की बोर्ड ऑफ़ स्टडीज की बैठक आयोजित की गयी जिसमें बाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रोफ एस डी सामंतरे, हेड-कंप्यूटर इंजीनियरिंग, जी बी पन्त यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी , पंतनगर एवं प्रोफ अभय सक्सेना, डीन, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार को आमंत्रित किया गया| बैठक में MCA, MSC(IT), PGDCA एवं Diploma in IT प्रोग्राम के पाठ्यक्रम की समीक्षा की गयी एवं इनके पाठ्यक्रम को परिशोधित किया गया| इसके अतिरिक्त इस विषयों के SWAYAM प्लेटफार्म पर उपलब्ध पाठ्यक्रमों को चिहिनित कर सम्बंधित MOOC पाठ्क्रम का विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट में अपलोड कर दिया गया।

- **Capacity Building Workshop on Development of Online Courses using OERs and Moodle LMS**

March 01-02, 2019 With the support of Uttarakhand Science Education and Research Center(USERC), Dehradun

Teaching and Learning has changed in the 21st century. The British Open University and other Traditional Universities have developed online distance courses. Private institutions are also offering online courses. Students' world over in the coming years will be using the e - learning tools more then the printed textual material and India is not far behind. The world wide e learning industry is estimated to be worth over $48 billion.

Open Universities in the last more then 20 years have moved from print material to web based courses for delivery of instruction. With the emergence of new technologies, the universities have to move fast and keep the pace with the rest of the world. Online Learning is mainly the transfer of skills and knowledge through computer. The content is delivered via Internet or audio/video or satellite or CDROM. Keeping this new technological development in view, the teachers should be prepared to meet the challenges of the future. In this connection, UOU in collaboration with USERC, Dehradun organized two days workshop on how to create /develop online courses.

Objectives

- Explain and Describe the Instructional Design for Online Courses.
- Highlight some of the tools used to create online courses
- Understand the Learning Management System
- Publish the Resources for an Online Course
- Create an Online Course using Moodle.

कार्यशाला का छायाचित्र

- **Two Days workshop on Quality Assurance for Open and Distance Learning (ODL) Institutions (March 27 & 28, 2019)**

Prof. OPS Negi, Vice-Chancellor of UOU, in his inaugural address stressed that in the present times, institutions of Distance Education are increasingly required to develop performance indicators by which their institutional performance can be measured by the government.

Quality Assurance facilitates recognition of the standards of award of degrees, serves public accountability purposes, helps inform learner choice, contributes to improved teaching-learning and administrative processes, and helps disseminate best practices with the goal of leading to overall improvement of ODL. Vote of thanks was delivered by Prof R.C. Mishra, Director Centre of Internal Quality Assurance(CIQA).

कार्यशाला का छायाचित्र

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा

(SCHOOL OF EDUCATION)

शिक्षाशास्त्र विभाग:-

- एम० एड० द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, में मौखिक परीक्षा का आयोजन तथा आतंरिक परीक्षक के रूप में कार्य।
- सभी विभागीय शिक्षकों द्वारा बी0एड0 सामान्य एवं बी0एड0 विशिष्ट शिक्षा के स्व–अनुदेशनात्मक अधिगम सामग्री का लेखन कार्य एवं सम्पादन पूर्ण कर बी0एड0 विशिष्ट शिक्षा प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ कर दी गयी।
- सुश्री ममता कुमारी द्वारा विशिष्ट बी0एड0 एवं बी0एड0 पाठ्यक्रम से सम्बन्धित इकाई लेखन व सम्पादन कार्य किया गया तथा एम0ए0 शिक्षाशास्त्र की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य किया गया।
- सुश्री ममता कुमारी द्वारा नवम्बर, 2018 में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय से शिक्षाशास्त्र विषय में पी.एच. डी. उपाधि प्राप्त की गयी ।
- एम० एड० द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, में मौखिक परीक्षा का

विशिष्ट शिक्षा विभाग (Department of Special Education) :-

डॉ0 सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल :–

- विश्वविद्यालय द्वारा बिलखेत (पौड़ी गढ़वाल) में 'दूरस्थ शिक्षा–दुर्गम से सुगम की ओर' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

कार्यशाला प्रतिवेदन – अल्मोड़ा

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा अल्मोड़ा जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 90 शिक्षक -शिक्षिकाओं प्रशिक्षु अध्यापकों को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन कुमाऊँ विश्वविद्यालय के अल्मोड़ा परिसर के सभागार में दिनाँक 14-15 जून, 2019 को आयोजित की गयी| कार्यशाला का उद्घाटन शिक्षाशास्त्र विभाग की प्राधयापिका डॉ ममता असवाल व कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया |

उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में डॉ. ममता असवाल ने दिव्यांग बच्चों के अध्यापन हेतु शिक्षकों के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं के अधिकाधिक आयोजनों की आवश्यकता बताई| शिक्षकों पर इन दिव्यांग बच्चों की बड़ी जिम्मेदारी का होना बताया और मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा लगातार इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन शिक्षा के क्षेत्र के लिए सराहनीय प्रयास है। कार्यशाला में आये प्रतिभागी शिक्षकों को प्रशिक्षण प्राप्ति उपरान्त दिव्यांग बच्चों के शिक्षण में आगे आने की अपील की। कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने कार्यशाला के विषय, रूपरेखा एवं महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश अल्मोड़ा जिले के विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विकलांग बच्चों एवं निशक्तजनों के लिए क़ानूनी प्रावधान,विशिष्ट शिक्षा का प्रबंध, उनमे विकलांगता की पहचान करना एवं सामान्य विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत उनको प्रवेश देना उनके शैक्षिक अधिकारों ,पुनर्वास सम्बन्धी अधिकारों एवं नई तकनीकियों के माध्यम से शिक्षण एवं केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी देना है| साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा इस प्रकार की कार्यशाला को शिक्षकों के लिए लाभकारी बताया और अपेक्षा की कि वे कार्यशाला से प्राप्त प्रशिक्षण तकनीकियों का अपने विद्यालयों में अच्छा उपयोग कर सकेंगे।

प्रतिभागी शिक्षक हरिदत्त भट्ट ने अपेक्षा की कि इस कार्यशाला के द्वारा से शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों को सामान्य विद्यालयों में पढ़ाने से सम्बंधित तकनीकी के प्रशिक्षण से अपने विद्यालय में नामांकित और आस पास के दिव्यांग बच्चों के हितार्थ कुछ किया जा सकेगा। साथ ही समाज को जागरूक किये जाने में सहायता मिल सकेगी।

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में डॉ सतीशचन्द्र ने प्रतिभागियों को विकलांगता को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों एवं विकलांगता के प्रति बनी अवधारणाओं कों स्पष्ट किया और भारतीय पुनर्वास परिषद् एक्ट १९९२ के बारे में विस्तार से बताया साथ ही नवीन दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम जों कि 2018 में लागू किया गया उसमें सम्मिलित नवीन विभिन्न दिव्यन्ताओं की श्रेणी के विषय में बताया| डॉ राकेश ने सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी और समावेशी शिक्षा एवं एकीकृत शिक्षा के संप्रत्यय से प्रतिभागियों को अवगत कराने के साथ ही सामान्य विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए की जाने वाली व्यवस्था के विषय में जानकारी दी| श्री जितेंदर प्रताप सिंह द्वारा विकलांगता के विभिन्न श्रेणी और उप श्रेणीयों के विषय में जानकारी प्रदान की और साथ ही विकलांगता को पहचानने सम्बन्धी वैज्ञानिक विधियों, उनका कारण, एवं शीघ्र हस्तक्षेपन के विषय में बताया| अनमोल फाउंडेशन की श्रीमती मीनाक्षी चौहान द्वारा मूक बधिर बच्चों की शिक्षा हेतु निर्धारित विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों हेतु प्रयुक्त सांकेतिक भाषा के विषय में बताया गया।

दिनाँक 15 जून, 2019 को कार्यशाला के दूसरे दिवस के सत्रों में विषय विशेषज्ञ डॉ. राकेश शर्मा द्वारा विकलांगता के हस्तक्षेपन में कार्य करने वाले विशेषज्ञों की भूमिका और उत्तरदायित्वों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की साथ ही दिव्यांग बच्चों और व्यक्तियों के लिए बनाये जाने वाले प्रमाण पत्रों की प्रक्रिया कों बताया| भारतीय पुनर्वास परिषद् एवं राष्ट्रीय न्यास के द्वारा चलायी जा रही योजनाओं एवं UNCRPD के विषय में जानकारी दी| क़ानूनी रूप से रोजगार के प्रावधानो कों स्पष्ट किया। विषय विशेषज्ञ डॉ सतीश चन्द्र ने प्रतिभागियों को विकलांगता के कारण बच्चों में होने वाली मानसिक बीमारी, उसका मनोसामाजिक प्रभाव के विषय में बताया, मानसिक रूप से मंद बच्चों के लिए व्यक्तिगत शैक्षिक कार्यक्रम कैसे बनाये जाये इसके विषय में प्रशिक्षण दिया| नेत्रहीन बच्चों के लिए ब्रेल लिपि के विषय में बताया| श्रीमती मीनाक्षी चौहान द्वारा बाधा रहित वातावरण, समावेशन के विषय पर जानकारी दी और विकलांगता का परिवार पर पड़ने वाले प्रभाव को बताया|साथ ही विकलांग बच्चों के चिन्हीकरण, शैक्षिक पुनर्वास एवं उपचारार्थ हेतु शीघ्र हस्तक्षेपन केन्द्र (Early Intervention Centre) के विषय में बताया। मूक बधिर व्यक्ति और बच्चों को Sign language (प्रतीकों के माध्यम अथवा इशारों द्वारा भाषा की अभिव्यक्ति) से अध्यापन की विधि बताई और कार्यशाला के प्रतिभागियों को उनका अभ्यास करवाया। डॉ. जितेंदर प्रताप ने समावेशी शिक्षा के सन्दर्भ में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी साथ ही निशक्तजन के लिए बाधा रहित पर्यावरण निर्माण एवं रोजगार सर्जन के विषय में बतलाया। शिक्षण एवं कौशल प्रशिक्षण की योजनाओं, राष्ट्रीय विकलांग वित्त विकास निगम के विषय में बताया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने भारतीय पुनर्वास परिषद् द्वारा विशिष्ट शिक्षा से सम्बंधित चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों के विषय में बताया एवं निशक्तजनों हेतु उपलब्ध रोजगार एवं नौकरियों की जानकारी के विषय में बताया।

कार्यशाला के समापन सत्र में डॉ ममता असवाल व कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल और विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्रतिभाग का प्रमाण पत्र प्रदान किया। इससे पूर्व अपने संबोधन में डॉ ममता असवाल ने दिव्यांग बच्चों की शिक्षा हेतु शिक्षकों के इस प्रकार के प्रशिक्षण चलाये जाने हेतु उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी और भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और इनकी शिक्षा में आने वाली चुनोतियों के समाधान कि लिए हमे प्रयास करने होंगे।

प्रतिभागी शिक्षक श्री हिमांशु जोशी द्वारा इस प्रकार की कार्यशाला को अल्मोड़ा में आयोजित कराने का धन्यवाद ज्ञापित किया और कार्यशाला में दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, शिक्षण की तकनीकी लेने के बारे में समस्त प्रतिभागियों के लिए उपयोगी बताया। प्रतिभागी प्रशिक्षु शिक्षिका कशिश रौतेला ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने हेतु आयोजित की गयी इस कार्यशाला से हम सभी को नवीन जानकारी नई तकनीकी का ज्ञान मिला है साथ ही दिव्यांगता से सम्बंधित कई भ्रांतियों का निराकरण भी हुआ और दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को जागरूक करने में इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यशाला संयोजक डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने त्रिदिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। हरिदत्त भट्ट ने आमंत्रित मुख्य अतिथि, विषय विशेषज्ञों एवं अल्मोड़ा जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL OF HEALTH SCIENCE)

गृह विज्ञान विभाग (Department of Home Science)

गृह विज्ञान विभाग द्वारा 1-7 सितम्बर, 2018 के बीच "राष्ट्रीय पोषण सप्ताह" मनाया गया। प्रत्येक वर्ष इसे एक विशिष्ट विषय को ध्यान में रखकर मनाया जाता है और इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय था;

"बच्चे के प्रथम 1000 दिनों के दौरान अल्प-पोषण को संबोधित करने हेतु केंद्रित हस्तक्षेप सुनिश्चित करना: बेहतर बाल स्वास्थ्य"/"Ensuring focused interventions on addressing under-nutrition during the first 1000 days of the Child: Better Child Health".

इस सप्ताह में विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया -

- विश्वविद्यालय के रेडियो चैनल "हैलो हल्द्वानी" के माध्यम से विभाग द्वारा रिकॉर्ड किए गए खाद्य एवं पोषण पर व्याख्यान तथा चर्चाओं को प्रसारित किया गया। इन चर्चाओं का केंद्र मूलत: बाल आहार तथा पोषण एव शिशु के पूरक आहार का महत्व तथा आवश्यकता पर था। साथ ही सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पोषण कार्यक्रमों की भी जानकारी रेडियो कार्यक्रमों के माध्यम से दी गई।
- विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँव मानपुर पश्चिम में वहाँ की ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी के सहयोग से पोषण जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों डॉ0 प्रीति बोरा तथा श्रीमती मोनिका द्विवेदी द्वारा गाँव के आंगनबाड़ी केंद्र पर जाकर वहाँ पर आए लाभार्थियों जिसमें गर्भवती एव धात्री महिलाएं, किशोरियाँ तथा बच्चे सम्मिलित थे तथा कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें पोषण सम्बंधी जानकारी दी गई। साथ ही गृह विज्ञान विभाग द्वारा निर्मित पोषण सम्बंधी बुकलेटों; आहार एवं पोषण, नवजात शिशु में पीलिया के कारण तथा निवारण, शिशु का टीकाकरण तथा सरकार की महिला सशक्तिकरण सम्बंधी योजनाएं, का वितरण किया गया।

- इस शिविर में गाँव की महिलाओं को संतुलित पोषण एवं आहार के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही उनकी आहार एवं पोषण सम्बंधी समस्याओं का भी निदान किया गया। विशेषकर बच्चों के आहार एवं पूरक पोषण पर बल दिया गया। शिक्षा विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ0 ममता कुमारी द्वारा ग्रामीणों को शिक्षा विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी भी दी गई।

- दिनांक 6 सितंबर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा चार्ट/पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था "बच्चों की स्वस्थ भोजन थाली"। चार्ट/पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 10 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। छात्रों के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

- दिनांक 7 सितंबर को विभाग द्वारा आहार एवं पोषण क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका

विषय था; "भोजन एवं हमारा स्वास्थ्य"। पोषण क्विज प्रतियोगिता में कुल 14 प्रतिभागी थे जो 2-2 प्रतिभागियों के सात वर्गों में विभाजित थे। इस प्रतियोगिता में सभी वर्गों से आहार एवं पोषण से सम्बंधित सामान्य प्रश्न पूछे गए। क्विज प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के छात्रों तथा शिक्षकों ने संयुक्त रूप से प्रतिभाग किया।

गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

- विभाग द्वारा सत्र 2018 से एक नया कार्यक्रम "आहार एवं पोषण में प्रमाणपत्र" प्रारम्भ किया गया जिसकी विशेषज्ञ समिति की बैठक दिनांक 4 अप्रैल, 2018 को आयोजित कराई गई। इस समिति में प्रमाणपत्र कार्यक्रम के पाठ्यक्रम, स्व-अध्ययन सामग्री, कार्यक्रम की अवधि, शुल्क और न्यूनतम पात्रता आदि पर निर्णय लिए गए।
- दिनांक 21 अप्रैल, 2018 को गृह विज्ञान की अध्ययन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में "आहार एवं पोषण में प्रमाणपत्र" कार्यक्रम को आगामी अकादमिक सत्र से आरम्भ करने का निर्णय लिया गया।

योग विभाग (DEPARTMENT OF YOGA)

इस अवधि में योग विभाग द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

ग्रीष्मकालीन कार्यशाला 2018

क्रम संख्या	कार्यशाला का स्थान	विषय	दिनाक
1	केयर कम्प्यूटर पिथौरागढ़	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	03/04/18 से 12/04/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 13/04/18
2	केयर कम्प्यूटर पिथौरागढ़	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	03/04/18 से 12/04/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 13/04/18

कार्यशाला के दौरान कुमॉऊ मण्डन विकास निगम, पिथौरागढ़ के प्रबन्धक श्री दिनेश गुरूरानी के आग्रह पर सामुहिक वृक्षारोपड कार्यक्रम तथा शहीद स्मारक में एक दिया शहीदो के नाम कार्यक्रम किया तथा सैकडों की संख्या में विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय के प्रशिक्षकों ने प्रतिभाग किया तथा साथ सभी प्रतिभागियो को हिमालय बचाओ की शपथ दिलाई गयी। इस कार्यक्रम उपरान्त सामुहिक स्वस्छता का कार्यक्रम भी किया गया।

कार्यशाला के समापन सत्र में दिनांक 12 अप्रेल को **मुख्य अतिथि** के रूप में ***उत्तराखण्ड सरकार के कैबिनेट व संसदीय कार्य मंत्री, वित्त मंत्री, मनोरंजन कर , आबकारी , पेयजल व स्वच्छता मंत्री श्री प्रकाश पन्त जी ने*** प्रतिभाग किया तथा अपने आशीर्वचन विद्यार्थियों को दिये। श्री प्रकाश पंत जी ने योग की विभिन्न पक्षो जिसमें ज्ञान योग , भक्ति योग , कर्म योग तथा हठयोग पर प्रकाश डाला तथा योग के दार्शनिक तथा वैज्ञानिक पक्षों से कार्यशाला में आये प्रतिभागियो को अवगत कराया।

मानपुर पश्चिम में एक सप्ताह का योग शिविर का आयोजन

21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गॉव मानपुर पश्चिम की ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी जी के प्रयासों से एक सप्ताह का योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर का उदघाटन योग विभाग के विभागाध्यक्ष डा० भानु प्रकाश जोशी जी द्वारा किया गया। योग शिविर का का आयोजन प्रतिदिन प्रात: 5 से 6:30 तक विभागाध्यक्ष योग डा० भानु प्रकाश जोशी जी के निर्देशन में प्रारम्भ हुआ। दिनांक 21 जून से 27 जून तक रोज विभिन्न रोगों में योगाभ्यास व परामर्श दिया गया। योग शिविर में प्रतिदिन लगभग 60-70 लोगों ने प्रतिभाग किया। ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी जी ने भी शिविर में प्रतिदिन प्रतिभाग किया। योग शिविर में प्रमुख रूप से योग विभाग के विभागाध्यक्ष डा० भानु प्रकाश जोशी का लाभ ग्रामवासीयों को प्राप्त हुआ। योग शिविर में ललित मोहन योग प्रशिक्षक उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ,नीता दियोलिया , यशवन्त बहुगुणा का विशेष योगदान रहा।

शीतकालीन कार्यशाला 2018

क्रम संख्या	कार्यशाला का स्थान	विषय	दिनाक
1	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	09/10/18 से 18/10/18 तक

			प्रयोगात्मक परीक्षा 19/10/18
2	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	09/10/18 से 18/10/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 19/10/18
3	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	स्नातक तृतीय वर्ष	09/10/18 से 18/10/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 19/10/18
4	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	डिप्लोमा /स्नातक प्रथम वर्ष	21/10/18 से 30/10/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 31/10/18
5	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	21/10/18 से 30/10/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 31/10/18
6	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	स्नातक द्वितीय वर्ष	21/10/18 से 30/10/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 31/10/18
7	**आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय, किच्छा**	डिप्लोमा /स्नातक प्रथम वर्ष	10/11/18 से 19/11/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 20/11/18
8	**आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय, किच्छा**	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	10/11/18 से 19/11/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 20/11/18
9	**आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय, किच्छा**	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	21/11/18 से 30/11/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 01/12/18

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र की प्रयोगात्मक परीक्षा 2018

क्रम संख्या	कार्यशाला का स्थान	विषय	दिनाक
1	श्री साई इन्फोटेक , हरिद्वार	योग विज्ञान में प्रमाण पत्र एवं प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र	प्रयोगात्मक परीक्षा 19/12/18
2	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	योग विज्ञान में प्रमाण पत्र एवं प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र	प्रयोगात्मक परीक्षा 26/12/18

ग्रीष्मकालीन कार्यशाला 2019

क्रम संख्या	कार्यशाला का स्थान	विषय	दिनाक
1	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	डिप्लोमा /स्नातक प्रथम वर्ष	23/01/19 से 01/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 02/02/19
2	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	स्नातक द्वितीय वर्ष	23/01/19 से 01/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 02/02/19
3	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	23/01/19 से 01/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 02/02/19
4	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	06/02/19 से 15/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 16/02/19

5	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	डिप्लोमा /स्नातक प्रथम वर्ष	06/02/19 से 15/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 16/02/19
6	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	18/02/19 से 27/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 28/02/19
7	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	स्नातक तृतीय वर्ष	18/02/19 से 27/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 28/02/19
8	**आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय, किच्छा**	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	06/03/19 से 15/03/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 16/03/19
9	**आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय, किच्छा**	डिप्लोमा /स्नातक प्रथम वर्ष	23/03/19 से 01/04/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 02/03/19
10	**आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय, किच्छा**	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	23/03/19 से 01/04/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 02/03/19

कार्यशाला के दौरान दिनांक 19 फरवरी 2019 को कुलपति जी प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी ने कार्यशाला स्थल में योग विभाग के विद्यार्थियों को सम्बोधित किया तथा योग को समग्र स्वास्थ्य की प्राप्ति का साधन बताया। अपने सम्बोधन में प्रो0 नेगी ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से योग को जन- जन तक पहुचाने का कार्य विश्वविद्यालय द्वारा हो रहा है।

कुलपति जी को यह जानकर बडी प्रसन्नता हुई कि योग विभाग के एम0 ए0 दितीय वर्ष के 29 विद्यार्थियों ने यू0जी0सी0 नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा कुलपति जी ने यू0जी0सी0 नेट उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई दी तथा व्यक्तिगत रूप से बात कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है।

दूरस्थ स्थित सीमान्त क्षेत्र पिथौरागढ में योग कार्यशाला का आयोजन

उपर्युक्त कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री भरत सिंह रावत जी द्वारा किया गया। कुलसचिव महोदय ने विद्यार्थियों को आज के परिवेक्ष में योग के महत्व से अवगत कराया। कार्यशाला में 10 दिन तक प्रतिदिन विविध प्रयोगात्मक एवं तकनीकी सत्रों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुवा। प्रयोगात्मक सत्रों में कार्यक्रम संयोजक डा0 भानु जोशी के दिशा- निर्देश में प्रात:काल कुल 09 महिला एवं पुरूष योग प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन योगिक षटकर्म, सूक्ष्म व्यायाम , आसन, प्राणायाम ,मुद्रा, बन्धों तथा ध्यान का अभ्यास शिक्षार्थियों को कराया गया ।सायंकाल प्रयोगात्मक परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को कठिन आसन भी करायें गये। प्रतिदिन 2 तकनीकी सत्र विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए रखे गये जिसमे योग के विविध सैद्धान्तिक पक्षों की जानकारी अलग- अलग विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई। कार्यशाला में आये अभ्यार्थियों के द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम किया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने पूरे शहर में जगह से जगह से गन्दगी इखटटा कि तथा यह इसके साथ –साथ सभी लोगों से स्वच्छता को अपनाने की अपिल भी कि तथा इसी क्रम में हिमालय बचाओं अभियान ने तहत वृक्षारोपड़ को कार्यक्रम भी किया गया । कार्यशाला में आये सभी अभ्यार्थियों ने तथा विश्वविद्यालय के कोचो ने व विभागाध्यक्ष डा० भानु जोशी जी ने 'एक दीया शहीदों के नाम' कार्यक्रम के तहत 'अमर जवान शिलालेख' के समक्ष उन बीर जवानों को याद किया जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर किये थे।

रन फॉर योगा कार्यक्रम का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यूजीसी द्वारा दिए गए निर्देशों को ध्यान में रखते हुए 2 मई 2019 को रन फॉर योगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्रों ने प्रतिभाग किया इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य छात्रों को योग के बारे में जानकारी देना वह समाज के सभी वर्गों को योग के प्रति जागरूक करना है। योग एक जीवन जीने की कला है यदि मनुष्य इसका अपनी दिनचर्या में नियमित पालन करें तो वह अपने आप को स्वस्थ रख सकता अतः इस विद्या को पाने के लिए हमेशा हमें प्रयासरत रहना चाहिए इस प्रकार इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'रन फॉर योग' कार्यक्रम में लगभग 80 बच्चो ने प्रतिभाग किया। लगभग 2 किमी० के 'रन फॉर योग' कार्यक्रम में बच्चों ने बढ-चढ के प्रतिभाग किया तथा बच्चो को योग के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रो जिसमें Mohini Devi Institute of Management & Tech० Roorki , HEC PG CollegeHaridwar, उत्तरांचल आयुर्वेदिक चिकित्सालय, राजपूर रोड, देहरादून, आदि स्टेडी सेन्टरो ने भी यह कार्यक्रम आयोजित किये तथा बच्चो को योग के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम की छायाचित्र

पर्यटन, आतिथ्य व होटल प्रबन्ध विद्याशाखा
(School of Tourism, Hospitality & Hotel Management)

दिनांक 4 सितम्बर 2018 को पर्यटन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अखिलेश सिंह द्वारा लिखित पुस्तक जिसका शीर्षक 'इमर्जिंग बेसिक टर्मिनोलॉजिकल इनसाइट इन टूरिज्म इंडस्ट्री' है का विमोचन प्रोफेसर आर.सी.मिश्र, निदेशक, स्कूल ऑफ टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी एण्ड होटल मैनेजमेन्ट, प्रोफेसर अजय अरोड़ा विभागाध्यक्ष, पर्यटन विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, प्रोफेसर ए.एन. सिंह, समाज कार्य विभाग, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी व प्रोफेसर पी.डी. पन्त के द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने कहा कि यह पुस्तक पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी छात्रों, शोधार्थियों व शिक्षकों के लिए लाभप्रद होगी। इस पुस्तक में पर्यटन व होटल उद्योग से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित लगभग 2000 से अधिक शब्दावलियों का बहुत ही सरल शब्दों में वर्णन किया गया है।

पुस्तक विमोचन की छायाचित्र

विधि विद्याशाखा
School of Law

- 21 फरवरी 2019 को डॉ. रघुनन्दन सिंह तोलिया, उत्तराखण्ड एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा व्याख्यान हेतु आमन्त्रित किया गया। व्याख्यान का विषय Know about right to Information था।

व्याख्यान का छायाचित्र

3. शोध/ परामर्श एवं प्रसार
(Research, Consultancy and Extension)

शोध विश्वविद्यालय के चिन्तन का प्राण होता है। नवीन खोज एवं शोध ही हमारी मौलिक विचार दृष्टि का निर्माण करते हैं। नवीन तथ्य एवं खोज जहाँ पूर्व के विचारों पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, उसका विस्तार करते हैं; वहीं वे नवीन चिन्तन की आधारपीठिका भी तैयार करते है। इसीलिए शोध और विचार का सम्बन्ध पार्श्व एवं मुख्यांश का है, जो एक–दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। शोध के इसी महत्व को समझते हुए यू.जी.सी. एवं उच्च शिक्षण संस्थान समय-समय पर गुणवत्तापरक शोध की दिशा में प्रयासरत रहते हैं। चूँकि विश्वविद्यालय अपने नवीन शोध कार्य के कारण जाना जाता है, इसलिए विश्वविद्यालय में शोध कार्य का महत्व स्वयं सिद्ध है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने वैचारिक गुणवत्ता के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर अपनी शोध की पीठिका तैयार की है। विश्वविद्यालय में कुलपति महोदय की अध्यक्षता में शोध के नये-नये कार्य किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में शोध की गतिविधियों को केंन्द्रित करने के लिए 'शोध एवं नवाचार निदेशालय' की स्थापना की गयी है। शोध एवं नवाचार निदेशालय का कार्य शोध के प्रवेश से लेकर शोध की मौखिकी कराने तक का है।

विश्वविद्यालय में शोध सम्बन्धित गतिविधियाँ सुचारू एवं अनुशासनबद्ध तरीके से चलें, इसके लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने विभागीय शोध समिति एवं शोध उपाधि समिति का गठन किया है। विभागीय शोध समिति की रूपरेखा एवं शोध उपाधि समिति की रूपरेखा इस प्रकार है –

3.1 विभागीय शोध समिति:

- विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का समन्वयक - संचालक
- सम्बन्धित विद्याशाखा के अध्यापक - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सदस्य - अन्य विद्याशाखा का अध्यापक

3.2 शोध उपाधि समिति:

- सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष - संयोजक
- सम्बन्धित विभाग के समस्त अध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हो - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सम्बन्धित विषय के दो बाह्य परीक्षक जिनमें से एक की उपस्थिति अनिवार्य-सदस्य
- निर्देशक शोध - सदस्य

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपने शोध कार्य को लेकर विशेष रूप से प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय ने 2012 से अब तक दो बार पी.एच.डी. हेतु प्रवेश परीक्षा कराई है, जिसके तहत अब तक 26 शोधार्थी विभिन्न विषयों में शोध हेतु नामांकित हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों में पंजीकृत विद्यार्थियों की सूची निम्नवत् है –

विषयवार पंजीकृत शोध छात्र

क्रमांक	विषय	छात्र संख्या
1	कम्प्यूटर विज्ञान (Computer Science)	1
2	शिक्षा (Education)	9
3	हिन्दी (Hindi)	2
4	इतिहास (History)	2
5	प्रबन्धन अध्ययन (Management Studies)	4
6	समाज शास्त्र (Sociology)	1
7	अंग्रेजी (English)	1
8	पर्यटन (Tourism)	1
9	पत्रकारिता (Journalism)	5
	कुल	**26**

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 4 वर्ष पूर्व इग्नू (IGNOU) समेत सभी मुक्त विश्वविद्यालयों से पी.एच.डी. कराने पर रोक लगा दी थी, इसलिए विश्वविद्यालयय की शोध प्रक्रिया बाधित हुई थी। वर्तमान में यूजीसी द्वारा मुक्त विश्वविद्यालयों को भी शोध कराने की अनुमति मिल चुकी है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2018-19 में शोध की नवीन प्रक्रिया प्रारम्भ की गयी। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा दिसम्बर 2018 में विभिन्न विषयों में (हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, ज्योतिष, समाजशास्त्र, इतिहास, मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान, कृषि, कम्प्युटर, शिक्षाशास्त्र, वाणिज्य, प्रबन्ध अध्ययन, योग, भौतिकी, रसायन, वानिकी, पर्यटन, होटल प्रबन्धन आदि) शोध करने के लिए प्रवेश हेतु विज्ञापन भी निकाले गये तथा प्रवेश परीक्षा भी सम्पन्न करायी गयी। इसका अगला क्रम प्रक्रियाधीन है।

इसके साथ-साथ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र 2012-13 से शोध कर रहे शोधार्थियों को वर्ष 2018-19 में चतुर्थ दीक्षान्त समारोह के अन्तर्गत शोध (Ph.D) की उपाधि भी प्रदान की गयी।

क्रम संख्या	शोधार्थी का नाम	विभाग
1.	रितु नौटियाल	शिक्षक शिक्षा विभाग
2.	ममता कुमारी	..
3.	विपिन चन्द्र	पत्रकारिता
4.	आरती भट्ट	,,
5.	शिव प्रसाद जोशी	,,
6.	दिनेश चन्द्र कर्नाटक	हिन्दी
7.	दीपक चन्द्र	समाजशास्त्र

- विश्वविद्यालय के शोधार्थी श्रीमती प्रियंका सांगुड़ी फुलारा, (नामांकन संख्या–13040404) की पीएच. डी. मौखिकी हेतु पूर्व परीक्षा शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के अन्तर्गत शोध शीर्षक, "STUDY OF

DECISION MAKING STYLE OF PRINCIPALS OF SENIOR SECONDARY SCHOOLS IN RELATION TO THEIR EMOTIONAL INTELLIGENCE, TEACHING EXPERIENCE, SEX AND TYPE OF INSTITUTION." पर दिनांक 28 मई 2019 को आयोजित की गयी।

- विश्वविद्यालय के शोधार्थी श्रीमती प्रमिला सुयाल (नामांकन संख्या–13040448) की पीएच. डी. मौखिकी हेतु पूर्व परीक्षा शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के अन्तर्गत शोध शीर्षक, 'उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण हेतु प्रयुक्त शिक्षण विधियों का आलोचनात्मक अध्ययन' पर दिनांक 08 मार्च 2019 को आयोजित की गई, किन्तु शोध सलाहकार समिति द्वारा शोधार्थी के शोध कार्य में कुछ कमी रह जाने के कारण समिति द्वारा शोधार्थी को शोध कार्य हेतु कुछ सुझाव भी दिये गये। जिससे शोध कार्य की गुणवत्ता और मौलिकता में श्रेष्टता आ सके, और समिति की बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शोधार्थी को शोध एवं नवाचार निदेशालय में पुनः परीक्षा सम्पन्न कराने हेतु आवेदन भी करना होगा।
- विश्वविद्यालय के शोधार्थी श्री ले0 कर्नल राजेन्द्र सिंह कोहनी, (नामांकन संख्या–12035103) की पीएच. डी. मौखिकी परीक्षा प्रबन्ध अध्ययन विभाग, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा, के अन्तर्गत शोध शीर्षक, "PROFESSIONAL STRESS AND SPIRITUAL INTELLIGENCE: A STUDY OF CORPORATE AND GOVERNMENT EXECUTIVES." परदिनांक 25 मई 2019 को बाह्य परीक्षक प्रोफेसर नागेश्वर राव, कुलपति, इग्नू, नई दिल्ली की उपस्थिति में आयोजित की गयी।
- विश्वविद्यालय के शोधार्थी श्री दीप चन्द्रा, नामांकन संख्या–13040440 को निदेशक प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा द्वारा दिनांक 20.05.2019 को प्रबन्ध अध्ययन विषय में सम्बन्धित शीर्षक के अर्न्तगत शोध प्रबन्ध जमा करने की अनुमति प्रदान कर दी गयी है।
- विश्वविद्यालय के शोधार्थी श्रीमती मनीषा पन्त, नामांकन संख्या–13040699 को निदेशक मानविकी एवं शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा दिनांक 08.05.2019 को शिक्षाशास्त्र विषय में सम्बन्धित शीर्षक के अर्न्तगत शोध प्रबन्ध जमा करने की अनुमति प्रदान कर दी गयी है।
- प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा के शोधार्थी श्री दीप चन्द्रा, नामांकन संख्या–13040440 द्वारा अपना शोध प्रबन्ध शीर्षक "AN ASSESSMENT OF CREDIT RISK MANAGEMENT AND FINANCIAL PERFORMANANCE OF BANKS: A CASE OF NAINITAL BANK LTD" के अर्न्तगत अपना शोध कार्य दिनांक 07.06.2019 को विश्वविद्यालय, शोध एवं नवाचार निदेशालय में मूल्यांकन हेतु जमा कर दिया गया है।
- शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की शोधार्थी श्रीमती मनीषा पन्त, नामांकन संख्या–13040699 द्वारा अपना शोध प्रबन्ध शीर्षक "उच्च शिक्षण संस्थानों के विविध पक्षों से सम्बंधित गुणवत्ता मानकों के सन्दर्भ में उत्तराखंड की महाविद्यालयी शिक्षा की स्थिति का आलोचनात्मक अध्ययन" के अर्न्तगत अपना शोध कार्य दिनांक 12 जून 2019 को विश्वविद्यालय, शोध एवं नवाचार निदेशालय में मूल्यांकन हेतु जमा कर दिया गया है।
- शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की शोधार्थी श्रीमती उमा पाण्डेय पडलिया, नामांकन संख्या–13040448 द्वारा अपना शोध प्रबन्ध शीर्षक "उत्तराखंड में कुमाऊँ क्षेत्र में उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के मूल्यांकन

हेतु अपनायी जा रही प्रविधियों का आलोचनात्मक अध्ययन'' के अर्न्तगत अपना शोध कार्य दिनांक 12 जून 2019 को विश्वविद्यालय, शोध एवं नवाचार निदेशालय में मूल्यांकन हेतु जमा कर दिया गया है।

- शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की शोधार्थी श्रीमती प्रियंका सांगुड़ी फुलारा, (नामांकन संख्या–13040404) द्वारा अपना शोध प्रबन्ध शीर्षक "STUDY OF DECISION MAKING STYLE OF PRINCIPALS OF SENIOR SECONDARY SCHOOLS IN RELATION TO THEIR EMOTIONAL INTELLIGENCE, TEACHING EXPERIENCE, SEX AND TYPE OF INSTITUTION." के अर्न्तगत अपना शोध कार्य दिनांक 15 जून 2019 विश्वविद्यालय, शोध एवं नवाचार निदेशालय में मूल्यांकन हेतु जमा कर दिया गया है।
- पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा के शोधार्थी श्री हरीश चन्द्र लखेड़ा पंजीयन संख्या–11015687 की मौखिकी परीक्षा दिनांक 15 जुलाई 2019 को कराये जाने हेतु माननीय कुलपति द्वारा दिनांक 22 जून 2019 को अनुमति प्रदान कर दी गयी है।

3.3 अनुसन्धान, प्रकाशन और पुरस्कार (RESEARCH PUBLICATIONS AND - AWARDS)

कार्यशालाएँ / सेमिनार में प्रतिभाग/ आमन्त्रित व्याख्यान का विवरण
(Details of Workshops/Seminars Attended)

क्रमांक	नाम	विद्याशाखा/ विभाग	वर्ष	सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला
1.	डॉ0 शशांक शुक्ला	हिन्दी	2018-19	1. डॉ. शशांक शुक्ला द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 2018 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में 'हिन्दी दिवस' का आयोजन किया। 2. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के 'हैलो हल्द्वानी' रेडियो पर नामवर सिंह के उपर वार्ता की गयी। 3. दिनांक 8 मार्च 2019 को अन्तर्राष्ट्रिय महिला दिवस के अवसर पर स्त्री लेखन विषयक रेडियो पर प्रसारित।
2.	डॉ0 सुचित्रा अवस्थी	अंग्रेजी	2018-19	1. डॉ0 सुचित्रा अवस्थी द्वारा 12 से 18 नवम्बर तक वसन्ता कॉलेज वाराणसी में 'थियेटर' विषयक कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया। 2. 30 मार्च 2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ज्योतिष विषयक एकदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया गया।
3.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी	ज्योतिष	2018-19	1. डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 10 अप्रैल 2018 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, ज्योतिष विभाग में E-PG पाठशाला परियोजना के अन्तर्गत 'ज्योतिष में अभिनव प्रयोग' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रिय सम्मेलन में प्रतिभाग किया गया। सम्बन्धित परियोजना में ज्योतिष गणित प्रश्न पत्र के अन्तर्गत 'ग्रहलाघव' विषयक 32 इकाईयों के संस्कृत भाषा में लेखन के लिए ज्योतिष विभाग द्वारा डॉ. तिवारी को सम्मानित किया गया। 2. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी के समन्वयन में दिनांक 30 मार्च 2018 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग द्वारा 'ज्योतिष शास्त्र का लोक-कल्याणकारी स्वरूप' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
4.	डॉ0 गगन सिंह	वाणिज्य	2018-19	1. डॉ. गगन सिंह, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य द्वारा स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, योग विभाग,

				उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा योग पाठयक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों के लिए आयोजित कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में दिनांक 19/03/2019 को "Significance of Research in Yoga" विषय पर व्याख्यान दिया |
5.	डॉ0 दिनेश कुमार	शिक्षाशास्त्र विभाग	2018-19	1. दिनांक 17 अप्रैल 2018 को आयोजित डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में जी .बी.पन्त कृषि विश्वविद्यालय भाषण दिया 2. National Seminar on the topic- A Survey of Women Status' at Chaman Lal College Landora, Roorkee, Haridwar, Uttarakhand on 21-10-2018; 3. National Workshop on 'Learning Disability' Uttarakhand Open University Haldwani U.K, during 25-26-27-10-2018 4. National Workshop on the topic 'Prevention of Alcohol and Drug Abuse in the Family, School/College and Community' at National Institute of Social Science, Gov. of India & Uttarakhand Open University Haldwani U.K, during 18,19-1-2019; 5. National Conference on the topic- Adhyapak Shiksha V Vigyan Shikshan Vidhiyan' at MJPR University Bareilly, during Feb. 15 & 17, 2019; 6. National Conference on the topic- 'New Talim', at MGNCR,MHRD Hydrabad, Telagna, during Feb. 27,28, 2019
6.	श्री भूपेन सिंह	पत्रकारिता	2018-19	1. दिनांक 10 अप्रैल 2018 से 12 अप्रैल 2018 पर्यन्त पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा द्वारा देहरादून परिसर में कार्यशाला आयोजन किया। 2. अल्मोड़ा से प्रकाशित प्रदेश के ऐतिहासिक अखबार शक्ति के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'उत्तराखण्ड की पत्रकारिता के विकास और चुनौतियों' के विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
7.	डॉ0 जटाशंकर आर. तिवारी	होटल प्रबन्धन	2018-19	1. **Academic and Research Excellence Award-2019** conferred in 6th International Conference on 'Preparing Education for the Effects

				of the 4th Industrial Revolution on Hospitality and Tourism Industry' organized by Amrapali Institute of Hotel Management, Haldwani on 1st February 2019. 2. Tewari, J. R. (2018). ***Ayodhya Parikrama: Pilgrimage by walking***. Presented paper in International Symposium on 'Pilgrimage Cities & Cultural Landscape of Asia and Prospects for Sustainable Tourism' 23rd -26th October 2018 organised by Dr Ram Manohar Lohiya Avadh University, Faizabad. 3. Tewari, J. R. (2018). ***Sustainable Development through Horti-tourism***. Presented paper in International Conference on 'Sustainable Development: Strategies and Emerging Trends" on 16th November 2018 organised by Netaji Shubhas Chandra Bose Government Girls Post Graduate College, Lucknow 4. Tewari, J. R. (2018). ***Role of Monuments of Uttar Pradesh in Attracting Cultural Tourism Market***. Presented paper in International Conference on Advanced Technologies and innovations in Tourism and Hospitality Industry on 24th -25th November 2018 organised by Bhikaji Cama Subharti Institute of Hotel Management, Swanmi Vivekanand Subharti University, Meerut. 5. Tewari, J. R. (2019). ***Destination facilities and tourist satisfaction: Evidences from Awadh Region of Uttar Pradesh, India***. Presented paper in 6th International Conference on 'Preparing Education for the Effects of the 4th Industrial Revolution on Hospitality and

				Tourism Industry' on 01st February 2019 organised by Amrapali Institute of Hotel Management, Haldwani. 6. Delivered ***keynote*** Address on 24th November 2018 on ***Application of Technologies and Innovation in hotel*** in International Conference on Advanced Technologies and innovations in Tourism and Hospitality Industry on 24th -25th November 2018 organised by Bhikaji Cama Subharti Institute of Hotel Management, Swanmi Vivekanand Subharti University, Meerut. 7. Invited as ***Expert*** in 6th International Conference on 'Preparing Education for the Effects of the 4th Industrial Revolution on Hospitality and Tourism Industry' on 01st February 2019 organised by Amrapali Institute of Hotel Management, Haldwani. 8. ***Chaired session*** on '***Hospitality Education and Managing Human Resource'*** in international conference organised by Banarsi Das Chandiwala Institute of Hotel Management New Delhi.
8.	सुश्री ममता कुमारी	शिक्षा शास्त्र	2018-19	1. HRDC, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल में शोर्ट टर्म कोर्स- योग एंड हेल्थ- में 21-08-2018 to 27-08-2018 प्रतिभाग किया गया 2. 21-02-2019 से 14-03-2019 UGC - HRDC, नैनीताल में रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया गया 3. दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार - Water the Animated Life: Challenges &Solutions on 8-9 March, 2019 at UGC -HRDC, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल में पेपर प्रस्तुत किया गया 4. HRDC, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला- Challenges to Human Development in 21st Century Inida - में प्रतिभाग किया गया।

9.	डॉ0 हरीश चन्द्र जोशी	वानिकी	2018-19	1. 21 to 23 नवम्बर तक कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला "Development of Online Courses using OERs and Moodle LMS" में प्रतिभाग 2. Attended Refresher Course in Disaster Management (IDC) at HRDC, Kumaun University, Nainital and successfully completed the course with grade 'A'. 3. Participated and presented paper in two days National Seminar on, "Water, the Animated Life: Challenges and Solutions," organized by HRDC, Nainital and sponsored by UCOST, Dehradun on 08-09 March, 2019. 4. Participated in one day workshop on, "Human Rights" on 13th March, 2019 at HRDC Nainital.
10.	डॉ0 सीता	मनोविज्ञान	2018-19	1. UGC-HRDC कुमाऊँ विश्वविद्यालय द्वारा दि. 23/05/2018 से 20/06/2018 तक आयोजित "ओरिएण्टेशन कार्यक्रम-39" में प्रतिभाग 2. महिला अध्ययन केंद्र, कुमाऊँ यूनिवर्सिटी नैनीताल द्वारा दि. 4.10.2018 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला (लिंग संवेदीकरण) में प्रतिभाग। 3. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दि. 18 01.2019 से 19.01.2019 दो दिवसीय कार्यशाला (परिवार, स्कूल, कॉलेज और समुदाय में शराब और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम) में प्रतिभाग।
11.	मो0 अकरम	भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	2018-19	1. HRDC, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल मे आयोजित 'Orientation Programme (OP-41)' में दिसम्बर माह में प्रतिभाग किया। 2. Attended 30th IGI (Indian Institute of Geomorphologists) National Conference (w.e.f.-October 03-05, 2018) at Jamia Millia Islamia University, New Delhi for orally presenting a research paper entitled **'Hydrological Responses In A Sub-Watershed of Lower Alaknanda Basin: A One Year Case Study of Lesser Garhwal**

				Himalaya, India'. 3. Attended "**National Conference ERDIH-2018"** on the Theme-**"Environment, Resources and Development of the Indian Himalaya"** held during October 25-27, 2018 at Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal (HNBGU) (A Central) University, Srinagar Garhwal, Uttarakhand, India, for orally presenting a research paper entitled-**'Hypsometry and Erosion Status of Chandrabhaga Gad Catchment: A Case Study of Lower Alaknanda Basin, Garhwal Himalaya".** 4. Attended **National Seminar** on the theme- **"The Fourth Industrial Revolution: Current Problem and Forecasting Challenges India"**, held during December 17-18, 2018 at UGC-HRDC, The Hermitage, Kumaun University,Nainital,Uttarakhand, India, for orally presenting a research paper entitled- **"Fourth Industrial Revolution: Challenges in India With Reference to Natural Resources".**
12.	मो0 अफजल हूसैन	उर्दू	2018-19	1. 16-12-2018 को अब्दुल ग़फूर एजुकेशनल सोसाइटी सिरसी जि० सम्भल द्वारा आयोजित (उर्दू अदब में रुबाई का मक़ाम) नेशनल सेमनार में शोध पत्र प्रस्तुत किया 2. 31-03-2019 को यूनिटी एजुकेशनल सोशल वेलफयर सोसाइटी सिरसी जि० सम्भल द्वारा आयोजित (उर्दू का नातिया अदब: मोहसिन काकोरवी के हवाले से) नेशनल सेमनार में शोध पत्र प्रस्तुत प्रतिभाग किया 3. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी में दिनांक 30 मार्च 2019 को मानविकी विद्याशाखा के अंतर्गत संचालित ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित (ज्योतिषशास्त्र का लोक-कल्याणकारी स्वरूप) विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया

13.	डॉ0 गोपाल दत्त	व्यावसायिक अध्ययन	2018-19	1. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं यूसर्क द्वारा आयोजित क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला– डिप्लपमैंट ऑफ ऑनलाइन कोर्सेज यूजिंग मूडल लर्निंग मैनेजमैंट सिस्टम में प्रतिभाग किया। कार्यशाला का आयोजन मार्च 1–2, 2019 के दौरान किया गया। 2. विरला इन्सट्यूट ऑफ अप्लाइड साइसेंस, भीमताल द्वारा आयोजित सिम्पोजियम– डिजिटल इंगेजमैंट एट कम्यूनिटी लेवल, में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आयोजन फरवरी 16, 2019 के दौरान किया गया। 3. 20 फरवरी 2019 को डॉ0 रघुनन्दन सिंह तोलिया, उत्तराखंड एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेसन द्वारा व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। व्याख्यान का विषय आई.सी.टी. इन एडमिनिस्ट्रेसन था।
14.	डॉ. भानू जोशी	योग	2018-19	1. "**स्वाध्याय का किशोरियो की संवेगात्मत्ता पर प्रभाव का अध्ययन**", शीर्षक पर लिखित शोध पत्र **DEV SANSKRITI : Interdisciplinary International Journal (DSIIJ)** January 2019 (Volume: 13) (ISSN: 2279-0578) में प्रकाशित हुआ | 2. "Effect of Selected Balancing Asana on Attention and Concentration", शीर्षक पर लिखित शोध पत्र **International Journal of Adapted Physical Education & yoga** ***, 2018, (ISSN: 2455-8958)*** में प्रकाशित हुआ।
15.	डॉ. जितेंद्र पाण्डे	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी	2018-19	1. attended a two days workshop on **Development of quality Assurance Toolkit for Higher Education ODL Institutions in Commonwealth Asia** as an expert at University of Hydrabad(Central University) on 4th and 5th Feb., 2019. 2. थाई साइबर यूनिवर्सिटी प्रोजेक्ट, मिनिस्ट्री ऑफ़ एजुकेशन, थाईलैंड द्वारा दिनांक 19-22 सितम्बर, 2018 को बैंकाक में होने एक्सपर्ट समिति मीटिंग में एक्सटर्नल एक्सपर्ट के रूप में आमंत्रित किया गया है| इस मीटिंग में MOOC's Policy and Strategies' पर चर्चा की गयी | 3. उत्तराखंड साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च कौंसिल (USERC), उत्तराखंड सर्कार

				द्वारा आयोजित दिनांक 30 अगस्त को आयोजित साइबर सिक्यूरिटी के टेक्निकल सेशन में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया|
16.	प्रो. दुर्गेश पंत	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी	2018-19	1. Chaired a Symposium on Digital Engagement at Community Level" organized by Birla Institute of Applied Sciences (BIAS), Bhimtal. 2. chaired a symposium organized by Chandrawati Tewari Girls Degree College, Kashipur on 16 Feb., 2019.
17.	दीपांकुर जोशी	विधि	2018-19	1. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं यूसर्क द्वारा आयोजित क्षमता संवर्द्धधन कार्यशाला–डिप्लपमैंट ऑफ ऑनलाइन कोर्सेज यूजिंग मूडल लर्निंग मैनेजमैंट सिस्टमए मार्च 1–2, 2019 के दौरान 2. कैरियर पॉइन्ट विश्वविद्यालय हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) में 27.04.2019 को "Understanding Environment and Biodiversity: Law, Governance, Development and Societal perspective" में"Sustainable development and the Indian legal system"विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
18.	डॉ. रंजू जोशी पाण्डे	भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	2018-19	1. एक दिवसीय कार्यशाला (27/07/2018 को) "Developing Effective Technological Ecosystem to Bolster Teaching-learning paradigm in Uttarakhand" विषय पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में प्रतिभाग किया। 2. दो दिवसीय कार्यशाला (01/03/2019 से 02/03/2019 तक) 'Capacity building workshop on development of online courses using Moodle Learning Management System' विषय पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में प्रतिभाग किया। 3. दो दिवसीय कार्यशाला (27/03/2019 से 28/03/2019 तक) "Quality Assurance for Open and Distance Learning Institutions" विषय पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में

				प्रतिभाग किया। 4. 24/04/2019 को डॉ0 रघुनन्दन सिंह टोलिया, उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में "Introduction Of Geography of Uttarakhand with special reference to Disaster" विषय पर व्याख्यान दिया।
19.	डॉ. सुमित प्रसाद	प्रबंधन	2018-19	1. Participated in the Refresher Course on Disaster Management from 21st Feb 2019 to 14th March 2019 in HRDC Nainital.
20.	श्री द्विजेश उपाध्याय	संगीत	2018-19	1. दो दिवसीय(01–02/03/19) कार्यशाला 'Capacity building workshop on development of online courses using Moodle Learning Management System' विषय पर, में प्रतिभाग।
21.	डॉ. पूजा जुयाल	वनस्पति विज्ञान	2018-19	1. 27 July 2018- एक दिवसीय कार्यशाला विषय "Developing Effective Technological Ecosystem to Bolster Teaching-learning paradigm Institutions" परिसर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी प्रतिभाग 2. 13-14 Oct 2018- "9th Conference of Indian Science Congress Association on "Future India: Science and Technology" पर सेमिनार में पोस्टर प्रदर्शन में विषय " Bioprospecting in Bhabhar Region of Indian Central Himalaya" पर प्रतिभाग 3. 18-19 Jan 2019- दो दिवसीय कार्यशाला on "Prevention of Alcohol & Drug abuse in the Family, Schools/ College and Community" परिसर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, में प्रतिभाग 4. 27-28 Feb 2019- "Emerging Trends & Future Challenges in Science", पर सेमिनार में मौखिक प्रदर्शन में विषय "Plants as a Flourishing Herbal Medicine and Its Future Perspectives" पर प्रतिभाग 5. 27-28 March 2019- दो दिवसीय कार्यशाला on "Quality Assurance for Open and Distance Learning

				Institutions" परिसर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, में प्रतिभाग
22.	डॉ. शालिनी सिंह	रसायन विज्ञान	2018-19	1. 18-19 Jan 2019- दो दिवसीय कार्यशाला on "Prevention of Alcohol & Drug abuse in the Family, Schools/ College and Community" परिसर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, में प्रतिभाग 2. नैनीताल में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया (24-26 May 2019)- **"Effect of macro and micronutrients in soil on essential oils of *Origanum Vulgare* L. from Kumaun Himalayas"** 3. दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया- "Capacity bulding workshop on development of online courses using moodle learning management system.(01/03/19 – 02/03/19
23.	डॉ. श्याम एस. कुंजवाल	प्राणी विज्ञान	2018-19	1. Oral presentation on the topic "Production of Periphyton by Using the Artificial Substrate in Snow-trout culture Pond. In: 9th Conference of Indian Science Congress Association on "Future India: Science and Technology" School of Basic Science's G.B.Pant University Pantnagar on13-14 Oct 2018. 2. Attended Seminar of 9th Conference of Indian Science Congress Association on "Future India: Science and Technology" School of Basic Science's G.B.Pant University Pantnagar on13-14 Oct 2018. 3. Attended Seminar on "Special Education" 4. One day workshop on "Developing Effective Technological Ecosystem to Bolster Teaching-learning paradigm Institutions". 5. Two days workshop on "Prevention of Alcohol & Drug abuse in the Family, Schools/ College and Community". 6. Two days workshop on "Quality Assurance for Open and Distance Learning Institutions".

24.	डॉ. घनश्याम जोशी	लोकप्रशासन विभाग	2018-19	1. डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी द्वारा आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला (दिनांक 2 मार्च 2019) 'सुशासन, नागरिक अधिकार–पत्र एवं सेवा का अधिकार अधिनियम' में प्रतिभाग। 2. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला (दिनांक 27 और 28 मार्च 2019) "Quality Assurance for Open and Distance Learning(ODL) Institutions" में प्रतिभाग।
25.	डॉ0 कल्पना पाटनी लखेड़ा	शिक्षाशास्त्र	2018-19	1. दिनांक 01-03-2019 से 30-03-2019 तक एच.आर.डी.सी. कुमाऊ विश्वविद्यालय नैनीताल में अभिमुखीकरण **(Orientation Programme)** में प्रतिभाग किया। 2. एच.आर.डी.सी. कुमाऊ विश्वविद्यालय नैनीताल में Water the animated life challenges and salutation में प्रतिभाग किया व Sensitisisation through syllabi at school level विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। 3. कुमाऊ विश्वविद्यालय नैनीताल में मानव अधिकार विषय पर आयोजित कार्याशाला में प्रतिभाग किया।
29.	डॉ0 प्रीति बोरा	गृह विज्ञान विभाग	2018-19	1. दिनांक 13 अप्रैल, 2018 को खाद्य वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ संघ, भारत (Association of Food Scientists and Technologists, India) द्वारा आयोजित "भारतीय अर्थव्यवस्था पर खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के प्रभाव" पर बहुउद्देशीय हॉल, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग किया गया। 2. Capacity Building Workshop on Development of Online Courses using Moodle Learning management System by Uttarakhand Open Unversity in collaboration with USERC (Uttarakhand Science Education Research Centre) at UOU, Haldwani. during 1-2 March, 2019.
30.	श्रीमती मोनिका द्विवेदी	गृह विज्ञान विभाग	2018-19	1. Participated in Capacity Building Workshop on Development of Online Courses using Moodle Learning management System, during 1-2 March, 2019. Organised by Uttarakhand Open Unversity in collaboration with USERC (Uttarakhand Science Education Research Centre) at UOU

31	डॉ. मंजरी अग्रवाल	प्रबन्ध अध्ययन	2018-19	डॉ0 अग्रवाल द्वारा 4 सितम्बर 2018 से 26 सितम्बर 2018 में Refresher Course in Economics, Commerce and Management at UGC -HRDC, नैनीताल में प्रतिभाग किया गया।
32	सुश्री शालिनी चौधरी	अर्थशास्त्र	2018-19	1. सोफिया महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित दिनाँक 24-25 अगस्त 2018 दो दिवसीय संगोष्ठी में "Emerging Trends & Scope in the Banking Sector with Special Reference to the Present Indian Scenario" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया| 2. महिला अध्ययन केंद्र, कुमॉऊ विश्वविद्यालय नैनीताल द्वारा आयोजित दिनाँक 4 अक्टूबर 2018 को लिंग संवेदीकरण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया| 3. हेमवती नंदन बहुगुणा महाविद्यालय के टिहरी परिसर में आयोजित दिनाँक 26 अक्टूबर 2018 से 28 अक्टूबर 2018 तक अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन में " **Climate Change and Disaster risk Reduction** " में शोधविषय "**A STUDY ON THE CHANGE IN SOCIO-ECONOMIC CONDITIONS OF DISASTER AFFECTED AREAS IN UTTARAKHAND**" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया|
33	डॉ. कमल देवलाल	भौतिकी विज्ञान	2018-19	1. Attended 9th conference of Indian Sciences on "Future India: Science and Technology" on 13th and 14th Oct 2018 at College of Technology G B Pant University of Ag. And Tech., Pantnagar, Uttarakhand. 2. Attended International Conference on "Advanced Materials, Energy and Environment Sustainability" on 14th and 15th December 2018 at University of Petroleum and Energy Studies, Dehradun, Uttarakhand.

				3. Attended National Conference on “Holistic Approach Towards Quality Enhancement in Higher Education” on 29th and 30th January 2019 at PLSM Government PG College, Rishikesh, Dehradun, Uttarakhand. 4. Attended 10th Refresher Course in “Material Preparation and Measurement of Properties” on 5th and 20th March 2019 at IASc Bengaluru.

प्रकाशन
(Publications)

क्रमांक	नाम	विद्याशाखा / विभाग	प्रकाशन
1.	डॉ0 शशांक शुक्ला	मानविकी / हिन्दी	1. महेन्द्र प्रसाद कुशवाहा सम्पादित पुस्तक 'रामस्वरूप चतुर्वेदी : आलोचक कथायें में आचार्य रामस्वरूप चतुर्वेदी की इतिहास दृष्टि' शीर्षक लेख प्रकाशित। 2. शब्दिता पत्रिका के जनवरी-जून 2019 अंक में 'विश्वविद्यालय: एक उपसंहार' नामक कहानी प्रकाशित। 3. व्यंग्य पत्रिका 'व्यंग्य यात्रा' में नियुक्तिआय नम: नामक कहानी प्रकाशित।
2.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी	मानविकी / ज्योतिष	**1.** 'वेदांग ज्योतिष : एक परिचय' शीर्षक शोध आलेख UGC द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रिका 'वेदचक्षु' INTERNATIONAL JOURNAL OF JYOTISH RESEARCH में प्रकाशित। ISSN NO. : 2456 -4427 VOL – 4, ISSUE-1 **2. 'संस्कृत का महत्व'** विषयक शोध आलेख Peer Reveiwed 'वेदचक्षु' International Journal of Jyotish Research में प्रकाशित। ISSN No. : 2456 -4427 Vol – 3, ISSUE-2 **3.** 'ज्योतिष शास्त्र में वर्णित सन्तान योग विचार' विषयक शोध आलेख Peer Reveiwed 'वेदचक्षु' International Journal of Jyotish Research में प्रकाशित। ISSN No. : 2456 -4427 Vol – 3, ISSUE-2 4. 'ज्योतिष शास्त्र में व्याधि निरूपण' विषयक शोध आलेख Peer Reveiwed 'वेदचक्षु' International Journal of Jyotish Research में प्रकाशित। ISSN No. : 2456 -4427 Vol – 4, ISSUE-1
3.	डॉ0 सुचित्रा अवस्थी	मानविकी/ अंग्रेजी	**1.** "Gandhi and his peace initiatives" Published in Quest, Nainital

4.	डॉ0 गगन सिंह	वाणिज्य	1. "Social Security Schemes With Respect to Elderly Health Care: A Study of Himachal Pradesh", शीर्षक पर लिखित शोध पत्र **Ageing and Health Care in India Issues and Challenges**, (Edited Book), Indu Book Service, New Delhi 2018, pp. 59-74. (**ISSN-978-93-86754-29-5**) में प्रकाशित हुआ। 2. "*Higher Education Among Scheduled Tribes Through Open and Distance Learning*", शीर्षक पर लिखित शोध पत्र ***University News, Association of Indian Universities, Vol. 57, No. 09, March, 2019, 04-10,*** *New Delhi (India), pp. 21-26.* ***(ISSN: 0566-2257)*** में प्रकाशित हुआ
5.	डॉ0 दिनेश कुमार	शिक्षाशास्त्र विभाग	• **Topic- '**Constitutional Power of Indian Citizen' **J.N.-**40942 **International Research Journal of Social and Life Science, Pub.-** Reeva Madhy Pradesh, December 2018, ISSN-0973-3914, **Impact F. 3.112;** • Topic- 'Uchh Prathmik Star par Shahari kshetr ke Sarkari evm Gair Sarkari Vidyalyon me Vigyan Shikshan hetu Prayukt Shikshan Vidhiyon kaa Aalochanatmak Adhyyan', **On-Line International Journal** "IJRAR" www.ijrar.org, Registration ID : IJRAR_195855, Paper ID : IJRAR19J1445; Topic- 'Research & Review of Literature', **International Multiligual Research Journal** "Vidyavartta" Code- care, **Pub.-** Maharashtra, **January to March 2019** ISSN-2319 9318, **Impact F.-6.021**
6.	डॉ0 मदन मोहन जोशी	इतिहास	Jointly written and pulished a paper entitled- 'Some Unpublished Gorkhali Documents and Early British Records : The Example of Senu Joshi Community', at Michaels, Axel and Astrid Zotter (edited series on) *Historical Documents of Pre-modern Nepal*. Heidelberg: Heidelberg Academy of Sciences and Humanities, Germany, pp331-350, in 2018.
7.	डॉ. जटाशंकर तिवारी	होटल प्रबन्ध	**1. Tewari, J.R. (2018).** Destination Facilities and Tourist Satisfaction: Evidences from Awadh Region of Uttar Pradesh, India'. *Avahan: A Journal on Hospitality and Tourism, Haldwani, Vol 5, issue 1, pp.11-19(ISSN No. 2347-4556).*

8.	डॉ. विरेन्द्र कुमार	ृषि	Attended an international conference held at RARI, Durgapura, Jaipur (Rajasthan) during Oct. 28-30, 2018, on the theme- 'Global research initiative for sustainable agriculture and allied science'. The title of the paper is – 'Productivity, enhancement and livelihood security through low coast protected structures in uttarakhand hill'.
9.	डॉ. मंजरी अग्रवाल	प्रबन्ध अध्ययन	1. डॉ. मंजरी अग्रवाल द्वारा लिखित शोध पत्र "e-Readiness of state open University towards online learning: A study of BRAOU and UOU" IGNOU के जर्नल IJOL में प्रकाशित हुआ। 2. Sunita Sanguri and Agarwal Manjari, Ganga Gaay Yojana and Women Empowerment in Uttarakhand, JETIR1808172 Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (JETIR), ISSN-2349-5162, August 2018, Volume 5, Issue 8.
10.	मो0 अकरम	भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन	1. Abstract entitled **'Hydrological Responses In A Sub-Watershed of Lower Alaknanda Basin: A One Year Case Study of Lesser Garhwal Himalaya, India'** was published in 30th IGI (Indian Institute of Geomorphologists) National Conference (w.e.f.- October 03-05, 2018) at Jamia Millia Islamia University, New Delhi 2. Abstract entitled- **'Hypsometry and Erosion Status of Chandrabhaga Gad Catchment: A Case Study of Lower Alaknanda Basin, Garhwal Himalaya" in "National Conference ERDIH-2018"** on the Theme- **"Environment, Resources and Development of the Indian Himalaya"** held during October 25-27, 2018 at Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal (HNBGU) (A Central) University, Srinagar Garhwal, Uttarakhand, India,
11.	डॉ. श्याम एस. कुंजवाल	प्राणी विज्ञान	1."Maturation Biology and spawning ethos of a hill stream catfish Pseudecheneis Sulcatus (Mc Clelland) in a glacier-feed stream, Alaknanda, Garhwal Himalayas" In: International journal of Fisheries and Aquatic studies,2018; 6(4): 235-238 E-ISSN: 2347-5129P.ISSN: 2394-050. IJFAS 2018.

12.	डॉ0 कल्पना पाटनी लखेड़ा	शिक्षाशास्त्र	1. क्वेस्ट शोध पत्रिका में शोध पेपर 'Anxiety a theoretical analysis शोध पत्र प्रकाशित|
13.	डॉ. जितेंद्र पाण्डे	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी	1. शीर्षक " Investigating the attitude towards the use of Mobile Learning in Open and Distance Learning: A Case Study of Uttarakhand Open University" जर्नल "The Online Journal of Distance Education and e-Learning" के Volume 6 Issue 4 में प्रकाशित हुआ|
14.	डॉ0 प्रीति बोरा	गृह विज्ञान	**1. Chapter published by Dr. Preeti Bora in** Climate Risks Management: Sustainable Pulse Production 2018, Daya Publishing House®; A Division of Astral International Pvt. Ltd., New Delhi. ISBN 978-93-5124-954-2. Chapter6:Underutilized Pulses: The Keys to Food and Nutritional Security
15.	राजेन्द्र सिंह क्वीरा	पत्रकारिता	1. राजेन्द्र सिंह क्वीरा द्वारा लिखित पत्रकारिता: संभावनाएं एवं चुनौतियाँ शीर्षक शोध आलेख The Sameeksha Global: A Mulidisciplinary Journal in Hindi में प्रकाशित हुआ। (ISSN NO.- 2581-401X/ Vol.-2 Issue 1-2018)

क्रमांक	विद्याशाखा/विभाग	दिनांक	कार्यशाला / संगोष्ठी
1.	मानविकी विद्याशाखा हिन्दी विभाग / ज्योतिष विभाग	14th सितम्बर, 2018	हिन्दी दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी
		30 मार्च 2019	ज्योतिष विभाग द्वारा ''ज्योतिषशास्त्र का लोक-कल्याणकारी स्वरूप'' एकदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
2.	विशिष्ट शिक्षा विभाग	12-14 जून 2018	दिव्यांगों के शिक्षा संवर्द्धन हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण
		3 दिसम्बर 2018	अन्तर्राष्ट्रिय दिव्यांग दिवस का आयोजन
3.	गृह विज्ञान विभाग	1-7 सितम्बर 2018	राष्ट्रिय पोषण सप्ताह
4.	पत्रकारिता विभाग	10-12 अप्रैल 2018	देहरादून परिसर में पत्रकारिता विभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी।
			अल्मोड़ा से प्रकाशित प्रदेश के ऐतिहासिक अखबार शक्ति के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में उत्तराखण्ड की पत्रकारिता के विकास और चुनौतियों के विषय पर एकदिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया।
5.	पर्यटन विभाग	1-15 नवम्बर 2018	स्वच्छता पखवाड़ा

3.4 विस्तार गतिविधियाँ और संस्थात्मक सामाजिक उत्तरदायित्व (Extention Activities and Institutional Social Responsibility)

❖ एशिया दूरस्थ शिक्षा संघ में यूओयू (UOU is a Member of AAOU)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को वर्ष 2018 के लिए एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपन यूनिवर्सिटीज (AAOU) की सदस्यता प्राप्त हो गई है। वर्तमान में एशिया के 61 मुक्त विश्वविद्यालय इस संगठन के सदस्य हैं। विश्वविद्यालय अपनी बेहतर साख के आधार पर AAOU में शामिल हुआ है। इससे विश्वविद्यालय की पहचान वैश्विक स्तर पर होने लगेगी। भारत में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अतिरिक्त 15 अन्य मुक्त विश्वविद्यालय इस संगठन में शामिल हैं। यह संगठन दूरस्थ शिक्षा से जुड़े विषयों पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विचार विमर्श करता है। दूरस्थ शिक्षा में ज्ञान व अनुभव के आदान प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपन यूनिवर्सिटीज ने इंटर यूनिवर्सिटी स्टाफ एक्सचेंज फेलोशिप की भी शुरूआत की है।

❖ ग्रामों को गोद लिया जाना (Village Adoption)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, शैक्षिक दायित्व के साथ-साथ समाजोत्थान के कार्य में भी अग्रसर है। इसके तहत उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा हल्द्वानी विकासखण्ड के अन्तर्गत आने वाली 5 ग्राम सभाओं

(मानपर पश्चिम, तल्ली हल्द्वानी, गौजाजली बिचली, धौलाखेडा, गौजाजली उत्तर) को गोद लिया गया है, जिनमें विश्वविद्यालय द्वारा गाँवों के सतत् विकास को लेकर कई कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है।

गोद लिए हुए गाँवों का विवरण (Details of adopted villages)

S.N.	Name of the Village	Total Population	O.B.C.	S.C.	S.T.	General
1	Talli Haldwani	8159	504	944	18	6692
2	Manpur Pashchim	3134	356	186	19	2573
3	Dhaula Khera	2083	104	323	33	1623
4	Gauja Jaali Bichli	2208	34	41	13	2120
5	Gaujajaali Uttar	6136	176	308	11	5641

❖ राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम (1-7 सितम्बर 2018)

दिनांक 1-7 सितम्बर 2018 के बीच विश्वविद्यालय में ''राष्ट्रिय पोषण सप्ताह मनाया गया। स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा अच्छी सेहत को बढ़ावा देने में उचित पोषण के महत्व तथा संतुलित आहार के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए प्रतिवर्ष 1 सितम्बर से 7 सितम्बर के मध्य खाद्य और पोषण बोर्ड, महिला और बाल विकास मन्त्रालय द्वारा राष्ट्रिय पोषण सप्ताह का विषय था, बच्चे के प्रथम 1000 दिनों के दौरान अल्प पोषण को संबोधित करने हेतु केन्द्रित हस्तक्षेप सुनिश्चित करना : बेहतर बाल स्वास्थ्य '' Ensuring focused interventions on addressiong under nutrition during the first 1000 days of the Child: Better Child Health.'' इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रिय पोषण सप्ताह मनाया गया, जिसमें विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के रेडियो चैनल 'हैलो हल्द्वानी' के माध्यम से विभाग द्वारा रिकॉडिंग की गयी तथा खाद्य एवं पोषण पर व्याख्यान तथा चर्चाओं को प्रसारित किया गया। इन चर्चाओं का केन्द्र मूलत: बाल आहार तथा पोषण एवं शिशु के पूरक आहार का महत्व तथा आवश्यकता पर था। साथ ही सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पोषण कार्यक्रमों की भी जानकारी रेडियो कार्यक्रमों के माध्यम से दी गयी। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँव मानपुर पश्चिम में वहाँ की ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी के सहयोग से पोषण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों डॉ. प्रीति बोरा तथा श्रीमती मोनिका द्विवेदी द्वारा गाँव के ऑगनबाड़ी केन्द्र पर जाकर वहाँ पर आए लाभार्थियों जिसमें गर्भवती एवं धात्री महिलायें, किशोरियाँ तथा बच्चे सम्मिलित थे तथा कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें पोषण सम्बन्धी जानकारी दी गयी। इस शिविर में गाँव की महिलाओं को संतुलित पोषण एवं आहार के महत्व की जानकारी दी गयी। साथ ही उनकी आहार एवं पोषण सम्बन्धी समस्याओं का निदान भी किया गया। विशेषकर बच्चों के आहार एवं पूरक पोषण पर बल दिया गया।

इस अवसर पर दिनांक 6 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा चार्ट/ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था – बच्चों की स्वस्थ भोजन थाली। चार्ट/ पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 10 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। दिनांक 7 सितम्बर को विभाग द्वारा आहार एवं पोषण क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था – ''भोजन एवं हमारा स्वास्थ्य।'' कार्यक्रम के अन्त में माननीय कुलसचिव एवं निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रोफेसर आर.सी. मिश्र द्वारा पुरस्कार अर्जित करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

❖ स्वच्छता पखवाड़ा (1 से 15 नवम्बर, 2018)

उत्तराखण्ड मुक्त वश्विविद्यालय द्वारा वर्ष 2018 में समाज को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ''रॉयल कॉलेज ऑफ टूरिज्म व होटल मैनेजमेंट'' के साथ मिलकर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनेकों छात्र एवं छात्रायें तथा शिक्षक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अखिलेश सिंह, पर्यटन विभाग, (यू.ओ.यू) ने बताया की प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय के द्वारा आस-पास के क्षेत्रों और उससे जुड़े लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। संस्थान के निदेशक श्री अनुराग भोसले ने कहा कि स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के कारण ही देश के आमजन में भी जागरूकता बढ़ी है और उनके छात्र व छात्रों के द्वारा भी प्रत्येक वर्ष कई कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहते है। इस अवसर पर मो. अकरम, ने गन्दगी व इसके हमारे पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री विनोद विरखानी, प्रशासनिक अधिकारी व कृषि वैज्ञानिक ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने आस-पास के क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष कम से कम एक वृक्ष जरूर लगाना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित छात्रों ने भी अपने-अपने बहुमूल्य विचार रखे। छात्रों में से शीर्ष तीन वक्ताओं को कार्यक्रम के अन्त में आयोजकों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा का छायाचित्र

दूरस्थ शिक्षा संवर्धन प्रकोष्ठ (Distance Education Promotion Cell)

हिन्दू नेशनल इन्टर कालेज, लक्ष्मण चौक, देहरादून में दिनांक 3 जनवरी, 2019 से 10 जनवरी, 2019 तक स्वदेशी जागरण मंच व स्मृति विकास संस्थान द्वारा आयोजित किये गये स्वदेशी मेला मेक इन इण्डिया को बढ़ावा देनेव स्वरोजगार सृजित करने की दिशा में माननीय कुलपति जी के प्राप्त निर्देशानुसार उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, देहरादून परिसर द्वारा विश्वविद्यालय का स्टॉल लगवाया गया। विश्वविद्यालय का प्रचार-प्रसार करने हेतु दूरस्थ शिक्षा पद्धति की पाठ्यसामग्री को स्टॉल में प्रदर्शित किया

हिन्दू नेशनल इन्टर कालेज, लक्ष्मण चौक, देहरादून में लगी

गया। स्वदेशी मेले का उद्घाटन माननीय शहरी विकास
मंत्री श्री मदन कौशिक जी द्वारा किया गया। प्रदेश के कोने-कोने से लोगों ने इस मेले में प्रतिभाग किया।

छात्र-छात्राओं के साथ-साथ मेले में पधारे अन्य अतिथियों द्वारा स्टॉल का अवलोकन किया तथा प्रशंसा की। विश्वविद्यालय द्वारा लगाये गये स्टॉल के प्रति लोगों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और साथ ही साथ लोगों द्वारा यह सुझाव भी दिया गया कि विश्वविद्यालयके प्रचार-प्रसार हेतु ऐसे स्टॉल को लगाया जाना चाहिए जिससे दूरस्थ शिक्षा की जानकारी जन-जन तक पहुँच सके। मेले का समापन माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल जी द्वारा किया गया।

स्टॉल में जानकारी लेते विद्यार्थी एवं स्थानीय लोग।

❖ सामाजिक सरोकार: विश्वविद्यालय द्वारा नशा मुक्त भारत बनाने हेतु पहल

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायतशासी संस्थान राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नयी दिल्ली (National Institute of Social Defence, New Delhi) द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के सहयोग से **"To prevent alcohol and drug abuse in the family, schools/college and community"** नामक विषय पर दिनांक 18/01/2019 से 19/01/2019 तक कार्यशाला का आयोजन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के सभागार मे किया गया। दिनांक 18/01/2019 को कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ एल पी वर्मा, प्राचार्य बेरिनाग स्नातक महाविद्यालय एवं अध्यक्षता प्रो एच. पी. शुक्ला ने की। मुख्य अतिथि डॉ एल पी वर्मा ने अपने संबोधन में युवा पीढ़ी से अपेक्षा की कि वे अपनी ऊर्जा देश के विकास मे लगाये। मद्यपान एवं नशे से अपने को दूर करने का संदेश दिया, जिससे ऊर्जा सकारात्मक कार्यो मे लगी रहे। एम०बी०पी०जी० महाविद्यालय के एन०एस०एस० अधिकारी डॉ० एम०पी० सिंह ने प्रतिभागियों से नशे की जगह किताबों के ज्ञान में अपना समय व्यतीत करने का आव्हान किया। डॉ० ए०पी० सिंह द्वारा अपने संबोधन में कहा कि आज वर्तमान समय मे युवा उपेक्षा का शिकार होकर धीरे-धीरे नशे की गिरफ्त मे जा रहा हैं। अतएव माता पिता को अपने युवा बच्चों के साथ अधिकाधिक समय व्यतीत करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे बच्चे नशे से दूर रहें|

❖ विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री भरत सिंह द्वारा प्रतिभागियों को नशा मुक्त भारत बनाने कि अपील करते हुए समाज की सुरक्षा हेतु युवाओं से नशा एवं शराब जैसी बुराइयों से स्वयं के साथ ही लोगों को भी दूर रहने की अपील की|

❖ विद्याशाखा के निदेशक प्रो० एच०पी० शुक्ल ने वर्तमान पीढ़ी को शराब व नशे की लत से खोखला किये जाने पर चिंता व्यक्त की | साथ ही अपने उद्बोधन में युवा पीढ़ी को अपनी ऊर्जा सकारात्मक व रचनात्मक कार्यों में लगाने की अपील की जिससे नशे का दुष्प्रभाव उन पर ना पड़ सके | कार्यशाला संयोजक डॉ० सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा शराब व नशे के द्वारा परिवार के विघटन पर चिंता व्यक्त की गई व समाज की क्षति के लिए नशे के दुष्प्रभाव को जिम्मेदार बताया गया।

❖ विद्याशाखा के निदेशक प्रो० एच०पी० शुक्ल ने वर्तमान पीढ़ी को शराब व नशे के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। कार्यशाला संयोजक डॉ० सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा वर्त्तमान में नशे के नए नए प्रकारों के बारे में और उनसे बचाव सम्बन्धी जानकारी दी और शराब बंदी पर हुए विभिन्न आन्दोलनों की जानकारी दी।

विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र देतु प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल

❖ शिक्षा शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ० कल्पना पाटनी द्वारा अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यशाला में लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय, हल्दुचौड़, एम०बी०पी०जी० महाविद्यालय, हल्द्वानी, मरियम कॉलेज के एन०एस०एस० के छात्र एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

❖ विश्वविद्यालय द्वारा इसी विषय पर दिनांक 29/01/2019 को कार्यशाला का आयोजन कोटाबाग ब्लाक के राजकीय इंटर कॉलेज के प्रांगण मे किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री एस एस रौतेला, सदस्य बीडीसी कोटाबाग श्री जोधा सिंह, ग्राम प्रधान कोटाबाग श्री नवीन छिमवाल, के अध्यक्ष पूरण चन्द्र बुडलाकोटि, मुख्य वक्ता डॉ निधी और उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने किया

4. अधिसंरचना और अधिगम संसाधन
(Infrastructure and Learning Resources)

उत्तराखण्ड प्रदेश में शैक्षिक जगत के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इस विश्वविद्यालय ने अल्प समय में ही यहाँ के दूरस्थ, ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को भी शिक्षा से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है। परम्परागत शिक्षा प्रणाली की अपनी सीमाएं होती हैं। सीमित सीटों, सीमित संसाधनों की वजह से वे सभी के लिए सुलभ नहीं हो पाती। परम्परागत शिक्षा प्रणाली केन्द्रीयता के सिद्धान्त पर चलने वाली व्यवस्था है, जिसमें एक केन्द्र की क्रियाशीलता होती है। मुक्त विश्वविद्यालयी प्रणाली में ''शिक्षा आपके लिए तथा शिक्षा आपके द्वार'' जैसी अवधारणा होती है। यही कारण है कि शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित लोग भी इस प्रणाली में मुख्यधारा के अंग बन जाते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की इसी अवधारणा के क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है।

विश्वविद्यालय का मुख्य द्वार

4.1 भौतिक अधिसंरचना (Physical Infrastructure)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का मुख्यालय हल्द्वानी में स्थित है। हल्द्वानी को उत्तराखण्ड का प्रवेश द्वार कहा जाता है, क्योंकि इसके पश्चात् राज्य की पर्वत श्रृंखलायें शुरू हो जाती है। यहाँ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एक तरह से शिक्षा का द्वार भी बन जाता है, क्योंकि इसी के माध्यम से सम्पूर्ण राज्य में शिक्षा का 'सार्वजनीन प्रसरण' सम्भव हो पा रहा है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी प्राथमिक भूमिका को समझ कर राज्य के शिक्षार्थियों-बुद्धिजीवियों के लिए नये-नये पाठ्यक्रम का संचालन व अकादमिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी कर अपना महत्वपूर्ण सांस्कृतिक योगदान दिया है। किसी भी संस्था के कार्य का प्राथमिक आधार उसके ढाँचे और अधिसंरचनाएं होती हैं। मूलभूत ढाँचा और अधिसंरचना संस्था के कार्यों के सुचारू रूप से सम्पन्नता/संचालन में अपना विशेष योगदान देते हैं। इन्हीं के माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ अपना सजीव आकार ग्रहण कर पाती हैं। भौतिक अधिसंरचना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के भवन, परिसर, मूलभूत

सुविधा, तकनीकी सुविधा एवं अन्य क्षेत्र आते हैं। एक प्रकार से अधिसंरचना एवं मानवीय संसाधन क्षमतायें संस्था के शरीर की भॉति होते हैं, जिसमें सभी गतिविधियाँ संचालित होती हैं।

4.2 मुख्य भवन (Main Building)

विश्वविद्यालय भवन का शिलान्यास तत्कालीन महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल डॉ. मार्ग्रेट अल्वा, मुख्यमन्त्री डॉ.रमेश पोखरीयाल 'निशंक' द्वारा अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। तदुपरान्त विश्वविद्यालय के भवन का उद्घाटन माननीय राज्यपाल श्री अजीज कुरैशी जी के कर कमलों द्वारा हुआ।

विश्वविद्यालय का मुख्य भवन

विश्वविद्यालय का भवन शैक्षिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परिसरों का संयुक्त समवाय है। इसका एक भवन जहाँ अकादमिक सदस्यों के लिए निर्मित है, वही दूसरा भवन प्रशासन के कार्यों के क्रियान्वयन के लिए है। भवन का एक हिस्सा कम्प्यूटर लैब के रूप में विकसित है। शैक्षणिक भवन के भीतर विश्वविद्यालय के 13 विद्याशाखाओं के शिक्षकों के बैठने के लिए स्वतन्त्र कक्ष की सुविधा उपलब्ध है, जिससे वे अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें। शैक्षणिक भवन का विभाजन विद्याशाखाओं के अनुसार किया गया है। एक विद्याशाखा के भीतर विभिन्न विभाग हैं, जो आन्तरिक विषय-वस्तु की दृष्टि से जुड़े हुए हैं। कक्षों का विभाजन भी वैज्ञानिक पद्धति पर किया गया है। मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइन्स, वाणिज्य एवं प्रबन्धन, पत्रकारिता जैसी विद्याशाखाओं के लिए स्वतन्त्र स्थान एवं कक्ष निर्मित किये गए हैं।

4.3 प्रशासनिक भवन: (Administrative Building)

प्रशासनिक भवन विश्वविद्यालय की समस्त अकादमिक गतिविधियों के संचालन को व्यावहारिक धरातल पर क्रियाशील करने का केन्द्र होता है। इस भवन में कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, वित्त नियंत्रक कार्यालय प्रमुख रूप से निर्मित है। कुलपति कार्यालय सम्पूर्ण विश्वविद्यालयी गतिविधियों, चाहें वह अकादमिक हो या प्रशासनिक का केन्द्र है। कुलसचिव कार्यालय सम्पूर्ण प्रशासन–कार्यों का नियन्त्रण करता है।

प्रशासनिक भवन

विश्वविद्यालय प्रशासन का तीसरा घटक वित्त नियन्त्रक कार्यालय है। वित्त–नियन्त्रक विश्वविद्यालय के समस्त आर्थिकी का केन्द्रभूत अधिकारी है। इस प्रकार कुलपति, कुलसचिव एवं वित्त कार्यालय आस-पास हैं, जिससे कार्य-संचालन में सुविधा हो।

विश्वविद्यालय भवन में कुछ अन्य अधिकारियों के कार्यालय भी हैं जिसमें मुख्य रूप से जनसम्पर्क अधिकारी, सहायक कुलसचिव, लोक सूचना अधिकारी हैं।

4.4. पुस्तकालय: एक अधिगम संसाधन के रूप में (Library: As a Learning Resource)

विश्वविद्यालय ज्ञान की एक बौद्धिक इकाई है। यह ज्ञान का ऐसा केन्द्र है, जो सम्पूर्ण समाज व संस्कृति को प्रभावित करता है। यह केवल ज्ञान का वितरण ही नहीं करता बल्कि उसका निर्माण भी करता है। ज्ञान-विज्ञान की इस प्रक्रिया में संवादात्मकता अनिवार्य है। संवाद की यह प्रक्रिया अध्यापक और छात्र के मध्य भी चलती है तथा पुस्तक और छात्र के मध्य भी। पुस्तक ज्ञान के संयोजित रूप होते हैं, इसीलिए हर वर्ग के व्यक्तियों के लिए यह हमेशा प्रासंगिक बनी रहती है। किसी भी उन्नत समाज की एक प्रमुख पहचान यह होती है कि उस समाज के पास श्रेष्ठ ग्रन्थ, पुस्तकें कितनी हैं? समृद्ध समाज, समृद्ध पुस्तकों का ऋणी होता है। प्राचीन समय में भी नालन्दा, तक्षशिला के ग्रन्थालय भारतीय ज्ञानात्मक चेतना के उत्कर्ष के प्रतीक थें। आज भी ग्रन्थालय किसी भी स्थान समाज और विश्वविद्यालय के ज्ञान–केंद्र बने हुए हैं। ग्रन्थालय विश्वविद्यालय के ज्ञान केन्द्र होते हैं, जो विद्यार्थी व शिक्षक को निरन्तर ज्ञानात्कम ऊर्जा से संचालित करते हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पास समृद्ध पुस्तकालय है। इस पुस्तकालय में 26594 पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, योग–आयुर्वेद, ज्योतिष, परम्परागत धर्मशास्त्र, विधि से लेकर लोक आधुनिक विषयों को भी समेटे हुए हैं। विश्वविद्यालय ग्रन्थालय विभाग इस बात के लिए दृढ़प्रतिज्ञ है कि ग्रन्थालय में किसी भी विषय की महत्वपूर्ण अध्ययन पुस्तकें उपलब्ध हों, इसीलिए समय-समय पर सम्बन्धित विषयों के प्राध्यापक नवीन पुस्तकों की सूची पुस्तकालय विभाग को देते रहते हैं।

ग्रन्थालय में पुस्तकों के साथ शैक्षणिक विडियों/ऑडियो भी संग्रहीत हैं, जिसका लाभ प्राध्यापक एवं छात्र उठाते रहते हैं। इसके अतिरिक्त प्रमुख जर्नल, पत्रिकाएं एवं समाचार पत्रों की सुविधाएं भी हैं, जो ग्रन्थालय को बहुविध ज्ञान–विज्ञान से सम्पन्न करती हैं। विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय विभाग छात्रहित केन्द्रित रहा है,

इसलिए उसने छात्र–हित को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सुविधाएं दी हैं, फिर वह चाहें छात्रों को पुस्तकों के आदान-प्रदान की सुविधा हो या इन्टरनेट सुविधा, फोटोकॉपी कराने की सुविधा हो या स्कैन कराने की सुविधा।

विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त है। ग्रन्थालय में सारी पुस्तकों की प्रविष्टि ई–माध्यम से की जा रही है जिससे अपनी दक्षता एवं तकनीकी सुविधाओं के उचित उपयोग से छात्र विश्वविद्यालय में उपलब्ध पुस्तकों को सहजता से ही प्राप्त कर सकते हैं।

पुस्तकालय विभाग की सक्रियता एवं कुशलता को समय–समय पर विभिन्न संगठनों ने सराहा है। NCTE, VGC, DEC एवं RC के सदस्यों के निरीक्षण समय-समय पर यहाँ होते रहें हैं। ग्रन्थालय के प्रभारी डॉ0 जटाशंकर तिवारी के साथ ही राकेश पंत एवं श्रीमती मीनू गुप्ता की सक्रियता ने पुस्तकालय को छात्र हित के सर्वथा अनुकूल बना दिया है। इस प्रकार विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक सुविधाओं के साथ ही मानवीय दृष्टि से भी सहयोगी है। ग्रन्थालय से लगा इसका वाचनालय शांतिपूर्ण कक्ष है, जिसमें छात्र पुस्तकालय का उचित लाभ उठाते रहे हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक गतिविधियों के लिए उत्तराखण्ड में विशेष प्रसरित रहा है। इसकी अकादमिक गतिविधियाँ स्वत: स्फूर्त हैं। यही कारण है कि विश्वविद्यालय में आए दिन विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। विश्वविद्यालय में विभिन्न महापुरूषों की जयन्तियाँ मनाने का प्रचलन रहा है, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कार्यसूची में भी है।

4.5. पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.)

मुक्त विश्वविद्यालयीय परम्परा में पाठ्यसामग्री का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान है। दूसरे शब्दों में कहा जाय तो पाठ्यसामग्री मुक्त शिक्षण व्यवस्था में सर्वमूलाधार है। इस प्रणाली में छात्र प्रत्यक्ष नहीं होता, इसलिए यहाँ के अध्यापकों के लिए एक विशेष दायित्व बन जाता है कि उन्हें छात्रों को अप्रत्यक्ष रूप से उसका विषय बोध करायें।इस कड़ी में अध्यापक अपनी पाठ्यसामग्री से ही छात्रों से जुड़ता है। पाठ्यसामग्री मुद्रणोपरान्त एम.पी.डी.डी. प्रभाग द्वारा छात्रों को वितरित की जाती है। इस प्रकार पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण प्रभाग है। यह प्रभाग छात्रों तक पाठ्यसामग्री वितरण के प्रति उत्तरदायी है। यह प्रभाग सुनिश्चित करता है कि पाठ्यसामग्री छात्रों को समय पर प्राप्त हो सके।

एम.पी.डी.डी. के सदस्यों द्वारा छात्रों को पाठ्यसामग्री वितरण करते हुए

यह प्रभाग छात्रों के हित में, वर्ष 2018-19 से अधिकांश विद्यार्थियों की अध्ययन सामग्री सीधे उनके अध्ययन केन्द्रों पर प्रेषित कर रहा है। एम0पी0डी0डी0 अनुभाग द्वारा विद्यार्थियों को तीन प्रकार से पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराई जा रही है-

1. विद्यार्थियों को उनके अध्ययन केन्द्रों तक सीधे पहुँचाकर।
2. क्षेत्रीयों केन्द्रों तक पहुँचाकर।
3. विद्यार्थियों को सीधे उनके पते पर स्पीड पोस्ट के माध्यम से।
4. कूरियर सेवा के द्वारा।

एमपीडीडी अनुभाग में अध्ययन सामग्री के साथ

इस वर्ष से विश्वविद्यालय का एम.पी.डी.डी. अनुभाग का यह प्रयास रहा है कि विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री और अधिक सहजता से प्राप्त हो सके। इसके लिए यह अनुभाग निरन्तर नवीन योजनाओं के साथ कार्य कर रहा है। वर्ष 2018-19 में यह अनुभाग अपनी कार्यकुशलता के साथ नवीन परिवर्तन करते हुए शीघ्रता से विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री प्रेषित कर चुका है। इस प्रकार यह प्रभाग विद्यार्थियों को उनका पाठ्यसामग्री वितरण हेतु कटिबद्ध है।

4.6. सूचना प्रौद्योगिकी अधिसंरचना (Information Technology Infrastructure)

- **सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (I.C.T.)**

वर्ष 2010 में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय के पास वर्तमान में विश्वविद्यालय के आई.सी.टी. विभाग का अपना स्वयं का वैब सर्वर, एप्लिकेशन सर्वर और डेटाबेस सर्वर है। विश्वविद्यालय के पास सम्प्रति 12TB NAS की सम्पूर्ण बैकअप धारिता क्षमता है, और विश्वविद्यालय 1GBPS NKN नेटवर्क पाइप से जुड़ा है तथा 4MBPS नेटवर्क पाइप के बैकअप की व्यवस्था है।

आइ.सी.टी अनुभाग में कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञ

आई.सी.टी. विभाग मूलत: सूचना प्रोद्यौगिकी के सम्बन्ध में योजना निर्माण के साथ सूचना, तकनीकी निर्माण, हार्डवेयर प्रबंधन, आई.टी. सम्भरण एवं सहायता, अधिप्राप्ति, आभासी शिक्षा, कम्यूनिटी रेडियो आदि कार्यों का सम्पादन करता है और सॉफ्टवेयर विकास, पोर्टल विकास, प्रयोज्यता सम्भरण, डाटा केन्द्र प्रबन्धन, नेटवर्क प्रबन्धन, आई.टी. सेवाएं तथा सहयोग एवं सभी प्रकार के सम्प्रेषण के कार्यों का निर्वहन करता है। विश्वविद्यालय में इसके द्वारा स्टूडेण्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम का निर्माण किया गया है, जिसके अन्तर्गत ऑनलाइन प्रवेश/ परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया, इन्ट्रानेट में प्रार्थना पत्र के अलावा एम.पी.डी.डी., प्रवेश फॉर्म, परीक्षा/ अंकपत्र, वित्त एप आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा वैब पोर्टल बनाया गया है और छात्रों के लिए शिकायती टिकट प्रणाली भी निर्मित की गयी है।

वन-व्यू एप्लीकेशन द्वारा छात्रों को उनकी प्रोफाइल, शुल्क, परीक्षा आदि की समस्त जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा विकसित ई-ग्रन्थालय भी विश्वविद्यालय में उपलब्ध है। विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए इन्ट्रानेट पोर्टल कार्यरत है और बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, परीक्षाफल, हार्डवेयर एवं प्रयोज्यता से संबंधित आई.सी.टी. सहायता दी जाती है।

आई.सी.टी. विभाग द्वारा शिक्षण केन्द्रों के लिए भी प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन शुल्क भुगतान, परीक्षाफल तथा सम्बन्धित सूचनायें प्रदान की जाती है । विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग द्वारा छात्रों के लिए एक किओस्क भी स्थापित किया गया है, और ऑनलाइन लर्निंग भी शुरू की गयी है। वर्तमान में विश्वविद्यालय परिसर Wi-Fi से सुसज्जित है, और सुरक्षा की दृष्टि से परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय देश का प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय है, जिसने विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने के लिए मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज़ (MOOC) की सुविधा दी है।

4.7. मानव संसाधन (Human Resources)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय श्रेयताओं के सर्वांगीण विकास के लिए उच्च भौतिक एवं मानवीय संसाधनों से युक्त विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय में जहाँ एक ओर उच्च तकनीकी सुविधायें उपलब्ध हैं, तो दूसरी ओर अपने-अपने विषय में विशेषज्ञ प्राध्यापक एवं कर्मचारी भी हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्र-हित को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठ मानवीय क्षमताओं की उत्पादकता निर्मित करना है। इसलिए विश्वविद्यालय भौतिक,

तकनीकी एवं मानवीय संसाधनों की 'एकसूत्रता की अंतर्क्रिया' पर विशेष बल देता है। अर्थात् एक ओर तो इसमें भौतिक ढाँचा, कार्यदशायें हैं, दूसरी ओर उन कार्यदशाओं को प्रसारित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता है, तो तीसरी ओर कार्यदशा को व्यावहारिक रूप देने के लिए श्रेष्ठ मानवीय संसाधन यानी शिक्षा और कौशल का संयुक्त समवाय देखने को मिलता है। यहाँ का हर सदस्य अपने विषय की दक्षता के साथ ही यन्त्र एवं तकनीकी कौशल से युक्त है। आज का युग तकनीकी कौशल का युग है। आज हमारे पास ज्ञान का पुस्तकीय रूप ही पर्याप्त नहीं रह गया है। तेजी से बदल रहे विश्व में घटित हो रही हर महत्वपूर्ण घटना दूसरे समाज (देश) को प्रभावित कर लेती हैं। ऐसी स्थिति में यह युग की आवश्यकता है कि हम तकनीकी रूप से सक्षम बनें और सूचना युग में अपने लिए तथा अपने समाज के लिए ज्ञान का सृजन करें। इसलिए आज के युग में ज्ञान और कौशल दोनों महत्वपूर्ण हो उठे हैं। ज्ञान को प्रसारित होने के लिए कौशल चाहिए तथा कौशल को ज्ञान का स्त्रोत चाहिए। इसीलिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने तकनीकी कार्य कुशल प्राध्यापक एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में नियमित और अस्थायी शिक्षकों की श्रेष्ठ टीम है। यह देश के प्रारम्भिक विश्वविद्यालयों में से है, जहाँ शिक्षकों की चयन प्रक्रिया को लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से सम्पन्न किया जाता है।

एक ओर हम छात्रों के लिए उच्चस्तरीय पाठ्यपुस्तकें निर्मित करते हैं तो दूसरी ओर उनके ज्ञानात्मक उत्कर्ष के लिए वीडियो लेक्चर, रेडियो व्याख्यान, टैली कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से अध्यापन, कार्यशाला, परामर्श सत्रों का आयोजन एवं संगोष्ठी का आयोजन करते हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का शिक्षण तन्त्र लचीलेपन, लोकतान्त्रिक एवं पारदक्रिया से संचालित होता है। प्राध्यापक सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन करते समय विशेष सुझावात्मक टिप्पणियाँ करते हैं, जिससे छात्र परीक्षा के पूर्व ही अपनी कमियों में सुधार कर लेते हैं। इसी प्रकार परामर्श सत्र में छात्रों की जिज्ञासाओं का रचनात्मक तरीके / पद्धति से शमन किया जाता है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें सम्बन्धित विषय के विशेषज्ञ विद्धानों को आमन्त्रित किया जाता है जिससे छात्र लाभान्वित हो सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी तीन प्रक्रियाओं के तहत नियुक्त किए जाते हैं। कर्मचारियों का बड़ा वर्ग 'उपनल' सरकारी संस्था के तहत नियुक्त है। दूसरा वर्ग आउटसोर्सिंग एजेन्सियों के तहत नियुक्त है तथा तीसरा वर्ग दैनिक भत्ते वाले कर्मचारी हैं।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पदों का सृजन उत्तराखण्ड सरकार द्वारा किया जाता है। इन पदों पर नियुक्तियाँ उत्तराखण्ड सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित सेवा शर्तों पर की जाती है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षा परिषद् (डेब) के मानकों के अनुरूप कुछ वरिष्ठ परामर्शदाताओं की नियुक्ति भी विश्वविद्यालय करता रहा है। इन शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों की सम्यक व्यवस्था में सहयोग के लिए तकनीकी कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारिंयों की नियुक्ति की गई है।

5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ (Student Support Services)

किसी भी शिक्षण संस्था या विश्वविद्यालय के दो मुख्य घटक होते हैं – छात्र और प्राध्यापक। एक शिक्षा का ग्रहीता है तो दूसरा उसका प्रदाता। छात्र और अध्यापक के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान वैसे तो प्रत्यक्ष रूप में होता है, किन्तु उसकी प्रक्रिया के निष्पादन में विश्वविद्यालय के अन्य तत्व भी सहायक के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। परम्परागत विश्वविद्यालय में गुरू और छात्र के बीच ज्ञान ग्रहण की प्रक्रिया प्रत्यक्ष होती है, किन्तु दूरस्थ व मुक्त शिक्षा पद्धति में अध्यापक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष संवाद प्राय: नहीं होता। इसलिए यहाँ विद्यार्थी सहायता सेवाओं की लम्बी प्रक्रिया क्रियाशील होती है, जिसमें विश्वविद्यालय में छात्र के प्रवेश से लेकर उसके प्लेसमेन्ट और पुराछात्र समुदाय तक की प्रक्रिया चलती है। किसी भी शिक्षण तन्त्र के लिए छात्र केन्द्रीय घटक होता है। इस प्रकार विद्यार्थी सहायता सेवा का तात्पर्य उस पूरी प्रक्रिया से है, जो किसी भी शिक्षण संस्था में छात्रों के ज्ञानार्जन व सीखने की प्रक्रिया को समुन्नत व सुगठित रूप प्रदान करने के लिए कोई शिक्षण संस्था अपनाती है।

शिक्षण सहायता सेवाएँ के अन्तर्गत प्रवेश, पाठ्य-सामग्री, परामर्श सत्र, पुस्तकालय, परीक्षा, दीक्षान्त, प्लेसमेन्ट एवं पुराछात्र आदि शिक्षार्थी केन्द्रित व्यवस्था सन्निहित होती है। इस पूरी प्रक्रिया को इस चित्र/आरेख के माध्यम समझा जा सकता है -

शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

• अकादमिक सत्र

सामान्यतः विश्वविद्यालय का सत्र जुलाई से प्रारम्भ होकर अगले वर्ष जून तक चलता है। इस पाठ्यक्रम वार्षिक परीक्षा प्रणाली या सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली पर आधारित हैं। सेमेस्टर प्रणाली में सेमेस्टर की अवधि छः माह है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष में एक बार प्रवेश दिया जा रहा है।

1. ग्रीष्म कालीन सत्र - (प्रवेश 1 जुलाई से प्रारम्भ)

• प्रवेश की अंतिम तिथि -

प्रवेश	सत्र
	ग्रीष्मकालीन
आरम्भ की तिथि	01 जुलाई
अंतिम तिथि	31 अगस्त
विलम्ब शल्क रू.250/- के साथ	15 सितम्बर
विलम्ब शल्क रू.500/- के साथ	30 सितम्बर

• ऑनलाइन प्रवेश -

सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। ऑनलाईन प्रक्रिया में शुल्क का भुगतान पेमेंट गेटवे (डेबिड कार्ड/क्रेडिड कार्ड अथवा नेट बैकिंग) के माध्यम से किया जाता है।

प्रथम वर्ष/प्रथम समेस्टर में प्रवेश हेतु विद्यार्थी अपने आवेदन पत्र तथा संलग्नकों को अनिर्वाय रूप से अध्ययन केन्द्र में जाकर सत्यापित कराते हैं। इन विद्यार्थियों को अग्रिम वर्ष में प्रवेश लेते समय अपने अभिलेखों को सत्यापित करवाने की आवश्यकता नही होती और वे सीधे ऑनलाइन प्रवेश प्राप्त करते हैं।

अगर कोई विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पूर्व से ही नामांकित है तथा नये पाठ्यक्रम में ऑनलाइन प्रवेश लेना चाहता है, तो उस विद्यार्थी को अपने फार्म तथा संलग्नकों का सत्यापन अनिवार्य रूप से करवाना होता है।

• नामांकन/ पहचान पत्र

शिक्षार्थी सहायता सेवा का प्रथम चरण छात्र द्वारा विश्वविद्यालय में प्रवेश है। विश्वविद्यालय में प्रवेश के पश्चात् प्रत्येक विद्यार्थी का नामांकन किया जाता है और उसे एक नामांकन संख्या का आवंटन एक ही बार होता है, जिसका उल्लेख अंक तालिका, प्रमाण पत्र एवं उपाधि पत्र में किया जाता है।

विश्वविद्यालय में छात्रों को पहचान पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। छात्र द्वारा पहचान पत्र पर प्रविष्टियाँ अंकन तथा नवीनतम फोटोग्राफ चिपका कर सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र निदेशक से हस्ताक्षरित कराया जाना अनिवार्य होता है। पहचान पत्र शिक्षार्थी के विश्वविद्यालय में छात्र होने का प्रमाण होता है।

• पुनर्प्रवेश एवं पार्श्व प्रविष्टि

यदि कोई विद्यार्थी अपरिहार्य कारणों से पाठ्यक्रम के मध्य में ही अध्ययन छोड़ देता है और बाद में पुनः प्रवेश लेना चाहता है, तो ऐसे विद्यार्थी को इस प्रतिबन्ध के साथ पुनः प्रवेश प्रदान किया जा सकता है कि ऐसे

विद्यार्थी द्वारा उसके सम्बन्धित पाठ्यक्रम में प्रथम प्रवेश की अवधि से निर्धारित अधिकतम अवधि के अन्तर्गत ही पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाना होगा।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पार्श्व प्रविष्टि (Lateral Entry) की भी व्यवस्था की है। पार्श्व प्रविष्टि के आधार पर प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थियों के प्रकरणों में उनके पूर्व संस्थानों के प्राप्तांको को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित प्रतिशतांक में परिवर्तित किया जाता है, जिससे कुल प्रतिशत के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि का निर्धारण किया जा सके।

- **प्रवेश पद्धति -**

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों ही पद्धतियों से प्रवेश लेने की व्यवस्था की गई है। जिन कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश होता है वहाँ राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित आरक्षण के नियम लागू होते हैं, किन्तु जिन कार्यक्रमों में सीधे प्रवेश की व्यवस्था है, वहाँ सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में केवल वे अभ्यर्थी ही प्रवेश के पात्र हैं जो विद्या परिषद द्वारा निर्धारित शैक्षिक अर्हता, आयु सीमा तथा अन्य मापदण्डों को पूरा करते हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र अथवा विश्वविद्यालय से निर्धारित शुक्ल का भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं। अभ्यर्थी का प्रवेश उसी अध्ययन केंद्र में माना जाएगा, जहाँ उसने पूरित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हो अथवा पंजीकरण कराया हो । विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए वही आवेदन पत्र स्वीकार्य हैं, जिनके साथ विद्यार्थी द्वारा स्वप्रमाणित एवं सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र द्वारा सत्यापित अभिलेख/प्रमाण पत्र संलग्न हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु मात्र उन्हीं स्कूल बोर्डों/ विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र एवं उपाधियाँ मान्य है जिन उपाधियों को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी ऐजुकेशन/विद्यालयी शिक्षा परिषद उत्तराखण्ड/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समकक्षता/ मान्यता प्रदान की गयी हो।

- **पाठ्यसामग्री (Learning Meterial)**

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली में मुद्रित अध्ययन सामग्री का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री छात्रों की रूचि, उनके मानसिक स्तर तथा ज्ञान के उच्चस्तरीय क्रियारूपों की सापेक्षता में निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रवेश एवं नामाकंन के पश्चात् अध्ययन सामग्री छात्रों को दे दी जाती है। अध्ययन सामग्री का वितरण विश्वविद्यालय के मुख्यालय से भी होता है तथा क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्र से भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केंद्र हल्द्वानी, रानीखेत, बागेश्वर, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी, रूड़की एवं देहरादून में स्थित हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों का संचालन इसके अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से होता है। विद्यार्थी का नामांकन किसी अध्ययन केन्द्र पर होता है, और इस तरह वह क्षेत्रीय केंद्र तथा विश्वविद्यालय का एक भाग बनता है। विश्वविद्यालय छात्रों के लिए अध्ययन सामग्री क्षेत्रीय केंद्रो तथा अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराता है। इस प्रकार विश्वविद्यालय छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त लचीलेपन की पद्धति का अनुसरण करता है।

- **परामर्श (Counselling)**

मुक्त विश्वविद्यालय की भिन्न शिक्षण-पद्धति के कारण परामर्श प्रक्रिया इसकी मुख्य आकादमिक गतिविधि है। परामर्श कक्षा-शिक्षण का विकल्प नहीं है, अपितु कक्षा-शिक्षण के आगे की प्रक्रिया है। मुक्त अध्ययन पद्धति यह स्वीकार करती है कि छात्र ने स्व-अध्ययन सामग्री का अध्ययन कर विषय को समझ लिया है

तथा विषय की समझ को उसके अंतिम रूप, क्रियात्मकता तक अब 'परामर्श सत्रों' का आयोजन कर लाया जाता है। परामर्श सत्र मुख्यत: अध्यापक और छात्र के मध्य क्रियात्मक-संवाद है। यानी किसी विषय की सैद्धान्तिक अवधारणा की समझ के पश्चात् उस विषय के क्रियात्मक रूपों के अनुशासन का नाम ही परामर्श सत्र या परामर्श कक्षायें हैं। परामर्श सत्र सैद्धान्तिक अधिगम की व्यावहारिक उपस्थापना है।

परामर्श सत्र का छायाचित्र

परामर्श कक्षाओं का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्यालय, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्रों पर किया जाता है। क्षेत्रीय केंद्रो एवं अध्ययन केन्द्रों पर शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्र का आयोजन किया जाता है, जब कि विश्वविद्यालय अपने मुख्यालय पर प्रतिदिन छात्रों के लिए परामर्श कक्षायें चलाता है। शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्रों के आयोजन के पीछे मुख्य ध्येय यह है कि अवकाश के दिनों में व्यवसायरत, कार्यरत एवं गृहणियाँ भी इस सत्र का लाभ उठा सकती हैं। समय-समय पर आयोजित परामर्श–सत्रों की सूचना उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बेवसाइट, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्रो कार्यालय के सूचना पट्ट एवं समन्वयकों तथा समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाती है। इस प्रकार परामर्श सत्र का आयोजन उन लोगों के लिए भी लाभप्रद है, जो अपनी व्यावसायिक एवं घरेलू व्यस्तता के कारण स्व-अध्ययन सामग्री के माध्यम से विषय का समुचित ज्ञान नहीं प्राप्त कर पाते हैं।

❖ मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार (Evaluation Process and Improvement)

- **परीक्षा (Exam)**

परीक्षा विद्यार्थी के स्व-अर्जित ज्ञान का मूल्यांकन चरण है। किसी छात्र ने अपने विषय को किस रूप में ग्रहण किया है तथा उसकी अभिव्यक्ति कैसी है, इस तथ्य का परीक्षा के माध्यम से ही मूल्यांकन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा को पारदर्शी ढंग से निष्पादित करने की व्यवस्था की है।

पात्रता एवं अनिवार्यता

प्रत्येक विद्यार्थी जिसने विश्वविद्यालय में विधिवत् प्रवेश लिया हो, विश्वविद्यालय में नामांकन कराया हो, पंजीकृत हो तथा जिसने सत्रीय कार्य पूर्ण कर जमा कर दिया हो और विश्वविद्यालय का शिक्षण शुल्क तथा परीक्षा शुल्क जमा किया हो, वह परीक्षा में सम्मिलित होने का पात्र होगा। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उन समस्त विषयों की परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा जो उस पाठ्यक्रम के लिए वर्ष विशेष में उसके द्वारा चयनित किये गये हों। यदि कोई छात्र किसी परीक्षा अथवा किसी विषय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है, तो उसे उस विषय की परीक्षा अथवा सम्पूर्ण परीक्षा (यथा स्थिति) में अनुपस्थित माना जाएगा। यदि छात्र पूरी परीक्षा में अनुपस्थित रहता है तो उसे सम्बन्धित कक्षा के लिए पुन: पंजीकरण नहीं करवाना होगा और न ही प्रवेश सम्बन्धी शुल्क का भुगतान करना होगा। छात्र को केवल उस वर्ष के लिए रूपये – 200 /- प्रति प्रश्न पत्र बैक परीक्षा शुल्क के साथ बैंक फॉर्म भर के परीक्षा हेतु आवेदन करना होगा, साथ ही वह अगले वर्ष की परीक्षा हेतु आवेदन कर सकता है। परीक्षार्थी के पास विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रवेश पत्र जिसमें छात्र की फोटो लगी हो, अवश्य होनी चाहिए। परीक्षार्थी के पास अपना पहचान-पत्र (वोटर आई.डी., लाइसेंस, पैन कार्ड आदि) होना चाहिए।

• 2018-19 में विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंकों का निर्धारण

(क) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हों-

1. सत्रीय कार्य- 20% अंक
2. लिखित परीक्षा- 80% अंक

(ख) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य होते हैं-

1. सत्रीय कार्य 30% अंक
2. प्रयोगात्मक कार्य 15% अंक
3. लिखित परीक्षा 55% अंक

(ग) पूर्णरूपेण मौखिक परीक्षा अथवा परियोजना कार्य 100 अंक अथवा सम्बन्धित विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था।

(घ) जिन पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक प्रशिक्षण होगा उनमें सन्तोषजनक अथवा असन्तोषजनक के रूप में मूल्यांकन कार्य किया जाएगा।

• सत्रीय कार्य –

सत्रीय कार्य परीक्षा-मूल्यांकन का ही प्राथमिक चरण है। सत्रीय कार्य की परिकल्पना यह है कि इस मूल्यांकन के कारण छात्र की चिन्तन शक्ति का विकास हो तथा उसके स्व-अध्ययन सामग्री का प्रायोगिक, व्यावहारिक रूप सामने आ सके। अर्थात् छात्र द्वारा सीखे गये विषय का स्वरूप स्पष्ट हो सकें। सत्रीय कार्य छात्रों की मूल्यांकन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए यह अनिवार्य है कि छात्र निर्धारित शुल्क सीमा एवं निर्धारित समयावधि के भीतर ही इसे अध्ययन केंद्र में जमा कर दें। यदि कोई छात्र अन्तिम तिथि के उपरान्त सत्रीय कार्य जमा करता है तो उसे रू. 100 प्रति सत्रीय कार्य की दर से जमा करना होगा।

• अंक निर्धारण –

विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंको का निर्धारण अलग-अलग हैं। जैसे उन विषयों में, जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हो, उनमें सत्रीय कार्य के लिए 20 अंक तथा लिखित परीक्षा के लिए 80 अंक रखे गये हैं। किन्तु जिन विषयों में

प्रयोगात्मक कार्य होते हैं, उनमें सत्रीय कार्य 40 अंको का प्रयोगात्मक कार्य 15 अंकों का तथा लिखित परीक्षा 45 अंकों के मध्य विभाजित होती है। यह प्रणाली पूर्णरूपेण विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार सुनिश्चित की जाती है।

• परीक्षा में उत्तीर्ण होने के मापदण्ड -

प्रत्येक वर्ष में पंजीकृत छात्र द्वारा उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक विषय में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक (सत्रीय कार्य, प्रयोगात्मक परीक्षा, मौखिक परीक्षा, परियोजना कार्य एवं लिखित परीक्षा में पृथक-पृथक) प्राप्त करना आवश्यक है। यदि कोई छात्र किसी विषय में उपर्युक्त विधि से निर्धारित अंक नहीं प्राप्त करता है तो उसे उस विषय में अनुत्तीर्ण माना जाएगा। अनुत्तीर्ण छात्र को उस विषय में उत्तीर्ण होने के लिए पुन: परीक्षा देनी होगी। परन्तु किसी विषय में अनुत्तीर्ण छात्र उस पाठ्यक्रम की परीक्षा अगले वर्ष की परीक्षा के साथ दे सकता है।

• परीक्षा केन्द्र परिवर्तन, शुल्क भुगतान एवं सुधार परीक्षा

छात्र हित को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की सुविधा प्रदान की है। किसी भी अभ्यर्थी को आवंटित परीक्षा केन्द्र में परिर्वतन हेतु निर्धारित शुल्क रू0 500/- का भुगतान करना होगा। किसी भी प्रकार का प्रवेश अथवा परीक्षा शुल्क नकद रूप में मान्य नहीं है। सभी प्रकार के शुल्क का भुगतान बैंक चालान के माध्यम से अथवा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियम के अनुसार करना अनिवार्य होगा।

उत्तीर्ण होने के पश्चात् यदि कोई विद्यार्थी स्नातक अथवा स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा मे प्राप्त अंको में सुधार करने की इच्छा रखता है तो वहाँ रू0 200/- प्रति प्रश्न पत्र की दर से शुल्क का भुगतान कर सुधार परीक्षा दे सकता है। यह सुविधा विद्यार्थी को अपने चयनित पाठ्यक्रम के अधिक से अधिक सभी विषयों की आधी संख्या के बराबर विषयों में ही उपलब्ध होगी, किन्तु जो भी विषय चयनित किए जायेंगे उनके सभी प्रश्न पत्रों की परीक्षा देनी होगी। स्नातकोत्तर /डिप्लोमा/प्रमाण पत्र कार्यक्रमों में भी सुधार परीक्षा अधिकतम कुल प्रश्न पत्रों की आधी संख्या के लिए अनुमन्य होगी। यथा 5 या 6 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 3 प्रश्न पत्र, 3 या 4 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 2 प्रश्न पत्र। कोई भी परीक्षार्थी जिन विषयों में अनुत्तीर्ण हो, उन विषयों में वह सुधार परीक्षा दे सकता है । सुधार परीक्षा हेतु प्रति प्रश्न–पत्र रू. 200/- की दर से शुल्क का भुगतान करना होगा। सुधार परीक्षा में निर्धारित प्राप्तांक प्राप्त करने पर विद्यार्थी को उस वर्ष के लिए उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा।

• श्रेणी –

परीक्षा परिणाम की निम्न तीन उत्तीर्ण श्रेणियाँ होंगी :

A) स्नातक स्तर (Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक	First Division	60% or more
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 45 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 45%
तृतीय श्रेणी	45 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 45% and upto 35%

B) परास्नातक स्तर (Post Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक	First Division	60% or more
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 48 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 48%
तृतीय श्रेणी	48 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 48% and upto 35%

- **बैक पेपर की सुविधा (Back Paper Facility)**

विद्यार्थी यदि अपने चयनित पाठ्यक्रम में अनुत्तीर्ण होता है तो रू. 200 /- प्रति प्रश्न की दर से शुल्क का भुगतान कर पुन: परीक्षा दे सकता है। विद्यार्थी को यह सुविधा उन सभी विषयों में देय होगी जिनमें वह अनुत्तीर्ण है। यह सुविधा पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु निर्धारित अधिकतम समय सीमा तक देय होगी। बैक पेपर व सुधार परीक्षाएँ मुख्य परीक्षा के साथ ही आयोजित की जाती हैं।

❖ चतुर्थ दीक्षान्त समारोह (Fourth Convocation Ceremony)

दिनांक 27 नवम्बर 2018 को विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल द्वारा दीक्षान्त भाषण दिया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. धन सिंह रावत, उच्च शिक्षा मन्त्री उपस्थित रहे। समारोह में वर्ष 2016-17 के पीएच.डी, स्नातक, परास्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा के 2,256 उत्तीर्ण विद्यार्थियों को माननीय कुलाधिपति महोदया डॉ. बेबी रानी मौर्य द्वारा उपाधि प्रदान की गयी।

चतुर्थ दीक्षान्त समारोह का छायाचित्र

दीक्षान्त समारोह के पूर्व दिवस पर विश्वविद्यालय में कार्य परिषद एवं विद्या परिषद की बैठकें भी सम्पन्न हुई, इसमें दीक्षान्त समारोह में वितरित की जाने वाली उपाधियों, डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्रों को परिषदों ने अनुमोदित किया। कुलपति प्रोफेसर डी.के. नौड़ियाल के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर में दीक्षान्त समारोह का पूर्वाभ्यास किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के निदेशक, कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य उपस्थिति रहें।

पीएच.डी की उपाधि प्राप्त करने वाले शोधार्थियों की सूची –

क्रम संख्या	विद्यार्थी का नाम	विभाग का नाम
1.	रितु नौटियाल	शिक्षक शिक्षा विभाग
2.	ममता कुमारी	,,
3.	विपिन चन्द्र	पत्रकारिता
4.	आरती भट्ट	,,
5.	शिव प्रसाद जोशी	,,
6.	दिनेश चन्द्र कर्नाटक	हिन्दी
7.	दीपक चन्द्र	समाजशास्त्र

❖ प्रशिक्षण और प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ (Training and Placement Cell)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अपने छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि हेतु एक प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ का निर्माण किया गया है। इस प्रकोष्ठ में छात्रों का विस्तृत डाटाबेस रखा गया है। प्रकोष्ठ नौकरियों की रिक्तियों की सूचना के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनो के एच.आर. हेड्स के सम्पर्क में रहता है।

इस दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा 'प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ' नामक एक पोर्टल निर्मित किया गया है, जिसके माध्यम से छात्रों को उनके कैरियर सम्बन्धित विभिन्न जानकारी प्रदान की जाती है। छात्र इस पोर्टल से जुड़कर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के बारे में जानकारी ले सकते है। इस प्रकोष्ठ को पुरा छात्र प्रकोष्ठ से भी जोड़ा गया है। विश्वविद्यालय के प्रबन्ध विषय में 150 से अधिक शिक्षार्थी जिन्होंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है वो विभिन्न क्षेत्रों में (यथा – प्रशासनिक, बैंकिग, अध्यापन, निजी क्षेत्र, वित्तीय क्षेत्र आदि) कार्यरत हैं, जो विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी प्रकार पर्यटन, होटल प्रबन्ध, कला, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर तथा विज्ञान आदि विषयों के शिक्षार्थी भी विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पाकर अपनी- अपनी सेवायें दे रहे हैं। भविष्य में प्रकोष्ठ द्वारा जॉब फेयर आयोजित करने की योजना है।

❖ विश्वविद्यालय की संदृष्टि (Vision of University):

"ज्ञान के इस युग में उच्च-शिक्षा को विकास का सशक्त माध्यम बनाने के लिए ज्ञान का सृजन कर उत्तरा -खण्ड के लोगों, विशेषकर युवाओं तथा शिक्षा से वंचित एवं रोजगार में संलग्न व्यक्तियों को मूल्य-आधारित गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के सुविधाजनक एवं सर्वसुलभ अवसर उपलब्ध कराते हुए उन्हें जीवन पर्यन्त अध्ययन के लिए प्रेरित करना तथा स्व-रोजगार, रोजगार एवं अन्य कौशलों में दक्ष बनाना जिससे कि वे प्रदेश, देश व सम्पूर्ण मानवता की उपयुक्त सेवा कर सकें।

❖ विश्वविद्यालयीय सहभागी स्वरूप एवं विकेन्द्रीकरण (Participative Decision Process and Decentralization)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय सहभागी स्वरूप की पद्धति पर कार्य करता है। किसी भी पाठ्यक्रम या योजना को वह विभिन्न स्रोतों के माध्यम से लागू करता है। प्राध्यापक अपने निदेशक से तथा निदेशक कुलपति के माध्यम से किसी निर्णय का निस्तारण करते हैं। इस प्रकार कार्यों में केन्द्रीयता और विकेन्द्रीयता दोनों रहती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभाग विकेन्द्रीकृत हैं। जैसे प्रादेशिक सेवाएँ, प्रवेश अनुभाग, शोध एवं नवाचार, अकादमिक अनुभाग, पुस्तक वितरण अनुभाग, आईसीटी अनुभाग ये सभी मिलकर सहभागी रूप में कार्य करते हैं। इन विभागों के स्वतन्त्र रूप से प्रभारी हैं और वे इसका संयोजन करते हैं। इसी प्रकार दीक्षान्त समारोह या अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों में परस्पर सहभागी रूप में विश्वविद्यालय के सदस्य कार्य करते हैं। प्रशासन के स्तर पर विकेन्द्रीकरण का उदाहरण है – कुलपति के कार्यों का विभिन्न अकादमिक व्यक्तियों में वितरण। इस समय ओएसडी सामान्य, ओएसडी क्रय एवं मुद्रण, ओएसडी अनुरक्षण तथा ओएसडी पुस्तकालय के रूप में प्रशासन का विकेन्द्रीकरण हुआ है। विश्वविद्यालय की नीति लोकतान्त्रिक है।

❖ भविष्य की योजनायें (Perspective plans)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्विद्यालय में भविष्य की योजनाओं के अन्तर्गत प्राथमिकता के आधार पर सर्वप्रथम इस विश्वविद्यालय को 12 (बी) तथा राष्ट्रिय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा ग्रेड प्राप्त कराया जाना है, जिससे यह मुख्य धारा में सीधे रूप से जुड़ सकें और इसका सर्वतोमुखी विकास हो सके। इसके साथ-साथ विश्वविद्यालयीय परिसर का भी विस्तार कराया जाना, अकादमिक एवं गैर अकादमिक कार्मिकों की नियुक्तियाँ, जन-जन तक शिक्षा को पहुँचाने हेतु कार्य करना, इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना आदि ये समस्त कार्य भविष्य की भावी योजनाओं में निहित है।

❖ छात्र शिकायत एवं निवारण पोर्टल (Students' Greivances and Solution Portal)-

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र से तकनीकी माध्यम का उपयोग करते हुए छात्र हित में एक **'सपोर्ट टिकट पोर्टल'** का निर्माण किया गया है। इसके माध्यम से कोई भी छात्र अपनी समस्या को ऑनलाइन प्रेषित कर सकता है। छात्र द्वारा जब ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जाती है, उसी समय उसे एक टिकट नम्बर भी प्राप्त हो जाता है। उस नम्बर के आधार पर वह अपनी शिकायत का निवारण कभी भी कर सकता है।

समस्या के निवारण सम्बन्धित विभाग द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय में यह सुविधा आइसीटी अनुभाग द्वारा निर्मित की गई है।

❖ सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों का प्रबन्ध एवं संचालन (Management and monitoring of affiliated centres (Regional and study centres)

विश्वविद्यालय में सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों का संचालन आरएसडी अनुभाग द्वारा किया जाता है।

- पूर्व में स्थापित 18 अध्ययन केन्द्रों को उनके कार्यकाल पूर्ण होने के उपरान्त उन्हें नवीनीकरण की प्रक्रिया के दौरान असंतोषजनक प्रदर्शन के कारण बन्द कर दिया गया।
- वर्तमान में 88 अध्ययन केन्द्र संचालित हैं। (परिशिष्ट XIV का अवलोकन करें)
- अध्ययन केन्द्रों को शैक्षिक सत्र 2018-19 ग्रीष्म के शुल्क अंश की प्रथम एवं द्वितीय किश्तों का भुगतान विश्वविद्यालय द्वारा किया जा चुका है।
- निदेशालय के समस्त दैनिक कार्यों का सम्पादन यथा माँग के आधार पर विद्यार्थियों के प्रवेश व अध्ययन केन्द्र परिवर्तन, प्राप्त डाक का निस्तारण कार्य, अध्ययन केन्द्रों/ पाठ्यक्रमों को ऑन लाइन अपडेट करना, आवश्यकतानुसार अन्य विभागों द्वारा सौंपे गये कार्यों का सम्पादन करना, क्षेत्रीय केन्द्रों, अध्ययन केन्द्रों व विद्यार्थियों से सम्पर्क करना आदि।

❖ अकादमिक संपरीक्षा (Academic Audit)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल के अकादमिक संपरीक्षा की प्रक्रिया समय- समय पर सम्पन्न होती रही है। विश्वविद्यालय का अकादमिक निदेशालय इस कार्य को तत्परतापूर्वक करता रहा है। अकादमिक संपरीक्षा के अन्तर्गत सत्र 2018-19 के बीच हुए प्रमुख कार्यों का मूल्यांकन विवेचन है। इस बीच विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम की गुणवत्ता की जाँच, नए पाठ्यक्रम के प्रारम्भ की आवश्यकता एवं उनके महत्व निर्धारण, संगोष्ठी कार्यशालाओं में भागीदारी –आयोजन का मूल्यांकन करना तथा शिक्षकों के अकादमिक उन्नयन की गतिविधियों की जाँच का कार्य किया गया। विश्वविद्यालय में शीघ्र ही आईक्यूएसी (आंतिरक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ) का गठन किया जायेगा, जिससे अकादमिक संपरीक्षा और व्यवस्थित रूप में सम्पन्न हो सके। सम्प्रति विश्वविद्यालय के निदेशक, अकादमिक, प्रोफेसर आर.सी.मिश्रा के निर्देशन में अकादमिक संपरीक्षा का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

❖ विश्वविद्यालय सहायता प्रणाली (University Support System)

विश्वविद्यालय का अपना एक शिक्षार्थी Support system है, जिसके द्वारा शिक्षार्थी अपनी समस्या विश्वविद्यालय से सम्बन्धित व्यक्ति तक पहुँचा सकता है। यह एक ऑनलाइन प्रक्रिया है। शिक्षार्थी सपोर्ट सिस्टम का उद्देश्य है - विश्वविद्यालय से जुड़े छात्रों या जुड़ने वाले छात्रों की समस्या का समाधान तकनीकी माध्यम से करना। अत: युगानुरूप शिक्षार्थियों के समस्या समाधानार्थ यह एक सुलभ साधन है ।इसके अतिरिक्त शिक्षार्थी

प्रवेश या परीक्षा से सम्बन्धित कोई भी समस्या सीधे दूरभाष द्वारा बता सकता है साथ ही उसका समाधान भी प्राप्त कर सकते है।

❖ विश्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन (Financial Management of University)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में बजटीय नियन्त्रण प्रणाली का पालन किया जाता है जिसके द्वारा विश्वविद्यालय का बजट तैयार किया जाता है। विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट आगामी वर्ष के पहले ही तैयार कर लिया जाता है।

विश्वविद्यालय को शुल्क राशि (Fee-Fund) से आय प्राप्त होती है तथा राज्य सरकार द्वारा राज्य-अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। जहाँ तक वित्तीय संसाधनों का सम्बन्ध है, विश्वविद्यालय सभी अनुदान/ निधि का कुशलता से उपयोग करता है।

लेखा के ऑडिट के लिये माननीय कुलपति महोदय द्वारा एक चॉर्टड एकाउन्टेन्ट को बाहरी ऑडिटर के रूप में नियुक्त किया जाता है। यह चार्टड एकाउन्टेन्ट प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में लेखा की ऑडिट रिपोर्ट तैयार करता है। (देखें ... परिशिष्ट II)

❖ अध्ययन परिषद/ विशेषज्ञ समिति की बैठक के महत्वपूर्ण बिन्दु

क्रम संख्या	विभाग	तिथि	अध्ययन परिषद/ विशेषज्ञ समिति
1.	गृह विज्ञान	21 अप्रैल 2018	आहार एवं पोषण में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम आरम्भ करने तथा जन स्वास्थ्य एवं सामुदायिक पोषण में डिप्लोमा उपाधि में परियोजना कार्य प्रारम्भ किए जाने हेतु संस्तुति दी गयी।
2.	कम्प्यूटर साइंस	14 सितम्बर 2018	एमएससी साइबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रम में संशोधन की संस्तुति दी गयी।
3.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	25 जनवरी 2019	PG डिप्लोमा में लघु शोध प्रबन्ध की जगह एक मास की इंटर्नशिप पर विचार तथा एम.ए. पाठ्यक्रमों के चौथे सेमेस्टर में लघु शोध प्रबन्ध के विस्तार किये जाने की संस्तुति दी गयी।

डिजिटल प्रथायें (DEGITAL PRACTICES)

छात्रहित में विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। इस पोर्टल का उद्देश्य पाठ्यसामग्री को विश्वविद्यालय की वेबसाइट E-Learning.uou.ac.in पर अपलोड करना है। इसका मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को सही समय पर पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराना हैं, जिनकी पाठ्यसामग्री कई कारणों से विलम्ब से प्राप्त होती है। इस पोर्टल के माध्यम से अध्ययन सामग्री अपलोड कर दी गयी है, जिससे छात्र प्रवेश के साथ ही अध्ययन सामग्री का पाठ कर सके। यह पोर्टल छात्रों को अध्ययन सामग्री तत्काल उपलब्ध कराता है। इसमें अभी 22 पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। इस पोर्टल को विगत तीन महीनों में लगभग 11,000 छात्रों ने देखा है। जो विद्यार्थी उक्त पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड कर इ- बुक्स का उपयोग करेगा तथा पुस्तक की माँग नहीं करेगा, उसे शुल्क में 15 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वर्तमान में यह सुविधा साइबर सिक्योरिटी, एम.जी.आई.एस तथा योग के कोर्स में उपलब्ध हैं।

माननीय वित्त मंत्री द्वारा योग के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

योग विभाग द्वारा अप्रैल माह में योग विषय की 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के समापन सत्र में दिनांक 12 अप्रेल को मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड सरकार के कैबिनेट व संसदीय कार्य मंत्री, वित्त मंत्री, मनोरंजन कर, आबकारी, पेयजल व स्वछता मंत्री श्री प्रकाश पन्त जी ने प्रतिभाग किया तथा अपने आशीर्वचन विद्यार्थियों को दिये। श्री प्रकाश पंत जी ने योग की विभिन्न पक्षो जिसमें ज्ञान योग, भक्ति योग, कर्म योग तथा हठयोग पर प्रकाश डाला तथा योग के दार्शनिक तथा वैज्ञानिक पक्षों से कार्यशाला में आये प्रतिभागियो को अवगत कराया।

माननीय वित्त मंत्री, उत्तराखण्ड श्री प्रकाश पंत जी योग कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए।

कार्यशाला के दौरान कुमाऊँ मण्डल विकास निगम, पिथौरागढ़ के प्रबन्धक श्री दिनेश गुरूरानी के आग्रह पर सामुहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम तथा शहीद स्मारक में एक दिया शहीदों के नाम कार्यक्रम किया तथा सैकडों की संख्या में विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय के प्रशिक्षकों ने प्रतिभाग किया तथा साथ सभी प्रतिभागियो को हिमालय बचाओ की शपथ दिलाई गयी। इस कार्यक्रम उपरान्त

सामुहिक स्वस्छता का कार्यक्रम भी किया गया।

माननीय वित्त मंत्री, उत्तराखण्ड श्री प्रकाश पंत जी योग विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए।

योग विभाग द्वारा अप्रैल माह में योग विषय की 10 दिवसीय कार्यशालायें एवं प्रयोगात्मक परीक्षा निम्नानुसार सम्पन्न की गयी।

क्रम संख्या	विषय	कार्यशाला का स्थान	दिनांक	कुल विद्यार्थी
1	एम0ए0 योग प्रथम वर्ष	केयर कम्प्यूटर, पिथौरागढ़ सभागार-1	03 अप्रैल 2018 से 12 अप्रैल 2018 प्रयोगात्मक परीक्षा 13 अप्रैल 2018	76
2 +	एम0ए0 योग द्वितीय वर्ष	केयर कम्प्यूटर, पिथौरागढ़। सभागार-2	03 अप्रैल 2018 से 12 अप्रैल 2018 प्रयोगात्मक परीक्षा 13 अप्रैल 2018	55

उपर्युक्त कार्यशालाओं में 10 दिन तक प्रतिदिन विविध प्रयोगात्मक एवं तकनीकी सत्रों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुवा। प्रयोगात्मक सत्रों में विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक श्री ललित मोहन के नेतृत्व तथा कार्यक्रम संयोजक डा0 भानु जोशी के निर्देशन में प्रात:काल कुल 06 महिला एवं पुरूष योग प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन योगिक षटकर्म, सूक्ष्म व्यायाम , आसन, प्राणायाम ,मुद्रा, बन्धों तथा ध्यान का अभ्यास शिक्षार्थियों को कराया गया ।सायंकाल प्रयोगात्मक परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को कठिन आसन भी करायें गये । प्रतिदिन 2 तकनीकी सत्र विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए रखे गये जिसमे योग के विविध सैद्धान्तिक पक्षों की जानकारी अलग-अलग विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई। तकनीकी सत्रों में डा० अमृत लाल गुरूर्वेद्र, एसो0 प्रोफेसर देवसंस्कृति विश्वविद्यालय ,हरिद्वार, डा० कंचन जोशी योग विभाग खटीमा डिग्री

कालेज , श्रीमती ममता पंत योग विभाग राज0 एम0 बी0 पी0 जी0 कालेज, हल्द्वानी, डा0 विपिन चन्द्र जोशी असि0 प्रोफेसर राजकीय डिग्री कालेज पिथौरागढ़ , डा0 मन्जु बोरा, राजकीय डिग्री कालेज बागेश्वर, डा० नबीन चन्द्र भटट् एस0 एस0 जे0 परिसर अल्मोडा तथा कार्यक्रम संयोजक योग विभाग डा0 भानु प्रकाश जोशी जी ने समय–समय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम संयोजक तथा विभागाध्यक्ष डा० भानु प्रकाश जोशी जी ने विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे कार्य तथा योग विभाग की कार्यशालाओं की गतिविधि तथा कार्यशाला की एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में राजकीय डिग्री कालेज के प्रधानाचार्य डा० डी०एस० पांगती, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह रावत जी तथा रिटा० ब्यूरो चीफ अमर उजाला श्री उप्रेती जी, कुमॉऊ मण्डन विकास निगम, पिथौरागढ़ के प्रबन्धक श्री दिनेश गुरूरानी जी ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय निदेशक पिथौरागढ़ डा0 विपिन चन्द्र जोशी ने किया।

विश्वविद्यालय द्वारा निजी एवं पब्लिक स्कूलों के विद्यार्थियों हेतु निशुल्क साईबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रम

Welham Girls School, Dehradun की प्रिंसिपल Mrs. Padmini Sambasivam के अनुरोध पर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी द्वारा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 24 अप्रैल 2018 को Digital Educational Resources and Cyber Awareness विषय पर ऑनलाइन कोर्स संचालित किया।

कोर्स में 80 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस कोर्स को MOODLE प्लेटफार्म पर विकसित किया गया है। किसी भी कोर्स के दौरान किसी भी शंका के समाधान हेतु विद्यार्थी discussion forum एवं chat के सुविधा का उपयोग करके subject matter expert से अपनी शंकाओं का समाधान पा सकता है।

दिव्यांग बच्चों का व्यक्तिगत विकास

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के विशिष्ट शिक्षा विभाग द्वारा 2 अप्रैल 2018 को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन हल्द्वानी क्षेत्र में दिव्यांग बच्चों के माता-पिता द्वारा संचालित संस्थान रोशनी सोसाइटी के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर, हल्द्वानी में किया गया| विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों से सम्बंधित भ्रांतियों का निराकरण एवं अभिभावकों को ऑटिज्म के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. नागेश्वर राव द्वारा रोशनी सोसाइटी में अध्ययनरत ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों द्वारा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में आये अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत विशिष्ट शिक्षा विभाग की सदस्या डॉ कल्पना पाटनी लखेड़ा द्वारा किया गया| मुख्य वक्ता एवं ऑटिज्म एक्सपर्ट श्रीमती विनीता वर्मा ने ऑटिज्म के कारण व इसके प्रकार और निराकरण के विषय में बताया|उन्होंने बताया संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा द्वारा 2 अप्रैल को विश्व आत्मकेंद्रित (ऑटिज्म) जागरूकता दिवस का दिवस निश्चित किया गया है। इस दिवस के दिन नीले रंग को इसके प्रतीक के रूप में मान्यता प्रदान की गयी।

विश्वऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर ऑटिस्टिक (दिव्यांग) विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति

विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. नागेश्वर राव द्वारा अपने उद्बोधन में ऑटिज्म के प्रति अभिभावकों को और जागरूक होने की आवश्यकता पर बल दिया| अभिभावकों के प्रशिक्षण हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुमति प्राप्त होने पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय नवीन सत्र से बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) के पाठ्यक्रम के सञ्चालन की बात कही| साथ ही बच्चों द्वारा दी गयी प्रस्तुतियों की सराहना की गयी| कुलसचिव प्रो. आर.सी.मिश्र ने बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए इस प्रकार के दिवस की जानकारी सबको मिले इसके लिए बड़े स्तर पर इस दिवस को मनाने पर बल दिया| शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एच.पी. शुक्ल द्वारा अपने उद्बोधन में ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की देख रेख एवं शिक्षा को लेकर समाज में और जागरूकता लाने पर बल दिया| अभिभावकों गोविन्द मेहरा एवं ललित शाह द्वारा ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों के पालन पोषण एवं उनकी शिक्षा के सम्बन्ध में आने वाली समस्याओं एवं उनके निराकरण के सम्बन्ध में सुझाव दिए|

नवीन सत्र प्रारंभ होने एवं प्रवेशोत्सव के उपलक्ष्य पर नए स्कूल बैग एवं पुस्तके वितरित करते कुलपति

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. नागेश्वर राव, कुलसचिव प्रो. आर.सी.मिश्र एवं निदेशक प्रो. एच.पी. शुक्ल द्वारा रोशनी सोसाइटी के बच्चों को उनके विद्यालय का नवीन सत्र प्रारंभ होने एवं प्रवेशोत्सव के उपलक्ष्य पर नए स्कूल बैग एवं पुस्तके वितरित की गयी| कार्यक्रम में ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गयी जिसमे अदित्य एवं आभास द्वारा स्वागत गीत पर नृत्य, ऋचा द्वारा गायन एवं अन्य बच्चों द्वारा समूह गायन की प्रस्तुति दी गयी| श्रीमती आभा गर्खाल द्वारा माँ एवं पुत्र के स्नेह के ऊपर एक कविता पाठ किया गया|

अभिभावकों एव विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति

रोशनी सोसाइटी की चेयरमेन श्रीमती शिवानी पाल द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा किये गए प्रयासों का आभार प्रकट किया गया| कार्यक्रम का सञ्चालन विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा किया गया| कार्यक्रम में कैलाश जोशी, डॉ राजेन्द्र कैडा, योगेश गुरुरानी, पंकज, राजेश आर्य, पूजा जुयाल, सुनीता भट्ट समेत ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे एवं उनके अभिभावक सहित विश्वविद्यालय के सदस्य उपस्थित रहे|

उच्च शिक्षा का पर्वतीय क्षेत्रों में प्रसार

विश्वविद्यालय द्वारा 'दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ' के अन्तर्गत राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों पौड़ी, उत्तरकाशी, रानीखेत, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर तथा विभिन्न दुर्गम स्थानों पर प्रचार-प्रसार किया गया तथा छात्रों को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। कुमाँऊ तथा गढ़वाल क्षेत्र के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा की जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसके फलस्वरूप शीतकालीन सत्र 2018-18 तक विश्वविद्यालय के पहाड़ी क्षेत्र में स्थापित 05 क्षेत्रीय केन्द्रों पौड़ी, उत्तरकाशी, रानीखेत, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर में प्रवेशार्थियों का विवरण निम्नलिखित है-

स्थान	शीतकालीन सत्र 2018-18
पौड़ी	918
उत्तरकाशी	801
पिथौरागढ़	423
रानीखेत	823
बागेश्वर	221
कुल	3,186

इसी क्रम में विश्वविद्यालय की पहुँच राज्य के दुर्गम पवर्तीय क्षेत्रों तक बनाने तथा विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से युवाओं को परिचित किये जाने के उद्देश्य से प्रो0 गिरिजा पाण्डे, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा दिनांक 25–28 अप्रैल, 2018 के मध्य अल्मोड़ा जनपद के धौलादेवी व भैंसियाछाना ब्लॉक (स्थित, तल्ला सेरागढ़), तल्ली नाली, द्योली बगड़, बड़ी, (धूराटाक), बिबड़ी, (सेरागढ़) चिमखोली (कुन्तोला) आरागढ़ (सलपड़) पनार, गंगोलीहाट तहसील के रस्यूना बुरशुम, डिम्टें, तथा पिथौरागढ़ जनपद के विण ब्लॉक के बौतड़ी, उपरतोली, भल्या तथा खड़कू आदि ग्रामों का सर्वेक्षण किया गया।

राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल

विश्वविद्यालय द्वारा उपाधियों की प्रविष्ठि व सत्यापन हेतु राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी(NAD) पोर्टल में Maker व Checker का निर्माण किया जा चुका है। राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल पर कार्य करने से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी हेतु राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) के कार्मिकों के साथ प्रदर्शन व्याख्यान (Demo Lecture) भी किया गया। सभी उपाधियों को डिजिटल हस्ताक्षरित करने के लिए डिजिटल हस्ताक्षर बनाने की प्रक्रिया अन्तिम चरण में है।

समस्त उपाधियों तथा प्रमाणपत्रों को राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल में उपलब्ध किए जाने हेतु सॉफ्ट कॉपी (PDF) मे परिवर्तित कराया जा चुका है, जिसमें कि कुलपति महोदय तथा परीक्षा नियंत्रक के हस्ताक्षर भी सम्मिलित हैं।

पत्रकारिता पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

परिसर देहरादून में 10 अप्रैल 2018 से 12 अप्रैल 2018 तक पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमें बडी संख्या में छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो0 लालबहादुर वर्मा जी ने किया। कार्यशाला को दून विश्वविद्यालय के प्रो0 राजेश कुमार, इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की डॉ0 भूमिका चंदोला तथा भूपेन सिंह ने भी संबोधित किया।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम (प्रवेश परीक्षा)

विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2018 के लिए पीएच.डी. पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा यू.जी.सी नेट 2016 के प्रावधनों के अनुरूप कराये जाने हेतु हिन्दी, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास, समाज कार्य, होटल प्रबन्धन, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वानिकी, वाणिज्य, प्रबन्ध, शिक्षाशास्त्र, अंग्रेजी, संस्कृत, पर्यटन प्रबन्ध, हॉर्टिकल्चर, कम्प्यूटर कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लीकेशन्स, योग, मनोविज्ञान, ज्योतिष । विषयों कीं 87 सीटों के लिए विज्ञापन दिनांक 20/04/2018 को दो राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया है। पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा आवेदन पत्र आनलाईन मांगे गये है। आनलाईन आवेदन पत्र की अन्तिम तिथि 21 मई 2018 है।

विश्वविद्यालय पीएच.डी. पाठ्यक्रम में जमा शोध ग्रन्थों को आनलाईन करने के लिए यू.जी.सी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में इन्फिलबनेट (Infilbnet) के सक्षम अधिकारियों से वार्ता करने के उपरान्त एम.ओ. यू. हस्ताक्षरित किया गया है। शोधार्थियों के शोध ग्रन्थ को शोध गंगा/गंगोत्री पोर्टल में एकाउन्ट बना कर अपलोड किये जायेगा। शोध रूप रेखा और शोध ग्रन्थों को अपलोड किये जाने की प्रक्रिया गतिमान है। जिससे शोध ग्रन्थ सार्वजनिक प्रदर्शन के लिये उपलब्ध रहें।

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की 127 वीं जयन्ती

भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की 127 वीं जयन्ती उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ0 दिनेश कुमार जी के निर्देशन में विश्वविद्यालय में पोस्टर एवं कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रो0 एच0 पी0 शुक्ल व प्रो0 आर0 सी0 मिश्रा द्वारा पुरस्कृत किया गया।

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

इस अवसर पर विचार गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रो0 एच0 पी0 शुक्ल ने कहा कि डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने देश को संविधान प्रदान कर राष्ट्र के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है। कुलसचिव प्रो0 आर0 सी0 मिश्रा ने कहा कि भारतीय इतिहास में उनका योगदान अमर रहेगा। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 दिनेश कुमार जी ने बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जीवनदर्शन, शैक्षिक दर्शन, समाज के

प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते प्रो0 एच पी शुक्ल

पिछड़े वर्गो व नारी उत्थान हेतु किये गये कार्यो के प्रत्येक बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज के सही दिशा निर्देशन के साथ देश की राजनैतिक व्यवस्था व अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक लिखित संविधान प्रदान किया, साथ ही भारतीय रिर्जव बैंक आंफ इंडिया स्थापित करने का श्रेय उन्हीं को प्राप्त हुआ। संविधान के द्वारा हम सभी भारतीय अपने अधिकारों व कर्तव्यों का प्रयोग करते है। उनके द्वारा समाज में फैली अनेक कुरूतियों को कानून द्वारा दूर करने का सफल प्रयास किया गया।

डॉ0 अम्बेडकर जी ने कहा था कि शिक्षा का प्रचार एवं प्रयास किये बिना कोई भी राष्ट्र अपना विकास नही कर सकता है। इस अवसर पर डॉ0 सूर्यभान सिंह, डॉ0 दीपांकुर जोशी ने अपने विचार रखे व संचालन डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया।

Asian Association of Open Universities की वेबसाईट में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का समावेशन

विश्वविद्यालय को गवर्नर्स बेस्ट यूनिवर्सिटी अवार्ड 2017 में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में दूसरे स्थान प्राप्त हुआ है जिसे Asian Association of Open Universities द्वारा अपनी वेबसाईट में प्रकाशित किया गया है।

AAOU की वेबसाईट में प्रकाशित विश्वविद्यालय की उपलब्धि

दूरस्थ शिक्षा में उच्च स्तरीय चिंतन

दिनांक- 10-11 मई, 2018 को माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव जी द्वारा राष्ट्रमंडल शैक्षिक मीडिया केंद्र एशिया (Commonwealth of Learning (COL) and Asia e-University, Malaysia के सहयोग द्वारा आयोजित High Level Roundtable for Vice Chancellors & Heads of ODL Institutions, की बैठक में कुआलालुंपुर, मलेशिया में प्रतिभाग किया गया।

बैठक में विश्व के विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपतियों व दूरस्थ शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों द्वारा अवरोध एवं व्यवधानों के इस युग में नेतृत्व का क्या महत्व है तथा किस तरह एक कुशल नेतृत्व में मुक्त विश्वविद्यालय व दूरस्थ शिक्षा संस्थान अपना संर्वागीण विकास करते हुए अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर सकते है, पर विचार विमर्श किया गया।

Inter Staff Exchange Fellowship के तहत थाईलैंड में मूक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण देने हेतु विश्वविद्यालय के सहायक प्रध्यापक का चयन

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे का चयन Asian Association of Open Universities (AAOU) की प्रतिष्ठित Inter-University Staff Exchange Fellowship हेतु Sukhothai Thammathirat Open University, Bangpood, Pakkret, Nonthabur, Thailand विश्वविद्यालय में हुआ है| इस फेलोशिप के अंतर्गत डॉ जीतेंद्र पाण्डे कुछ समय Sukhothai Thammathirat Open University में रहकर A comparative study of OER practices at Uttarakhand Open University(UOU), India & Sukhothai Thammathirat Open University(STOU), Thailand विषय में शोध करेंगे|

कैरियर परामर्श संगोष्ठी

दिनांक 26 मई, 2018 को नामांकित शिक्षार्थियों हेतु उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा मुख्यालय में एक कैरियर परामर्श संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कैरियर परामर्श संगोष्ठी के विशेषज्ञ आईआईएम, इंदौर से प्रोफेसर पवन कुमार सिंह थे। संगोष्ठी के अध्यक्ष प्रोफेसर आर सी मिश्र थे। कैरियर परामर्श संगोष्ठी CEMCA के सहयोग से आयोजित की गयी।

विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते प्रो0 पवन कुमार सिंह

विशेषज्ञ द्वारा शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन किया गया अवगत कराया कि आत्मविश्वास के साथ ज्ञान, कौशल और क्षमताएँ, सफलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अपने संबंधित पाठ्यक्रम का गहन अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने साक्षात्कार और आगे की शिक्षा के संबंध में छात्रों के संदेह को भी दूर कर दिया।

संगोष्ठी में प्रतिभाग करते शिक्षार्थी

संगोष्ठी में शिक्षार्थियों को उनके लिए उपलब्ध कैरियर विकल्पों से अवगत हुए। विशेषज्ञ ने सभी प्रतिभागियों को उनसे सम्बन्धित क्षेत्रों में उपलब्ध सफल कैरियर तथा कैरियर विकल्पों

के निर्माण के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। इस संगोष्ठी में, शिक्षार्थियों को उनके प्रश्नों से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में पता चला जो कि निम्नवत: हैं;

1. प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में कैसे सफल होना है,
2. किसी विशेष क्षेत्र में नौकरी के अवसर क्या हैं,
3. रोजगार के अवसर हेतु उचित जानकारी प्राप्त करने के लिए सुझाव दिये गये, और
4. रोजगार के लिए आवेदन कैसे करें आदि

संगोष्ठी का समापन छात्रों का विशेषज्ञ के साथ परस्पर संवादात्मक सत्र से संपन्न हुआ।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम (प्रवेश परीक्षा)

विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2018 के लिए पीएच.डी. पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा यू.जी.सी नेट 2016 के प्रावधनों के अनुरूप कराये जाने हेतु हिन्दी, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास, समाज कार्य, होटल प्रबन्धन, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वानिकी, वाणिज्य, प्रबन्ध, शिक्षाशास्त्र, अंग्रेजी, संस्कृत, पर्यटन प्रबन्ध, हॉर्टिकल्चर, कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लीकेशन्स, योग, मनोविज्ञान, ज्योतिष विषयों कीं 87 सीटो के लिए विज्ञापन दिनांक 20/04/2018 को दो राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन पत्र आनलाईन मांगे गये है। आनलाईन आवेदन पत्र की अन्तिम तिथि 21 मई 2018 से एक सप्ताहः बढ़ाकर 26 मई 2018 तक की गई। पाठ्यक्रम हेतु कुल 540 आवेदन पत्र हुए है जिनका परीक्षण का कार्य गतिमान है।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा हेतु सूचना Asian Association of Open Universities की वेबसाईट में भी प्रकाशित की गई।

पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा से सम्बन्धत जानकारी Asian Association of Open Universities की वेबसाईट में प्रकाशित

सामाजिक सरोकार

रिस्पना नदी के पुर्नजीवन हेतु उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की सहभागिता

निदेशक, परिसर देहरादून के निर्देशन में उत्तराखण्ड राज्य सरकार के द्वारा चलाये जा रहे एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के अर्न्तगत रिस्पना नदी के पुर्नजीवन के प्रयासों के लिये मैपिंग एवं स्वच्छता अभियान के तहत कार्य किया जा रहा है।

उत्तराखण्ड राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे महत्वपूर्ण कार्यक्रम 'रिस्पना नदी के पुर्नजीवन' के प्रयासों के अन्तर्गत परिसर देहरादून द्वारा अधिकाधिक सहयोग दिया जा रहा है जिसके अन्तर्गत दिनॉक 22 मई 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर राज्य के विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से पौधारोपण हेतु गड्डे खोदे गये जिसमें मुक्त विश्वविद्यालय परिसर द्वारा भी सक्रिय प्रतिभाग किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते प्रो0 दुर्गेश पंत

उत्तराखण्ड राज्य में सूख रहे जलस्रोतों के बारे में शुक्लापुर मॉडल 'हेस्को देहरादून' के अनुसार लगभग 21 जलस्रोतों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट प्रमुख वन संरक्षक श्री जयराज एवं माननीय मुख्यमंत्री जी को सौंपी गई।

रिस्पना पुर्नजीवीकरण के अन्तर्गत रिस्पना में गिरने वाले गन्दे नालों (Sewerage) की विस्तृत GIS Based रिपोर्ट राज्य के मुख्य सचिव एवं माननीय मुख्यमंत्री जी को सौपी गई। यह रिपोर्ट अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि नदी के पुर्नजीवन के लिये Sewerage Discharge Points की जानकारी आवश्यक है।

माननीय मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को रिपोर्ट सौपते हुए प्रो0 पंत

दिव्यांगों के शिक्षा संवर्द्धन हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण

कार्यशाला को संबोधित करते डॉ0 रमेश पोखरियाल 'निशंक', पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड एवं सांसद हरिद्वार लोकसभा

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा देहरादून जिले के डोईवाला ब्लाक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 42 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं 40 प्रशिक्षु अध्यापकों को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढ़ने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के सम्बन्ध में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन हिमालय आयुर्वेदिक चिकत्सा महाविद्यालय, फतेहपुर, डोईवाला में दिनाँक 12-14 जून 2018 को किया गया|

कार्यशाला का उद्घाटन डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड एवं सांसद हरिद्वार लोकसभा, अध्यक्ष संसदीय सरकारी आश्वासन समिति, भारत सरकार एवं प्रो. नागेश्वर राव, कुलपति, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी और सच्चिदानंद भारती, प्रणेता पानी राखो आंदोलन ने दीप प्रज्ज्वलन से किया।

उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने दिव्यांग लोगों को शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने पर अवसर देने पर जोर दिया| कुलपति, प्रो. नागेश्वर राव ने अपने संबोधन में दिव्यांगों कों शिक्षा और समाज में सम्मान देने पर बल दिया | सच्चिदानंद भारती द्वारा अपने संबोधन में दिव्यांगजनों से शिक्षा के साथ साथ पर्यावरण के संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की और बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण सामान्य शिक्षकों के लिए लाभकारी होते हैं| कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने कार्यशाला के विषय, रूपरेखा एवं महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश डोईवाला ब्लाक के विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विकलांग बच्चों एवं निशक्तजनों के लिए क़ानूनी प्रावधान,विशिष्ट शिक्षा का प्रबंध, उनमे विकलांगता की पहचान करना एवं सामान्य विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत उनको प्रवेश देना उनके शैक्षिक अधिकारों ,पुनर्वास सम्बन्धी अधिकारों एवं नई तकनीकियों के माध्यम से शिक्षण एवं केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी देना है| उद्घाटन सत्र में दिव्यांगजनों की शिक्षा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया|

कार्यशाला में प्रतिभाग करते शिक्षक

प्रतिभागियों, ऋषिकेश पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य श्री एस.एस.भण्डारी एवं गंगोत्री विद्या निकेतन, बपुग्राम की सहायक अध्यापिका साधना ध्यानी ने अपेक्षा की कि इस कार्यशाला के द्वारा से शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों को सामान्य विद्यालयों में पढ़ाने से सम्बंधित तकनीकी के प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा| और उनके पठन पाठन से सम्बंधित विभिन्न जानकारी का लाभ वो ले सकेंगे|

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में अनमोल फाउंडेशन के निदेशक श्री सतीश चौहान ने प्रतिभागियों को विकलांगता को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों एवं विकलांगता के प्रति बनी अवधारणाओं कों स्पष्ट किया| और भारतीय पुनर्वास परिषद् एक्ट १९९२ के बारे में विस्तार से बताया| कार्यशाला के दूसरे दिवस दिनाँक 13 जून 2018 को कार्यशाला के दूसरे दिवस के सत्रों में विषय विशेषज्ञ मुरली सिंह द्वारा विकलांगता के हस्तक्षेपन में कार्य करने वाले विशेषज्ञों की भूमिका और उत्तरदायित्वों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की|विषय विशेषज्ञा श्रीमती मीनाक्षी चौहान ने प्रतिभागियों को विकलांगता के कारण बच्चों में होने वाली मानसिक बीमारी, उसका मनोसामाजिक प्रभाव के विषय में बताया नेत्रहीन बच्चों के लिए ब्रेल लिपि के विषय में बताया| सतीश चौहान द्वारा द्वारा मूक बधिर व्यक्ति और बच्चों को Sign language (प्रतीकों के माध्यम अथवा इशारों द्वारा भाषा की अभिव्यक्ति) से अध्यापन की विधि बताई और उनका अभ्यास कार्यशाला के प्रतिभागियों को उनका अभ्यास करवाया| सविता सिंह ने समावेशी शिक्षा के सन्दर्भ में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों

की जानकारी दी साथ ही निशक्तजन के लिए बाधा रहित पर्यावरण निर्माण एवं रोजगार सर्जन के विषय में बतलाया|

कार्यशाला के तृतीय दिवस दिनाँक 14 जून, 2018 के तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञ सतीश चौहान ने बाधा रहित वातावरण, समावेशन के विषय पर जानकारी दी और विकलांगता का परिवार पर पड़ने वाले प्रभाव को बताया|साथ ही विकलांग बच्चों के चिन्हीकरण, शैक्षिक पुनर्वास एवं उपचारार्थ हेतु शीघ्र हस्तक्षेपन केन्द्र (Early Intervention Centre) के विषय में बताया| सविता सिंह द्वारा कार्यशाला के प्रतिभागियों को राष्ट्रीय न्यास के द्वारा चलायी जा रही योजनाओं एवं UNCRPD के विषय में जानकारी दी |

कार्यशाला को सम्बोधित करते मा0 कुलपति प्रो0 राव

कार्यशाला के समापन सत्र में हे.न.ब.गढ़वाल विश्वविद्यालय के बी.एड. विभाग पौड़ी परिसर की प्राध्यापिका निधि बड़थ्वाल ने कार्यशाला में आये प्रतिभागियों को प्रतिभाग का प्रमाण पत्र प्रदान किया|इससे पूर्व अपने संबोधन में निधि बड़थ्वाल ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी और भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और इस प्रकार के आयोजन को दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों के लिए आवश्यक बताया| विषय विशेषज्ञ सतीश चौहान ने ब्रेल लिपि कों समझाया| मुरली सिंह द्वारा ऑडियोमीटर के माध्यम से वाक् जांच का प्रशिक्षण का प्रदर्शन किया| प्रतिभागी शिक्षक श्री हेमचंद रयाल द्वारा इस प्रकार की कार्यशाला कों उपयोगी बताया| और जो कुछ क्रियाकालाप और प्रशिक्षण प्राप्त किये उसको समावेशी शिक्षा के अंतर्गत प्रयोग में लाने की बात बोली| प्रतिभागी शिक्षिका श्रीमती भावना ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने हेतु नई तकनीकी का ज्ञान और उनके अभिभावकों को दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को जागरूक करने में इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सहायता मिलेगी| कार्यक्रम के अंत में कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने आमंत्रित मुख्य अतिथि, विषय विशेषज्ञों एवं डोईवाला ब्लाक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया|

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा- जून 2018 में **दिनांक 01 जून 2018 से 28 जून 2018 तक 22 दिवसों में, प्रदेश के 60 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की गई** जो शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। इस परीक्षा में कुल 55,966 परीक्षार्थी सम्मिलत हुए। जिसका विवरण निम्नवत् है।

Year	Main Exam	Back Paper	Improvement	Total
June 2018	48545	7230	191	55966

- शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से जून 2018 की परीक्षाओं हेतु परीक्षा केन्द्रों की संख्या 54 से बढ़ाकर 60 कर दी गई। पहाड़ी क्षेत्रों में 43 परीक्षा केन्द्रों का चिन्हीकरण किया गया जिनमें से 27 अति दुर्गम क्षेत्रों में स्थित हैं।
- जून 2018 में 22 कार्य दिवसों में विश्वविद्यालयीय परीक्षा सम्पन्न करायी गयी, जिससे कि समय से परीक्षाएं खत्म होने के उपरान्त छात्र आगे की तैयारी (नौकरी या आगे की पढ़ाई) की प्रक्रिया प्रारम्भ कर सके।

योग प्रशिक्षण एवं जागरूकता

दिनांक- 21 जून 2018 को चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर स्वास्थ विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के योग विभाग ने भी विश्वविद्यालय मुख्यालय में एक 'योग महोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन को तीन चरणों में विभाजित किया गया था।

योग दिवस में प्रतिभाग करते योग विषय के विद्यार्थी

विश्व योग दिवस के प्रथम चरण के रूप में 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' के अन्तर्गत सुबह 7.00 से 8.00 बजे तक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इस सत्र का उदघाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव, कुलसचिव प्रो0आर0 सी0 मिश्र तथा योग विभाग के समन्वयक डॉ० भानु प्रकाश जोशी ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। इस अवसर पर कुलपति, कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक एवं कार्मिकों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में छात्र, प्रशिक्षार्थी एवं आस पास के स्थानीय लोग उपस्थित थे। सभी ने विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों तथा प्रशिक्षुओं की देखरेख में योगाभ्यास किया।

'योग महोत्सव' के द्वितीय चरण के रूप में योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। योगासन प्रतियोगिता में 58 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न कठिन एवं सहज आसनों का प्रदर्शन किया गया जिसका सुयोग्य निर्णायकों द्वारा आंकलन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा बहुत उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया। आयोजन के समन्वयक डॉ० भानु प्रकाश जोशी ने सभी प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के तीसरे चरण में एक विचार-गोष्ठी का आयोजन किया गया, इस सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने की। कार्यक्रम का आरम्भ योग विभाग की छात्राओं की शिव ताण्डव स्तोतत्र पर एक सुन्दर सांस्कृतिक प्रस्तुति (योग नाटिका) द्वारा किया गया। डॉ० भानु प्रकाश जोशी ने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों एवं निर्णायकों का स्वागत किया तथा सम्पूर्ण आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। स्वास्थय विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं कुलसचिव प्रोफेसर आर०सी०मिश्र ने भारत की प्राचीन योग परम्पकरा का विश्लेषण करते हुए वर्तमान मानवीय जीवन की पूर्णता के लिए योग की आवश्यकता को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो०नागेश्वर राव ने सभी उपस्थित व्यक्तियों, शिक्षकों, कार्मिकों एवं विद्यार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी तथा योग विभाग की गतिविधियों से विद्यार्थियों को परिचित कराया।

विश्वविद्यालय के कुलपति, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं योग विद्यार्थियों द्वारा योग दिवस पर योगासन करते हुए

इस अवसर पर योग विभाग द्वारा प्रारम्भ के स्तार के छात्रों के लिए क्रियात्मक अभ्यासों की 16 वीडियो सी0 डी0 का भी लोकार्पण किया गया तथा इन्हें विश्वविद्यालय की बेबसाइट में भी अपलोड किया गया।

इसके उपरान्त योगासन प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्तर पर सफल विद्यार्थियों को माननीय कुलपति जी द्वारा पुरस्कृत किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत विद्यार्थियों का विवरण निम्नत है :-

योगासन प्रतियोगिता-

प्रथम स्थान- कुशल देव सिंह , एम0 ए0 योग

द्वितीय स्थान – कु0 तनीषा, डसीला डिप्लोमा योग

तृतीय स्थान- मनोज सिह, एम0 ए0 योग

इसी क्रम में उत्ताराखण्ड् मुक्त विश्वविद्यालय के देहरादून परिसर में भी अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें परिसर निदेशक प्रो0 दुर्गेश पन्त तथा विश्वविद्यालय कार्मिकों सहित स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 15 अध्ययन केन्द्रों पर भी योग दिवस महोत्सव का आयोजन किया गया जिन आयोजनों में कामन योग प्रोटोकॉल के साथ- साथ विविध योग विषयक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं कराई गयीं।

दिनांक 20 जून 2018 एवं 21 जून 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र जानकी देवी एजुकेशन वैलफियर सोसाइटी में दो दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें परिसर निदेशक देहरादून द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर निदेशक, परिसर देहरादून द्वारा योग विषय पर वक्तव्य दिया गया।

अध्ययन केन्द्र जानकी देवी एजुकेशन वैलफियर सोसाइटी में दो दिवसीय योग शिविर में प्रतिभाग करते हुए विद्यार्थी

दिनांक 21 जून 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर परिसर देहरादून में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मॉडल अध्ययन केन्द्र के योग काउन्सलर श्री अनिल थपलियाल जी द्वारा योग के इतिहास एवं उसके महत्व के बारे में एक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि शरीर के स्वस्थ रहने पर ही मस्तिष्क स्वस्थ रहता हैं और मस्तिष्क से ही शरीर की समस्त क्रियायें संचालित होती हैं। इस प्रकार हमारे शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आत्मिक विकास हेतु योगासन अति आवश्यक हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के परिसर कार्यालय, देहरादून में आयोजित योग कार्यक्रम

सहज संस्कृत बोध पाठ्यक्रम ऑन-लाईन प्रारम्भ

विश्वविद्यालय द्वारा सहज संस्कृत बोध पाठ्यक्रम को प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की सुविधा हेतु ऑन-लाईन कर दिया गया है। पाठ्यक्रम का लोकार्पण दिनांक 25 जून, 2018 को श्री मुकुल कानितकर द्वारा माननीय कुलपतिजी की अध्यक्षता में किया गया। यह पाठ्यक्रम निशुल्क व सभी के लिए संस्कृत सीखने योग्य बनाया गया है। इस पाठ्यक्रम में घरेलू उपयोग की सामग्रियों के संस्कृत के नाम के साथ-साथ शरीर के विभिन्न अंगों की

संस्कृत नामावली का सचित्र वर्णन करते हुए व्यावाहारिक संस्कृत को संवादपरक बनाकर अत्यन्त सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है। इसके ऑन-लाईन अध्येता निशुल्क पंजीकरण करते हुए प्रशनोत्तर के माध्यम से संस्कृत सीखेगें। जिन्हे संस्कृत भाषा के प्रारम्भिक स्वरूप का भी ज्ञान नहीं है ऐसे लोगों के लिए यह पाठ्यकम बहुत उपयोगी सिद्व होगा। यह पाठ्यक्रम प्राचीन भाषाओं को बढ़ावा देने व युवाओं को संस्कृत भाषा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु प्रारम्भ किया गया है। इसके अतिरिक्त इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत युवाओं को स्वरोजगार में सहायता प्राप्त हो सकेगी।

भारतीय शिक्षा का सम-सामयिक परिदृश्य पर व्याख्यान

"भारतीय शिक्षा का सम-सामयिक परिदृश्य" विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में बोलते हुए भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मुकुल कानितकर ने कहा कि आजकल अध्ययन बंद हो गया है बस रटना रह गया है। उन्होंने गुरूकुल शिक्षा प्रणाली को सर्वश्रेष्ठ बताते हुए इसे आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

व्याख्यान देते श्री मुकुल कानितकर जी

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए मुकुल कानितकर ने कहा कि गुरूकुल शिक्षा प्रणाली जीवन की शिक्षा देती है। उन्होंने कहा कि अगर जीवन की शिक्षा होगी तो पूरा ज्ञान होगा, गुरूकुल शिक्षा प्रणाली को सर्वश्रेष्ठ बताते हुए उन्होंने कहा कि यह भविष्य की शिक्षा है और आने वाले समय में सारा विश्व इसे स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा कि भारत को इसका अग्रेसर बनना चाहिए। भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में आजकल अध्ययन बंद हो गया बस रटना रह गया, जिससे हम लोग संतुष्ट नही है, लेकिन दूसरी ओर दुनियां के देशों में हम अकाउण्टेंट दे रहे है, बड़े-बड़े अधिकारी दे रहे है। इसका कारण यह है कि हमारे पास अध्यात्मिक स्थिरता औऱ परिवार है, जिसके कारण हम सफल हो जाते है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल इस पर वृहद रूप से कार्य कर रहा है।

सहज संस्कृत बोध का ऑनलाईन लोकार्पण करते हुए

मुकुल कानितकर ने आगे कहा भारत में अनुभुति को ज्ञान कहा जाता है, ज्ञान प्राप्ति बिना इन्द्रियों के नहीं हो सकती है। ज्ञान के लिए इन्द्रियों को संयमित किया जाता है और गुरूकुल शिक्षा पद्धति में यह व्यवस्था है। कार्यक्रम में भारतीय शिक्षण मंडल के ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि शैक्षिक स्तर में सुधार लाने को शिक्षण मंडल कृत संकल्प है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि विचार व व्यवहार दोनों किसी व्यक्ति में है तो वह सफल है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए बृहद रूप से कार्य की

आवश्यकता है और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय इस ओर विशेष प्रयास कर रहा है। जबकि कुलसचिव प्रो. आरसी मिश्रा ने शिक्षा में सुधार के प्रयासों की सराहना की। संचालन डा. देवेश मिश्र द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता व कुलपति द्वारा संस्कृत विद्या शाखा की वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस 2018 के अवसर पर 5 जून को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के वन विभाग के साथ मिलकर विश्वविद्यालय परिसर में पौंधारोपण व इसके समीप के वन क्षेत्र से पॉलीथिन हटाने का कार्य सम्पन्न किया। इस बार विश्व पर्यावरण दिवस का थीम 'प्लास्टिक प्रदूषण' था।

पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय तथा वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा पौंधारोपण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय तथा वन विभाग के सौ से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया व विभिन्न प्रकार के पौंधे लगाए। इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर आर0 सी0 मिश्र ने अपने सम्बोधन में कहा कि विश्व से प्रदूषण कि मुक्ति तभी सम्भव है जब प्रत्येक व्यक्ति अपने-अपने स्तर पर पौधारोपण का कार्य करे। वन विभाग के डी.एफ.ओ. श्रीमती कल्याणी ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम अपने आस-पास की सम्पूर्ण सफाई से ही पर्यावरण को भी पूरी तरह साफ-सुथरा रख सकते है।

पौंधारोपण करते कुलसचिव, डी0एफ0ओ0 कल्याणी तथा अन्य कर्मचारी

दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता

देश के दूरस्थ उच्च शिक्षण संस्थानों के मूल्यांकन व मान्यता हेतु परम्परागत विश्वविद्यालयों की भांति मापदंडो के निर्धारण हेतु सात केन्द्रों में इन मापदंडो के निर्धारण के लिए अलग अलग तिथियों में राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएँ आयोजित की गई| इन कार्यशालाओं में देश के मुक्त विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के कुलपतियों व निदेशकों सहित सभी सम्बंधित हितधारकों द्वारा प्रतिभाग किया गया| इन कार्यशालाओं में निर्धारित सात मापदंडों, आधारभूत सूचकों व उनके लिए निर्धारित भारंकों पर मुक्त शिक्षण संस्थानों के परिपेक्ष्य में विचार विमर्श किया गया तथा आयोजित कार्यशालाओं की विस्तृत रिपोर्ट NAAC के प्रतिनिधियों को सौप दी गई | NAAC द्वारा इन विस्तृत रिपोर्टों का अध्ययन करने के पश्चात दूरस्थ उच्च शिक्षण संस्थानों के मूल्यांकन व मान्यता हेतु नियमावली को अन्तिम रूप दिया जायेगा |

यह सात कार्यशालाएँ देश के विभिन्न मुक्त विश्वविद्यालयों में आयोजित की गई | मा0 कुलपति जी द्वारा दिनांक 10 जून, 2018 से 26 जून, 2018 तक देश के विभिन्न राज्यों के मुक्त विश्वविद्यालयों में आयोजित कार्यशालाओं में अध्यक्ष के रूप में प्रतिभाग किया गया। प्रोफेसर आर0 सी0 मिश्र, निदेशक, वाणिज्य विज्ञान विद्याशाखा/कुलसचिव द्वारा दिनांक 12 जून, 2018 को NAAC, बैगलुरू के तत्वाधानों में उडीसा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में दूरस्थ विश्वविद्यालयों व संस्थानों के नैक मान्यता हेतु बनाये जाने वाले मापदंडों के सम्बन्ध में आयोजित कार्यशाला में सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया गया। डॉ0 गगन सिंह, सहायक प्रध्यापक, वाणिज्य द्वारा दिनांक 26 जून, 2018 को NAAC, बैगलुरू के तत्वाधानों में डॉ0 बाबा साहेब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात में दूरस्थ विश्वविद्यालयों व संस्थानों के नैक मान्यता हेतु बनाये जाने वाले मापदंडों के सम्बन्ध में आयोजित कार्यशाला में सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया गया। डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डे, सहायक प्रध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान द्वारा दिनांक 10 जून, 2018 को NAAC, बैगलुरू के तत्वाधानों में नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता में दूरस्थ विश्वविद्यालयों व संस्थानों के नैक मान्यता हेतु बनाये जाने वाले मापदंडों के सम्बन्ध में आयोजित कार्यशाला में सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया गया। डॉ0 मंजरी अग्रवाल, सहायक प्रध्यापक, प्रबंध अध्ययन द्वारा दिनांक 23 जून, 2018 को NAAC, बैगलुरू के तत्वाधानों में डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद में दूरस्थ विश्वविद्यालयों व संस्थानों के नैक मान्यता हेतु बनाये जाने वाले मापदंडों के सम्बन्ध में आयोजित कार्यशाला में सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया गया।

MOOC के अंतर्गत संचालित किये जाने वाले पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय द्वारा पर्यटन, हिन्दी, संस्कृत एवं ज्योतिष विषयों की महत्ता को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग हिन्दी विभाग, संस्कृत विभाग व ज्योतिष विभाग द्वारा संबंधित विषयों के प्रति जागरूकता व जानकारी प्रदान किये जाने हेतु Moodle MOOC के अंतर्गत पाठ्यक्रमों का निर्माण किया जा रहा है| इन पाठयक्रमों की सहायता से छात्र पर्यटन, हिन्दी, संस्कृत व ज्योतिष से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों के बारे में जान सकेंगे |

विश्वविद्यालय के सहायक प्रध्यापक द्वारा Inter Staff Exchange Fellowship के तहत थाईलैंड में मूक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे का चयन Asian Association of Open Universities (AAOU) की प्रतिष्ठित Inter-University Staff Exchange Fellowship हेतु दिनांक 01 जुलाई, 2018 से 30 जुलाई, 2018 तक Sukhothai Thammathirat Open University, Bangpood, Pakkret, Nonthabur, Thailand विश्वविद्यालय में हुआ| इस फेलोशिप के अंतर्गत डॉ जीतेंद्र पाण्डे Sukhothai Thammathirat Open University में रहकर A comparative study of OER practices at Uttarakhand Open University(UOU), India & Sukhothai Thammathirat Open University (STOU), Thailand विषय में शोध किया गया|

इन्टरनेट की पहुँच बड़ने के साथ एजुकेशन रिसोर्सेज की उपलब्धता बढती गयी तथा इसी के साथ ही MIT, USA में ओपन

कोर्सवेयर मूवमेंट की शुरुवात हुई। यह मूवमेंट इतना लोकप्रिय हुआ की वर्ष 2002 में UNESCO ने इम्पैक्ट ऑफ़ ओपन कोर्सवेयर फॉर हायर एजुकेशन इन डेवलपिंग कन्ट्रीज (the impact of open courseware for higher education) फोरम में ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (Open Educational Resources) शब्द ईजाद किया| Open Educational Resources को टीचिंग –लर्निंग प्रोसेस को और अधिक सम्रध बनाए जाने के लिए किया गया था किन्तु कुछ देशों में इस परम्परागत पाठ्यपुस्तकों के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा|

Open Educational Resources(OER) वह टीचिंग, लर्निंग या रिसर्च में उपयोग होने वाली वो सामग्री है जो या तो पब्लिक डोमेन में उपलब्ध हो या जिन्हें ओपन लाइसेंस के अंतर्गत रिलीज़ किया गया हो। सामान्यतः हम यह समाज लेते हैं कि इन्टरनेट में जो भी सामग्री उपलब्ध है उसे किसी भी प्रयोजन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है| किन्तु ऐसा नहीं है केवल वे ही सामग्री इस्तेमाल की जा सकती है जो की या तो पब्लिक डोमेन में हो या फिर ओपन लाइसेंस के अंतर्गत प्रकाशित की गयी हो। जो भी सामग्री ओपन लाइसेंस के अंतर्गत प्रकाशित हो उसे कोई भी कानूनी रूप से और स्वतंत्र रूप से प्रतिलिपि बना सकता है, अनुकूलन का उपयोग कर सकता है और उन्हें फिर से साझा कर सकता है।

OER को इस्तेमाल करने के कई फ़ायदे है, खासकर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए। विद्यार्थियों हेतु अध्ययन के किसी विशेष क्षेत्र के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए वे लागत आसन एवं सस्ता साधन हैं। छात्रों को प्रदान किए गए संसाधनों को, सामग्री को प्रासंगिक और आकर्षक बनाने के लिए अपनी सीखने की ज़रूरतों के अनुरूप सर्वोत्तम रूप से अनुकूलित किया जा सकता है। कुछ मामलों में, छात्रों के लिए ओईआर के विकास / सुधार में योगदान करने के लिए विकल्प हो सकते हैं और ओईआर विकास और सुधार चक्र में योगदान दे सकते हैं। शिक्षकों के लिए, यह मौजूदा शिक्षा सामग्री बनाने और निर्माण करके समय बचाने के लिए एक विकल्प है। कई मामलों में, शिक्षाविद एक विशेष प्रसंग से सम्बंधित OER चुनने में सक्षम होते हैं और उसको इस्तेमाल करके अपना स्वयं का ओईआर बना सकते है। ओईआर दुनिया के अन्य शिक्षाविदों के साथ रिसर्च एवं कोलैबोरेशन का अवसर प्रदान कर सकता है।

ओईआर विभिन्न प्रकार में उपलब्ध होते है जिसमें वीडियो, ग्रंथ, आरेख, सिमुलेशन इत्यादि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त यह ऑनलाइन पाठ्यपुस्तकों के रूप में भी उपलब्ध हैं जिसे कोर या पूरक टेक्स्ट के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

इस एक महीने के फ़ेलोशिप प्रोग्राम के अंतर्गत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे ने विश्वविद्यालय स्तर पर sukhothai Thamathirat National Open University से OER संसाधन साझा करने की संभावनाओं का आकलन किया। इसके अतिरिक्त वहां के शिक्षकों को OER के बारे में ट्रेनिंग दी गयी। थाईलैंड में ऑनलाइन लर्निंग के लिए वातावरण बेहद अनुकूल है क्यूंकि वहां पर इन्टरनेट सस्ता है और उसकी पहँच आम लोगों तक बहुत ज्यादा है।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ0 जितेन्द्र पांडे व अन्य

थाईलैंड में पढ़ाई बहुत महंगी है। सभी विश्वविद्यालयों का प्रयास है कि शिक्षा का दायरा आम जन तक बड़ाने के लिए इसकी कीमत को कम किया जाये, जिसके लिए OER बहुत उपयोगी साबित हो सकते हैं। थाईलैंड में ऑनलाइन लर्निंग के लिए वातावरण बेहद अनुकूल है क्यूंकि वहां पर इन्टरनेट सस्ता है और उसकी पहुंच आम लोगो तक बहुत ज्यादा है। इसलिए वहां के विश्वविद्यालय MOOC(Massive Open Online Courses) के जरिये ऑनलाइन कोर्स शुरू करना चाहती जिसके लिए वह उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का सहयोग चहती है। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में काफी आगे है जो अपने ईलर्निंग पोर्टल elearning.uou.ac.in द्वारा निशुल्क ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध कराता है।

साईबर सुरक्षा

साइबर सिक्यूरिटी के महत्त्व को समझते हुए विश्वविद्यालय ने वर्ष 2016 में साइबर सिक्यूरिटी एंड ई-गवर्नेंस विषय पर 16 क्रेडिट का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया| इस पाठ्यक्रम की पाठ्य सामग्री का निर्माण कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेण्टर फॉर एशिया (CEMCA) द्वारा प्रदत्त अनुदान के माध्यम से किया गया| पाठ्यक्रम की विषय-सामग्री को इंडियन साइबर इमरजेंसी रेस्पोंस टीम (CERT-In) के वैज्ञानिकों, मिनिस्ट्री ऑफ़ डिफेंस के ऑफिसर्स, इंडियन एयर फ़ोर्स के ऑफिसर्स, विख्यात आईटी कंपनी जैसे विप्रो, आईबीएम्, इनफ़ोसिस, आदि के प्रोफेशनलस एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों के सहयोग से डिज़ाइन किया गया है| इस पाठ्यक्रम को समृद्ध बनाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत इस विषय के विषय विशेषज्ञों के सहयोग से वीडियो लेक्चर्स की रिकॉर्डिंग करायी जा रही है।

इस पाठ्यक्रम की उपयोगिता एवं गुणवत्ता को देखते हुए एशियन एसोसिएशन ऑफ़ ओपन यूनिवर्सिटीज (Asian Association of Open Universities) द्वारा इस पाठ्यक्रम को एशियन मूकस (Asian MOOCs) में शामिल कर लिया गया है| इस पाठ्यक्रम का उपयोग अन्य मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा किया जा रहा है।

इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने सत्र जुलाई 2018 से साइबर सुरक्षा मं एक नया स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम लॉन्च किया है। कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है:

Post Graduate Diploma in Cyber Security **PGDCS-17**
Credits- 40

PROGRAMME STRUCTURE			
Course Code	**Course Name**	**Credits**	**Total Marks (Th. /Assign.)**
	SEMESTER I		
PGDCS-01	Fundamentals of Information Security	04	100 (80/20)
PGDCS-02	Cyber Security Techniques	04	100 (80/20)
PGDCS-03	Cyber attacks and counter measures: user perspective	04	100 (80/20)
PGDCS-04	Information System	04	100 (80/20)
PGDCS-P1	Lab Cyber Security Fundamentals	04	100
	SEMESTER II		
PGDCS-05	Information Security Assurance : Framework, standards and Industry best practices	04	100 (80/20)
PGDCS-06	Digital Forensic	04	100 (80/20)
PGDCS-07	Advanced Cyber Security Techniques	04	100 (80/20)

PGDCS-08	Computational Number Theory & Cryptography	04	100 (80/20)
PGDCS-Project	Project	04	150

पाठ्यक्रम सामग्री प्रमुख वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई है। इस कोर्स को विश्वविद्यालय के ई-लर्निंग पोर्टल www.uou.ac.in का उपयोग कर MOOCs में भी प्रयोग किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त सहायक प्रध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान, डॉ जीतेंद्र पाण्डे को मिनिस्ट्री ऑफ़ ह्यूमन रिसोर्स एंड डेवलपमेंट द्वारा संचालित SWAYAM ऑनलाइन एजुकेशन पोर्टल हेतु Fundamentals of Cyber Security विषय पर ऑनलाइन कोर्स विकसित करने हेतु रुपये 13.5 लाख रुपये की ग्रांट आवंटित हुए है।

टॉपर्स कॉन्क्लेव

दिनांक अगस्त, 2018 से अगस्त, 2018 तक राजभवन, देहरादून में आयोजित टॉपर्स कॉन्क्लेव हेतु कुलपति महोदय तथा विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले निम्न दो विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

क्र0 स 0	**नामांकन संख्या**	**छात्र/छात्रा का नाम**	**पिता का नाम**	**पाठ्यक्रम**	**प्राप्तांक**	**पूर्णांक प्रतिशत**
1-	15072328	उत्तम प्रसाद सेमवाल	मारकन्डेय प्रसाद सेमवाल	वनस्पति विज्ञान में परास्नातक	**936/1200**	78%
2-	15068524	कु0 आरती	बचन सिंह	एम0ए0 अग्रेंजी	**699/900**	77.67%

पॉच दिवसीय टॉपर्स कॉन्क्लेव में मुख्य वक्ता व वाह्य विषय विशेषज्ञों के विषयों पर प्रतिभाग कर रहे सभी टॉपर्स द्वारा दिये गये प्रतिक्रियाओं व व्याख्यानों में विश्वविद्यालय की छात्रा कुमारी आरती ने प्रथम दो मुख्य वक्ताओं में द्वितीय स्थान प्राप्त किया जिन्हें महामहिम श्री राज्यपाल द्वारा विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया।

सामाजिक सरोकार

हाल ही में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा देश में विश्वविद्यालय स्तर पर सैनिको के अदम्य साहस के प्रति देश के नौजवानों को प्रेरित करने के लिए **"Wall of Heroes"** नामक अभियान शुरू किया गया। उत्तराखंड सरकार द्वारा भी इसी क्रम में प्रदेश के विश्वविद्यालय व कॉलेज स्तर पर सैनिको के अदम्य साहस के प्रति प्रदेश के नौजवानों को प्रेरित करने के लिए इस अभियान को शुरू किया गया तथा इस प्रयास को प्रदेश स्तर पर सराहा भी गया |

इसी कड़ी में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुछ साथियों के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में 21 फलदार पौधें रोपित किए हैं। यह 21 फलदार पौधें उन वीर सैनिकों के नाम पर हैं जिन्होंने निस्वार्थ भाव से देश की रक्षा एवं सुरक्षा हेतु अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इन शहीदों के परिवारों को अपनेपन का अहसास कराने हेतु यह

हमारा एक छोटा सा प्रयास है। उक्त स्थान का नामकरण **"शौर्य वाटिका"** के रूप में किया गया है। इस प्रकार हम सब देशवासी शहीदों के बलिदान को अगली पीढ़ी तक पहुंचा सकते है और उनमे देशभक्ति की भावना को जीवन्त रख सकते है।

"शौर्य वाटिका" का शुभारम्भ करते विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो0 मिश्र व अन्य

शिक्षक दिवस

शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रोफेसर नीरजा टण्डन अपना विचार रखते हुए

प्रत्येक वर्ष की भॉति इस वर्ष भी 05 सितम्बर 2018 को विश्वविद्यालय सभागार में 'शिक्षक दिवस समारोह' का अयोजन किया गया। इस इवसर पर वरिष्ठ शिक्षका डॉ0 नीरजा टण्डन, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल में विशिष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। 'शिक्षक दिवस समारोह', 2018 की अध्यक्षता प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा द्वारा की गई। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि शिक्षक समाज का मार्ग प्रदर्शक होता है। शिक्षा का मूल रोजगार या धनोपार्जन न होकर मूल्य-निर्धारण होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि 'भारतीय ज्ञान- परम्परा' का उद्भव व्यक्ति के भीतर व्याप्त 'शिक्षत्व'की चेतना में निहित है।

विशिष्ट शिक्षक सम्मान, 2018 से विभूषित प्रोफेसर नीरजा टण्डन ने अपने जीवन एवं अध्यापन के गहन अनुभवों का सभी के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि एक सच्चे शिक्षक का कर्तव्य है कि वह स्वयं के भीतर एक विद्यार्थी को जीवित रखे।

इस अवसर पर अध्यक्ष प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल ने प्रोफेसर नीरजा टण्डन को प्रशस्ति-पत्र, श्रीफल एवं शॉल देकर सम्मानित किया।

प्रत्येक वर्ष की भॉति इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों को पुस्तकें एवं कलम देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा ने सभी उपास्थित प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

हिन्दी दिवस

दिनांक 14 सितंबर 2018 को हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषाएँ विभाग द्वारा एक वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षत कर रहे प्रो0 एच पी शुक्ल ने कहा कि हर सचेत समाज अपनी परम्परा को नये ढंग से खोजता है। हिन्दी भाषा की परम्परा इस देश की मूल संस्कृति से जुड़ी हुई है। इसी कारण वह बाजार की शक्तियों से प्रभावित भले हो, किन्तु संचालित नहीं है। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कुमाऊं विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो0 नीरजा टण्डन ने कहा कि हर हिन्दी की ताकत इसकी प्रादेशिकता में है। यह भाषा इसलिए समृद्व है क्यांकि इसकेपास लम्बी प्रादेशिक चेतना है। कॉमर्स एवं प्रबन्ध विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर0सी0 मिश्र ने कहा कि हिन्दी भाषा का लचीलापन एवं असाम्प्रदायिक चरित्र इसे विशिष्ट बनाता है।

संगोष्ठी का प्रस्तावना वक्तव्य देते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ0 शशांक शुक्ल ने कहा कि हिन्दी भाषा की ताकत इसका जनतांत्रिकस्वरूप है। यह सत्ता की भाषा कभी नहीं रही। इसकी ताकत यह भी नहीं कि यह इस देश की संस्कृति, पूर्वभाषा- अपभ्रंशों के दामन को स्वीकार कर आगे बढ़ी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा ने किया।

गाँधी जयंती तथा स्वच्छता अभियान

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 अक्टूबर 2018 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी के सभागार में गॉधी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी याद किया गया।

कार्यक्रम के अन्तर्गत चतुर्थ गॉधी स्मृति व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। प्रोफेसर लक्ष्मण सिंह बिष्ट 'बटरोही' (पूर्व विभागाध्यक्ष एवं आचार्य, हिन्दी विभाग, कुमॉऊ विश्वविद्यालय) ने चतुर्थ गॉधी समृति व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता, प्रो0 एच0पी0 शुक्ल, निदेशक मानविकी विद्याशाखा द्वारा की गई। इस अवसर पर प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, प्रोफेसर पी0डी0 पंत सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, अधिकारी एवं कार्मिक उपास्थित थे। कार्यक्रम के अंत में श्रमदान अभियान के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर की सफाई का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

उत्तराखंड की पत्रकारिता के विकास और चुनौतियों विषय पर व्याख्यान

अल्मोड़ा से प्रकाशित प्रदेश के एतिहासिक अखबार 'शक्ति' के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में उत्तराखंड की पत्रकारिता के विकास और चुनौतियों विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। शक्ति अखबार उत्तराखंड मे नवजागरण का अग्रदूत था। आजादी के तीस साल पहले शुरु हुए इस अखबार ने आजादी के आंदोलन के साथ ही सामाजिक आंदोलनों को आवाज देने का काम किया। सामाजिक बुराईयों पर अपनी आवाज मुखर की। ये कहना है इतिहासकार शेखर पाठक का। उन्होंने ये बात शक्ति अखबार के सौ साल पूरा होने के मौके पर उत्तराखंड मुक्त विवि के सभागार में मीडिया स्टडीज विभाग द्वारा आयोजित गोष्ठी में कही।

उन्होंने बद्री दत्त पांडे से शुरु कर सौ साल के दरमिंया शक्ति के सभी संपादकों पर बात रखी। उनके तेवरों व उनकी लेखनी पर बात रखी। वो भले विक्टर मोहन जोशी हों, दुर्गादत्त पांडे राम सिहं धौनी, मनोहर पंत, मथुरादत्त त्रिवेदी, पूरन चन्द्र तिवारी, देवी दत् पांडे धर्मानंद पांडे व शक्ति के अंतिम संपादक शिरीष पांडे जिनका पिछले साल बहुत कम उम्र मे निधन हो गया। उन्होंने बताया कि शक्ति अखबार केवल एक अखबार नहीं होता था बल्कि महात्मा गांधी जब आजादी के वक्त अल्मोड़ा आए थे तो लोग भेंट में उन्हें ये अखबार दिया करते थे,ये अखबार लोगों के बीच बांचा जाता था लोग सामूहिक रूप से सुनते थे इसे। आजादी के आंदोलन में इसकी बहुत बड़ी भूमिका तो है ही साथ ही सामाजिक सांस्कृ-तिक आंदोलनों को धार देने का काम भी शक्ति ने किया। उत्तराखंड में जाति के खिलाफ आंदोलन हो या फिर कुली बेगार, सब में प्रखर रुप में इसने अपनी बात रखी। कभी किसी के आगे झुका नहीं। एक तरफ जहां ये क्षेत्रीय मुद्दों को आवाज दे रहा था तो वहीं राष्ट्रीय आंदोलनों के साथ भी एकाकार था। लोगों को उनकी कूपमंडूकता से निकाल रहा था। उन्होंने कहा कि आज शक्ति के सौ साल के इस अवसर पर आज की हमारी पूरी पत्रकारिता को देखने का मौका भी है उस बहाने हम याद करें कि कैसे विपरीत दौर में शक्ति ने लोगों में प्रगतिशील चेतना देने का काम भी किया।

शक्ति के बहाने प्रो. शेखर पाठक ने उत्तराखंड में पत्रकारिता के इतिहास को यहां को आंदोलनों के विकास के साथ के क्रम में बताया। बहुत से किस्से उन्होंने सुनाए जो कि सभी के लिए बहुत दुर्लभ थे। उन्होने बताया कि एनडी तिवारी ने मात्र सत्रह साल की उमर् में अपनी पहली कविता शक्ति के लिए लिखी थी। इसेक अलावा सुमित्रानंदन पंत, श्यामाचरण पंत, गौर्दा जैसे लोगों की कविताओं को शक्ति मे स्थान मिलता था। उसने लोगों की साहित्यक चेतना को बढ़ाने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई।

इस मौके पर मीडिया स्टडीज विभाग के संयोजक प्रो, भूपेन सिंह ने कहा कि शक्ति अखबार के सौ सालों को आज हम याद करने की जरूरत है कि कैसे विपरीत हालातों में इतना प्रगतिशील अखबार न केवल अपने पूरे सम्मान के साथ निकला बल्कि उसने पत्रकारिता के बुनियादी वसूलों को जिंदा रखा ये आज की पत्रकारिता के लिए सीखने की बात है।

इस मौके पर कुमांऊनी कवि जगदीश जोशी, भाषाविद् प्रयाग जोशी, कवि साहित्यकार व शिक्षक महेश पुनेठा, रघु तिवारी, शिक्षक नेता प्रो, सुनील पंत, विनीत फुलारा, भास्कर उप्रेती, उत्तराखंड मुक्त विवि के कुलसचिव आर सी मिश्र, वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल बोहरा, इतिहास के प्रोफेसर गिरिजा पांडे, राकेश रयाल, राजेन्द्र क्वीरा, राजेन्द्र कैड़ा, भावना लखेड़ा, समेत कई शिक्षक व स्टूडेंट मौजूद रहे।

हैलो हल्द्वानी के ऐप का उद्घाटन

शक्ति अखबार के सौ साल पूरे होने पर आयोजित व्याख्यान में प्रो, शेखर पाठक ने उत्तराखंड मुक्त विवि के रेडियो हैलो हल्द्वानी के ऐप का उद्घाटन किया। इस मौके पर रेडियो ने अपने अभी तक के सफर को एक डाक्यूमेंट्री के माध्यम से दिखाया। रेडियो को निदेशक प्रो, गिरिजा पांडे ने कहा कि इस ऐप के उद्घाटन के बाद अब हैलो हल्द्वानी 91.2 एफएम को हल्द्वानी के दायरे से बाहर निकल देश दुनिया में कहीं भी सुना जा सकता है। हैलो हल्द्वानी हल्द्वानी शहर की बदलती धड़कने को समझने की कोशिश मे है और एक खूबसूरत शहर के बनने में अपना योगदान दे रहा है।

विश्वविद्यालय में नवनियुक्त कुलपति जी का कार्यभार ग्रहण

माननीय श्री राज्यपाल उत्तराखण्ड एवं कुलाधिपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के आदेश संख्या-4190/जी0एस0/शिक्षा/C7-12(1)/2019 दिनांक 04 फरवरी, 2019 के अनुपालन में प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी द्वारा दिनांक 08 फरवरी, 2019 को अपरान्ह में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया गया।

दिनांक 9 फरवरी, 2019 को मा0 कुलपतिजी द्वारा अध्ययन सामग्री आपूर्ति एवं वितरण विभाग के प्रभारी डॉ0 सूर्यभान सिंह एवं अन्य स्टाफ की बैठक ली गई जिसमें विद्यार्थियों तक यथासमय अध्ययन सामग्री पहुंचाना सुनिश्चित किया गया।

दिनांक 11 फरवरी, 2019 को नवनियुक्त माननीय कुलपति जी द्वारा समस्त शिक्षणेत्तर तथा शैक्षिक कार्मिकों को सम्बोधित किया गया। सर्वप्रथम कुलपति जी द्वारा सभी कार्मिकों से परिचय लिया गया तथा सभी विभागाध्यक्षों ने कुलपतिजी को विभागों की समस्याओं से अवगत कराया। कुलपति जी द्वारा विश्वविद्यालय को यूजीसी 12 बी और नेक की मान्यता दिलाने हेतु प्राथमिकता से कार्य किये जाने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय द्वारा पांच दिवसीय Refresher Program on Research Methodology in the field of Special Education and Disability Rehabilitation का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविध्यालय, हल्द्वानी द्वारा RCI, New Delhi के वित्तीय सहयोग से पांच दिवसीय Refresher Program on Research Methodology in the field of Special Education and Disability Rehabilitation आयोजन श्री दर्शन महाविद्यालय, मुनि की रेती, ऋषिकेश में किया गया । Refresher Program का उद्घाटन दिनांक 28, फरवरी 2019 को मुख्य अतिथि श्री मनोहर कांत ध्यानी (पूर्व

राज्यसभा सांसद), विशिष्ट अतिथि श्री ज्ञान सिंह नेगी, उपाध्यक्ष, स्वास्थ्य सलाहकार समिति, उत्तराखंड, प्रो. ओ. पी.एस. नेगी, कुलपति, उत्तराखंड मुक्त विश्वविध्यालय के द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया।

मुख्य अतिथि श्री मनोहर कांत ध्यानी (पूर्व राज्यसभा सांसद), विशिष्ट अतिथि श्री ज्ञान सिंह नेगी, उपाध्यक्ष, स्वास्थ्य सलाहकार समिति, उत्तराखंड का स्वागत करते कुलपति प्रो. ओ. पी.एस. नेगी

उद् घाटन सत्र के मुख्य वक्ता डॉ राजेश नैथानी, सलाहकार, संसदीय आश्वासन समिती,लोकसभा,भारत सरकार ने अपने वक्तव्य मे कहा कि शोध मे सबसे महत्वपूर्ण ऑकडो की भूमिका होती है। ऑकडे अगर सही है तो परिणाम भी सही ओर वैध होंगे। दिव्यांगो की शिक्षा ओर पुनर्वास मे शोध हेतु नवोन्मेषी प्रयोग पर बल दिया। श्री दर्शन महाविद्यालय के अध्यक्ष श्री वंशीधर पोखरियाल ने अपने स्वागत भाषण मे सभी अतिथियो एवं प्रतिभागियो का स्वागत करते हुये शोध सम्बंधी कार्यशाला को सभी के लिये लाभकारी बताया। विशिष्ट अतिथि श्री ज्ञान सिंह नेगी ने अपने उद्बोधन मे कहा कि शिक्षक का कर्तव्य अपने छात्रो को संस्कारी एवं ज्ञानवान बनाना है।इसके लिये शिक्षक को अपने शिक्षण मे लगातार नित नये प्रयोग करने होंगे।

अतिथियों को संबोधित करते मुख्य अतिथि श्री मनोहर कांत ध्यानी तथा कार्यक्रम में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

मुख्य अतिथि श्री मनोहर कांत ध्यानी ने अपने वक्तव्य मे कहा कि शोध हेतु अपने मन को एकाग्र करना जरुरी है।शोध ऐसा हो जो सबके लिये हितकारी होने के साथ ही लाभदायक भी हो। उन्होंने अपेक्षा की कि

कार्यशाला मे आये प्रतिभागी विशेषज्ञों के व्याख्यानों का लाभ लेकर भविष्य मे दिव्यांगो की शिक्षा ओर पुनर्वास हेतु अपना योगदान देंगे। कुलपति प्रो. ओ. पी.एस. नेगी ने अपने सम्बोधन मे कहा कि मुक्त विश्वविध्यालय द्वारा दिव्यांगो की शिक्षा से सम्बंधित विभिन्न पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। साथ ही दिव्यांग विध्यार्थियो को परीक्षा एवं प्रवेश के समय केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशानुसार बाधारहित वातवरण एवं सुविधाये प्रदान की जा रही हैं।

Refresher Program के सन्योजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने अपने उद्बोधन मे कार्यशाला के उद्देश्यो एवं महत्व को बताया। श्री दर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राधामोहन द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला मे 70-80 विशेष शिक्षक ओर शोध छात्र उपस्थित रहे।

अतिथियों को सम्बोधित करते कुलपति प्रो0 ओपीएस नेगी

सामुहिक स्वच्छता कार्यक्रम

योग कार्यशाला के दौरान योग विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के स्नातक तथा परास्नातक के कुल लगभग 800 छात्र-छात्राओं के साथ दिनांक 24 फरवरी 2019 दिन रविवार को प्रात: 11 से 3 बजे तक 'स्वच्छता ही सेवा'अभियान का पहली बार हरिद्वार में आयोजन किया गया ।

इस कार्यक्रम में **श्री जन्मेजय खंडूरी SSP हरिद्वार** मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक नगर **सुश्री कमलेश उपाध्याय** थीं । इस अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत-समृद्ध भारत का आयोजन किया गया। आयोजन के अंतर्गत वेद निकेतन धाम से हर की पौड़ी तक स्वच्छता का अभियान चलाया गया। अभियान में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के योग विभागाध्यक्ष डॉ भानु प्रकाश जोशी के नेतृत्व में योग शिक्षकों सहित 800 शिक्षार्थियों ने भाग लिया। अभियान के अंतर्गत भारी मात्रा में कूड़ा, प्लास्टिक से बनी वस्तुएं एकत्रित की गई।

योग कार्यशाला के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा हरिद्वार में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

श्री खण्डूरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हरिद्वार में यह मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, इसका एक कारण भी है इसका भाव योग से जुड़ा है और योग भारत की पहचान भी है। आज के युग में भारत को जितना जाना जाता है योग के लिए जाना जाता है। योग को जितना बढ़ावा देंगे उससे हम स्वस्थ भी रहेंगे और हमारी पहचान भी बढ़ती जाएगी। आज देश-विदेश के जो लोग यहां आते हैं वे इसलिए आते हैं क्योंकि योग हमारे संस्कृति से जुड़ा है। योग आंतरिक शुद्धता तो करता ही है बाहरी शुद्धता को भी बढ़ाता है। लोग ऋषिकेश या पहाड़ों पर इसलिए जाते हैं क्योंकि वहां का वातावरण शुद्ध है। जब इस तरह के स्वच्छता अभियान चलाए जाते हैं तब उसका मुख्य उद्देश्य वायु को शुद्ध करना होता है, जिससे हमारा संपूर्ण वातावरण शुद्ध होता है। यदि वातावरण शुद्ध न हो तो शरीर और मन पर उसका दुष्प्रभाव पडना निश्चित है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सी.ओ. नगर अभय सिंह, एस.एच.ओ. श्री कोश्यारी, हरकी पौडी चौकी प्रभारी श्री अजय साह खडखडी चौकी प्रभारी श्री राजेन्द्र रावत के साथ कई पूलिस कर्मियों का सराहनीय सहयोग रहा।

स्वच्छता कार्यक्रम में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

अति महत्वपूर्ण - स्वच्छता कार्यक्रम के शुभारम्भ पर योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ भानु जोशी के आग्रह पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार श्री जन्मेजय खण्डूरी द्वारा निम्न शपथ 800 विद्यार्थियों को कराई गई।

देश की रक्षा में शहीद होने वाले हमारी सैन्य शक्तियों के प्रति विनम्र श्रद्धान्जलि अर्पित करते है।

हम सब प्रतिज्ञा करते हैं कि-

राष्ट्र हित में अपने अदम्य शौर्य और निस्वार्थ बलिदान का परिचय देने वाले देश के प्रत्येक सैनिक का सभी धर्म , समुदाय, जाति अथवा वर्ग की संकुचित भावना से अलग हटकर सदैव सम्मान करेंगे तथा अन्य नागरिकों को भी इस कार्य हेतु प्रोत्साहित करेंगे। देश हित को सदैव सबसे ऊचा स्थान देगें। सेना या अर्ध सैनिक बलों के प्रति सम्मान का भाव रखेगें। अपने महान देश भारतवर्ष के निष्ठावान नागरिक होने के नाते हम मिलकर अथवा अकेले मनुष्य के रूप में अपने घर ,मोहल्ले , नगर , राज्य एवं देश के सभी सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत स्थानों की स्वच्छता का कार्य अपना नागरिक कर्तव्य समझकर सम्पूर्ण ईमानदारी एवं लगन से करेंगे तथा अपने पर्यावरण के सभी अवयवों की स्वच्छता हमारा पुनीत कर्तव्य होगा।

जय हिन्द! जय भारत!

वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय के 29 विद्यार्थी यू0जी0सी0 नेट उत्तीर्ण

कुलपति जी को यह जानकर बडी प्रसन्नता हुई कि योग विभाग के एम0 ए0 दितीय वर्ष के 29 विद्यार्थियों ने यू0जी0सी0 नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा कुलपति जी ने यू0जी0सी0 नेट उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई दी तथा व्यक्तिगत रूप से बात कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है।

S NO	Name	Enrolment no	Comment
1	Jitendra Kumar	16092366	

2	Sachchidanand Prasad	16092649	
3	Aditya Kumar	16096868	
4	Jyoti Sharma	15065000	
5	Monika patel		
6	Alok kumar	17100156	JRF, AIR 3 Dec 2018
7	Bhuneshwar kumar naik	16091230	
8	Shubham vaish	15069362	JRF, AIR 2 Dec 2018
9	Raviant vashishth	17113265	JRF July 2018
10	Ayodhya pd Saini	17105052	
11	Shruti pathak	15074143	
12	Priyanka gupta	15070392	
13	Ramadhar bhaiti	16080620	
14	Shakti singh	15063055	
15	Jyoti dalal	16078696	
16	Mohit kataria	17102938	
17	Devendra kumar	15071795	JRF
18	Dinesh mudgal	15069867	JRF
19	Sapana yadev	15069871	JRF
20	Suraj pal	16080710	
21	Parvindra kaur	14053178	
22	Nand kishor	13042457	
23	Avraj meena	15060623	
24	Narendra kumar	16087050	
25	Srimila	15069879	
26	Akhelesh	----	
27	Vikram Khani	16090886	
28	Pushpa	12020913	
29	Hemant Khulbae	------	
30	Nitin Agnihotri	12021415	

"To prevent alcohol and drug abuse in the family, schools/college and community" विषय पर कार्यशाला का आयोजन

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायतशासी संस्थान राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नयी दिल्ली (National Institute of Social Defence,New Delhi) द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के सहयोग से "**To prevent alcohol and drug abuse in the family, schools/college and community**"नामक विषय पर दिनांक 06/02/2019 से 07/02/2019 तक कार्यशाला का आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज, थेलीसैण के

कार्यशाला को संबोधित करते मुख्य अतिथि श्री जगदीश ममगाई

सभागार मे किया गया। दिनांक 06/02/2019 को कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि श्री जगदीश ममंगाई, विशिष्ट अतिथि श्री आनंद सिंह, ग्राम प्रधान कैन्युर एवं अध्यक्षता ब्लोक शिक्षा अधिकारी श्री एस.डी. वर्मा ने की। मुख्य अतिथि श्री जगदीश ममंगाई ने अपने संबोधन में राठ क्षेत्र की महत्ता बताते हुये छात्रों से अपील की कि वे अपनी ऊर्जा देश ओर राज्यके विकास मे लगाये।मद्यपान एवं नशे से अपने को दूर करना होगा जिससे ऊर्जा सकारात्मक कार्यो मे लगी रहे। विशिष्ट अतिथि श्री आनंद सिंह ने प्रतिभागियों से नशे-शराब की जगह किताबों के ज्ञान में अपना समय व्यतीत करने का आव्हान किया क्षेत्र पंचायत सदस्य अमर सिंह द्वारा अपने संबोधन में कहा कि आज वर्तमान समय मे युवा उपेक्षा का शिकार होकर धीरे-धीरे नशे की गिरफ्त मे जा रहा हैं। अतएव अभिभावको को अपने युवा बच्चों के साथ अधिकाधिक समय व्यतीत करने के साथ उनकी निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे बच्चे नशे से दूर रहें।

राजकीय इंटर कॉलेज, थेलीसैण के प्रधानाचार्य श्री राजपाल सिंह द्वारा प्रतिभागियों एवं छात्रो को नशा मुक्त भारत बनाने कि अपील करते हुए समाज व क्षेत्र की सुरक्षा हेतु युवाओं से नशा एवं शराब जैसी बुराइयों से स्वयं के साथ ही लोगों को भी दूर रहने के लिये जागरूक करने की अपील की।

ब्लोक शिक्षा अधिकारी श्री एस.डी. वर्मा ने वर्तमान पीढ़ी को शराब व नशे की लत से खोखला किये जाने पर चिंता व्यक्त की। शिक्षा एवं जनजागरण के द्वारा ही इस सामाजिक बुराई को दूर किया जा सकता है। कार्यशाला संयोजक डॉ० सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा शराब व नशे के द्वारा परिवार मे कलह व बच्चो पर पडने वाले दुष्प्रभाव की चिंता व्यक्त की गई व समाज की क्षति के लिए नशे के दुष्प्रभाव को जिम्मेदार बताया गया।

प्रथम दिवस में हेमवती नन्दन, गढ़वाल विवि के पौडी परिसर की पूर्व प्रवक्ता डॉ निधि बडथ्वाल ने नशे से ग्रस्त व्यक्तियों की मनोदशा को बताते हुये उनके उपचार सम्बंधी विधियो के बारे मे बताया। नशे के प्रकारो व शरीर मे उनसे होने वाले नुकसान के बारे बताया। कार्यशाला संयोजक डॉ० सिद्धार्थ पोखरियाल ने बताया कि WHO द्वारा एल्कोहोल को वर्तमान मे गम्भीर बीमारियो के समूह मे रखा गया है। एल्कोहोल के अधिक सेवन से शरीर मे होने वाले नुकसान की जानकारी दी। शराब के द्वारा परिवार पर पड़ने वाले दुश्प्रभाव के विषय मे बताया। अंत मे कार्यशाला मे आये प्रतिभगियो से शराब व नशे के द्वारा समाज मे बढ़ रही विकृति के संदर्भ में चर्चा की।

कार्यशाला को सेबोधित करते ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री एस.डी. वर्मा

कार्यशाला के दूसरे दिन दिनांक 07/02/2019 को डॉ निधि बडथ्वाल ने ने नशा मुक्ति केंद्रो की कार्यशैली से अवगत कराया। साथ ही इन केंद्रो मे भर्ती होने वाले नशे से ग्रस्त व्यक्तियो की प्रतिदिन की जीवन शैली के बारे मे जानकारी दी। साथ ही स्कूली बच्चों को नशे के प्रभावों व उनसे बचाव के बारे में बताया गया |डॉ० सिद्धार्थ

पोखरियाल ने शराब के द्वारा हमारे मन मस्तिषक पर पडने वालेदुश्प्रभाव की जानकारी प्रदान की। युवाओ द्वारा नशे के नये आधुनिक एवं नवीन माध्यमो के प्रयोग के बारे मे बताया।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्य अतिथि बीडीओ श्री बी पी जुयाल जी रहे।अपने सम्बोधन मे श्री बी पी जुयाल ने कहा युवा पीढ़ी को मद्यपान एवं नशे के चुंगल से बचने की सलाह दी |वर्तमान में युवाओं के साथ युवतियां भी नशे की आदी हो रही, नशे में लिप्त व्यक्ति को समाज और परिवार के लिए दुखदायी बताया। साथ ही प्रतिभगियो को समाज मे लोगो को जागरूक करने की अपील भी की । कार्यशाला संयोजक डॉ० सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा वर्त्तमान में नशे के नए नए प्रकारों के बारे में और उनसे बचाव सम्बन्धी जानकारी दी और शराब बंदी पर हुए विभिन्न आन्दोलनों की जानकारी दी।

कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

प्रतिभागी छात्र विक्रम सिंह ने राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नयी दिल्ली एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा कराई जा रही नशा विरोधी कार्यशाला को समस्त कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए लाभकारी बताया। बैजरो कॉलेज के प्रधानाध्यापक सुशील चंद द्वारा नशे के खिलाफ कविता पाठ किया गया। प्रधानाचार्य राजपाल सिहं द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया| कार्यक्रम में थैलीसैंण ब्लाक के कपरोली, मझगांव, गंगाऊ, रिंग्वाणी के इंटर कॉलेज के शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे. कार्यशाला मे महिला मंगल दल थेलीसैण की महिलाये भी उपस्थित रही।

राष्ट्रीय मुल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा तैयार की जा रही नियमावली हेतु सूचनाओं का प्रेषण

राष्ट्रीय मुल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा मुक्त विश्वविद्यालयों के लिए तैयार की जा रही नियमावली के सम्बन्ध में चाहे गए सुझाव विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न सम्बन्धित विभागों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर राष्ट्रीय मुल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलोर को प्रेषित किये गए| इसमें विश्वविद्यालय के प्रवेश, परीक्षा, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किये जा रहे पाठयक्रम, इकाई लेखकों, अनुवादकों व संपादकों की संख्या, वित्त से सम्बंधित सूचनाएं, पुस्तकालय व् सुचना व प्रोधौगिकी व बाह्य संस्थायों से किये जाने वाले अनुबंधों के सम्बन्ध में जानकारी चाही गई थी।

❖ शिक्षार्थियों हेतु मुफ्त FOSS कोर्स की सुविधा (Free Open Source Software (FOSS) Course for Learners)

विश्वविद्यालय द्वारा free open source software (FOSS) को बढ़ावा देने हेतु spoken Tutorial IIT, Bombay से अनुबंध किया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत सभी छात्रों को free open source software (FOSS) कोर्स के बारे में ऑनलाइन जानकारी दी जाएगी तथा कोर्स की समाप्ति के बाद आई0 आई0 टी0, बॉम्बे की ओर से प्रमाण पत्र भी दिये जायेंगे। इस हेतु सभी छात्रों को spoken Tutorial IIT, Bombay की वेब साईट http://spoken-tutorial.org/ पर जाकर all courses के ड्राप डाउन मेनू में से अपनी रुचि के अनुसार कोई भी कोर्स चुन सकते है ये सारे कोर्स के व्याख्यान ऑडियो विडियो के रूप में उपलब्ध होंगे तथा ये सभी कोर्स इन्टरनेट के माध्यम से आसानी से डाउनलोड करके प्राप्त किये जा सकते है यह कोर्स दोनों ही भाषा हिंदी तथा अंग्रेज़ी में उपलब्ध है।

स्पोकन ट्यूटोरियल की कुछ विशेषताएं इस प्रकार है: -

- सीखने की पद्धति स्वयं सीखने के लिए बहुत फायदेमंद है।
- स्पोकन ट्यूटोरियल के ऑडियो विडियो ट्यूटोरियल हिंदी तथा अग्रेजी दोनों माध्यमों में उपलब्ध है।
- स्पोकन ट्यूटोरियल के ऑडियो विडियो व्याख्यान इन्टरनेट के माध्यम से आसानी से प्राप्त किये जा सकते है।
- स्नातक, स्नातकोत्तर या शोध के छात्रों और यहाँ तक कि विज्ञान, आईटी, इंजीनियरिंग,वाणिज्य, प्रबंधन और अन्य विषयों के छात्र व शिक्षक किसी भी अतिरिक्त मार्गदर्शन के बिना इसे FOSS (Free Open Source Software) आसानी से सीख सकते हैं।
- स्पोकन ट्यूटोरियल को ई-गाइड माना जा सकता है ताकि छात्र किसी अन्य माध्यम से सीखने और विशेषज्ञों की सहायता के बिना स्वयं ही विभिन्न प्रकार के सॉफ़्टवेयर के बारे में ज्ञान अर्जित कर सकते है।

कोर्स की समाप्ति के बाद छात्र छात्राओं यदि चाहे तो अपनी रुचि के अनुसार किसी भी कोर्स की आकलन परीक्षा दे सकते है, यदि वे परीक्षा उत्तीर्ण करते है , तो स्पोकन ट्यूटोरियल, आईआईटी बॉम्बे द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किये जायेंगे।

पाठ्यक्रमों की मान्यता के सम्बन्ध में यूजीसी अध्यक्ष से वार्ता

मा0 कुलपति जी तथा प्रो0 मिश्र यूजीसी अध्यक्ष से भेंट करते हुए।

माननीय कुलपति जी द्वारा दिनांक 03 अप्रैल, 2019 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर डी0 पी0 सिंह से विश्वविद्यालय से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विषयों में चर्चा हेतु बैठक की गई।

बैठक में मा0 कुलपति जी के साथ प्रो0 आर0सी0मिश्र, निदेशक तथा डॉ0 गगन सिंह, यूजीसी नोडल ऑफिसर ने भी प्रतिभाग किया।

कुलपति जी द्वारा अध्यक्ष महोदय से विश्वविद्यालय की पाठ्यक्रमों तथा अध्ययन केन्द्रों से सम्बन्धित गतितिधियों एवं विज्ञान में स्नात्कोत्तर विषयों की मान्यता के सम्बन्ध में वार्ता की गई।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा गठित चार सदस्यीय समिति द्वारा विश्वविद्यालय का दो दिवसीय दौरा

कुलपति जी द्वारा यूजीसी सदस्यों का स्वागत

मुक्त व दूरस्थ अधिनियम, 2017 के अनुपालन की सुनिश्चतता हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा गठित चार सदस्यीय समिति द्वारा विश्वविद्यालय का दो दिवसीय दौरा किया गया। इस समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर प्रताप सिंह चौहान, कुलपति, गोविंद गुरू विश्वविद्यालय, गोधरा, गुजरात, सदस्य प्राफेसर आर0के0एस0 ढाकरे, बी0आर0 अम्बेडकर, विश्वविद्यालय, आगरा व प्रोफेसर एस0बी0 अग्रवाल, बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, के अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सयुंक्त सचिव डा0 जितेन्द्र त्रिपाठी समिति के समन्वयक थे। समिति के इस दो दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली व प्रगति के बारे में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जाना व विश्वविद्यालय के अधिकारीयों, शिक्षकों व कर्मचारियों से भी बातचीत की।

विश्वविद्यालय का निरीक्षण करती यूजीसी की टीम

इसके अतिरिक्त उन्होंने विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों की व्यवस्था जानने के लिए विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र एम. पी. जी. कॉलेज व आम्रपाली संस्थान का भ्रमण भी किया। समिति द्वारा चाहे गए सभी सम्बंधित दस्तावेज भी उन्हें उपलब्ध करवाए गए। समिति द्वारा आश्वाशन दिया गया कि शीघ्र ही विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा विश्वविद्यालय में संचालित किये जाने वाले पाठयक्रमों के सम्बन्ध में अवगत कराया जायेगा

उपराष्ट्रपतिजी द्वारा डॉ जीतेंद्र पाण्डे, सहायक प्राध्यापक, कम्प्यूटर साइंस स्वर्ण पदक से सम्मानित

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में कंप्यूटर साइंस विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ जीतेंद्र पाण्डे को भारत के उपराष्ट्रपति श्री वेकैया नायडू द्वारा दिनांक ०३ अप्रैल को इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के ३२वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। उल्लेखनीय है की इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, जोकि मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में भारत का नीति निर्माता भी है, हर वर्ष ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ट इनोवेशन हेतु स्वर्ण पदक दिया जाता है।

डॉ॰ पाण्डे उपराष्ट्रपति श्री वेकैया नायडू से स्वर्ण पदक प्राप्त करते हुए।

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की चयन समिति द्वारा डॉ. जीतेंद्र पाण्डेय का चयन वर्ष 2018 के इस स्वर्ण पदक के लिए किया गया। उनको यह पुरस्कार उनके प्रोजेक्ट “Integrated Open and Distance Learning Through ICT for Sustainable Development” हेतु दिया जा रहा है। इस नवाचार के माध्यम से डॉ जीतेंद्र पाण्डे ने प्रदर्शित किया की किस प्रकार ओपन एवं डिस्टेंस लर्निंग के क्षेत्र में सूचना प्रोद्योगिकी का उपयोग करके शिक्षा की पहुँच को दूर दराज के क्षेत्र में कैसे पहुचाया जा सकता हैं तथा पढने–लिखने की प्रकिया को सरल, रोचक और ज्ञानवर्धक बनाया जा सकता है।

कुलपति जी द्वारा दिनांक 3 अप्रैल, 2019 को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के EMPC (Electronic Media and Production Center) का भ्रमण किया गया जिसमें उनके द्वारा विभिन्न जानकारीयॉ प्राप्त की गई। जिन्हें भविष्य में विश्वविद्यालय में ई0एम0पी0सी0 को स्थापित किये जाने हेतु किया जायेगा।

कुमांऊ क्षेत्र में स्थापित अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, (दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा) विनियम, 2017 में उल्लिखित प्रावधानों में दी गई व्यवस्थाओं के अनुरूप छात्र सहायता सेवाओं को सुदृढ़ किये जाने एवं उपरोक्त विनियम के अनुसार छात्र सहायता सेवाओं का दक्षतापूर्वक संचालन सुनिश्चित किया जाना है। इस सम्बन्ध में आगामी अकादमिक सत्र प्रारभ होने से पूर्व अध्ययन केन्द्रों को विश्वविद्यालय के साफ्टवेयर SIS (Student Information System) की कार्यप्रणाली से सुपरिचित कराये जाने के साथ–साथ प्रवेश, पुस्तक वितरण, एवं परीक्षा सम्बन्धि नवीनतम प्रक्रियाओं से अवगत कराये जाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा संचालित समस्त अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की बैठक का आयोजन कराया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा **दिनांक– 27 मई, 2019 से 29 मई, 2019** तक तीन दिवसीय कुमांऊ क्षेत्र में स्थापित अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय मुख्यालय, हल्द्वानी में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मा0 कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस नेगी द्वारा किया गया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया से लेकर उपाधि दिये जाने तक की सभी कार्यप्रणाली की समस्त जानकारी उपलब्ध कराना है।

कुलपतिजी द्वारा कार्याशाला को संबोधित करते हुए कहा कि अध्ययन केन्द्र विश्वविद्यालय की रीढ़ हैं तथा उन्हें बेहतर सुविधाऐं मुहैया कराए जाने की जरूरत है जिससे वे अध्ययन केन्द्रों में पंजीकृत छात्रों को सुविधाऐं दे सके। निदेशक, क्षेत्रीय सेवायें प्रो0 गिरिजा पाण्डे द्वारा कार्यशाला के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया। डॉ0 एम0एम0 जोशी, प्रभारी प्रवेश द्वारा प्रतिभागियों को प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। इसी क्रम में डॉ0 सूर्यभान सिंह, प्रभारी पुस्तक वितरण द्वारा पुस्तक वितरण प्रणाली, परीक्षा नियंत्रक प्रो0 पी0डी0 पंत ने परीक्षा प्रणाली तथा डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डे द्वारा आई0टी0 प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की गई।

कार्यशाला के प्रथम दिन क्षेत्रीय कार्यालय, हल्द्वानी के अध्ययन केन्द्रों में 21 अध्ययन केन्द्र के 42 समन्वयकों/सहायक समन्वयक/कार्यालय सहयोगियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला को संबोधित करते मा0 कुलपति

कार्यशाला का समापन मा0 कुलपति जी द्वारा किया गया तथा उनके द्वारा अध्ययन केन्द्रों को बेहतर बनाने तथा सुदूरवर्ती क्षेत्रों में आम लोगों तक पहुँचाने पर जोर दिया गया। विश्वविद्यालय के आई0टी0 विभाग से डॉ0 जीतेन्द्र द्विवेदी और श्री राजेन्द्र गोस्वामी द्वारा प्रवेश से लेकर परीक्षा तक के कार्यों में सूचना–तकनीकी के उपयोग के सम्बन्ध में जानकारी दी गई।

कार्यशाला के दूसरे दिन, दिनांक 28 मई, 2019 को रानीखेत तथा बागेश्वर में संचालित 13 केन्द्रों के 26 अध्ययन केन्द्र समन्वयकों/सहायक समन्वयक/कार्यालय सहयोगियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कार्यशाला के तीसरे दिन, दिनांक 29 मई, 2019 को पिथौरागढ़ में संचालित 09 केन्द्रों के 13 अध्ययन केन्द्र समन्वयकों/सहायक समन्वयक/कार्यालय सहयोगियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

एकदिवसीय कुलपतियों की बैठक में प्रतिभाग

दिनांक 22 मई, 2019 को एक दिवसीय कुलपतियों की बैठक का आयोजन भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा किया गया जिसमें मा0 कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी द्वारा प्रतिभाग किया गया।

बैठक की अध्यक्षता डॉ0 शकुंतला ग्रेमबलिन, सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार व संयोजन डॉ0 सुबोध कुमार, सदस्य सचिव, भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा किया गया। बैठक का उद्देश्य राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों में दूरस्थ माध्यम में संचालित बी0एड0 (विशेष शिक्षा) को उन्नत बनाने हेतु किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा करना था।

बैठक में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी तथा डॉ0 सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल, समन्वयक सहित मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजराज, पं0 बंगाल, राजस्थान राज्य के मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अपने प्रस्तुतिकरण में सत्र 2019–20 से बी0एड0 (विशेष शिक्षा) पाठ्यक्रम चलाने की जानकारी दी गई।

आर0सी0आई0 द्वारा आयोजित बैठक में कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग

विश्वविद्यालय के नवीन अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोपेश्वर में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का नवीन अध्ययन केन्द्र स्थापित हो गया है। दिनांक 6 मई, 2019 को अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन मा0 कुलपति

गोपेश्वर में अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन करते मा0 कुलपति व अन्य।

द्वारा किया गया। विद्यार्थी गोपेश्वर महाविद्यालय स्थित अध्ययन केन्द्र से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपनी उच्च शिक्षा की पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। वर्तमान सत्र से ही विद्यार्थी बीए, बीएससी, बीकॉम, के सभी विषयों में प्रवेश ले सकते है जबकि एमए के लिए हिन्दी, अंग्रजी, अर्थशास्त्र, राजनीतिविज्ञान, समाजशास्त्र, भूगोल, संस्कृत, शिक्षाशास्त्र, इतिहास विषयों में पंजीकरण किया जा सकता है। इसके अलावा विद्यार्थी पत्रकारिता जनसंचार एवं कम्प्यूटर एप्लिकेशन जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश ले सकते हैं।

- दिनांक 21 मई, 2019 को सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित Increasing GER through ODL पर राष्ट्रीय कार्यशाला में मा0 कुलपतिजी द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में राज्य के मुक्त विश्वविद्यालयों और केन्द्रिय विश्वविद्यालयों (Offering education in dual mode) के कुलपति द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता इग्नू के कुलपति

प्रो0 नागेश्वर राव ने की। कार्यशाला में ODL से सम्बन्धित विस्तृत चर्चा की गई तथा रिपोर्ट MHRD को प्रेषित की गई।

कार्यशाला के समापन में मा0 कुलपति प्रो0 नेगी, इग्नू के कुलपति प्रो0 राव व अन्य

- दिनांक–23–24 मई, 2019 को यू0जी0सी द्वारा गठित निरीक्षण समिति ने JECRC University, Jaipur का निरीक्षण मा0 कुलपति, प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी की अध्यक्षता में किया गया।

JECRC University, Jaipur में निरीक्षण टीम के अध्यक्ष के रूप में प्रतिभाग करते प्रो0 नेगी

- माह मई में विश्वविद्यालय द्वारा निर्माण कार्य एजेंसियों की बैठक कराकर विश्वविद्यालय के द्वितीय चरण के अपूर्ण कार्य को प्रारंभ किया गया। अन्य निर्माण कार्य हेतु मण्डी परिषद के साथ भी बैठक आयोजित की गई।
- दिनांक–27 मई, 2019 को कुलपति जी द्वारा मा0 श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदया से अनौपचारिक भेंट की।
- दिनांक–4–5 मई, 2019 को कुलसचिव, श्री भरत सिंह द्वारा वर्धमान महावीर खुला मुक्त विश्वविद्यालय, कोटा के पुस्तक विवरण विभाग का भ्रमण किया।कुलसचिव द्वारा पुस्तक वितरण से सम्बन्धित समस्त कार्य प्रणाली तथा अनुभव प्राप्त किया गया जिसे उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में आगामी सत्र में लाभ मिल सके तथा विद्यार्थियों को पुस्तक से सम्बन्धित परेशानियों का सामना न करना पड़े।

VMOU, Kota के पुस्तक विभाग का प्रमण करते

- दिनांक–12 मई, 2019 को मा0 कुलपति जी द्वारा नारद जयन्ती के उपलक्ष्य में HEC PG College, Haridwar, द्वारा आयोजित संगोष्ठि में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

- दिनांक–7 मई, 2019 को मा0 कुलपति जी द्वारा विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र एम0बी0पी0जी0 महाविद्यालय, हल्द्वानी का निरीक्षण किया गया।
- दिनांक–16 मई, 2019 को विश्वविद्यालय की दिव्यांग कार्मिक सुश्री निर्मला को विश्वविद्यालय की ओर से एक ट्रेक सूट प्रदान किया गया।

- डॉ0 गगन सिंह सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य द्वारा उत्तराखण्ड होमियोपैथी विभाग के चिकित्याधिकारियों के लिए डॉ0 आर एस टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी द्वारा आयोजित सेवा प्रशिक्षण सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिनांक–15 मई, 2019 को "Management and Organizational Behaviour" विषय पर अपना उद्बोधन दिया।
- डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्रध्यापक, ज्योतिष द्वारा दिनांक 13 मई 2019 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बी0एच0यू0) के ज्योतिष विभाग में एम.ए. (आचार्य) पाठ्यक्रम के छात्रों का प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षा विषय विशेषज्ञ के रूप में लिया गया।
- डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्रध्यापक, ज्योतिष द्वारा दिनांक 14 मई 2019 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बी0एच0यू0) के ज्योतिष विभाग में 'ज्योतिषशास्त्र की प्रासंगिकता'' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून 2019 को **पंचम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस** के शुभ अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के योग विभाग ने भी विश्वविद्यालय मुख्यालय में एक **'सामूहिक योगासन'** कार्यक्रम **(Common Yoga Protocol)** आयोजित किया। इस आयोजन को दो चरणों में विभाजित किया गया था।

विश्व योग दिवस के **प्रथम चरण** के रूप में **'कॉमन योग प्रोटोकॉल'** के अन्तर्गत सुबह 7.00 से 8.00 बजे तक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इस सत्र का उदघाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ0पी0एस0 नेगी, निदेशक,स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रो0आर0 सी0 मिश्र, कुलसचिव श्री भरत सिह तथा योग विभाग के समन्वयक डॉ० भानु प्रकाश जोशी ने दीप प्रज्जवलन तथा विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ किया। इसके उपरान्त आयुष मंत्रालय द्वारा अनुमोदित योगाभ्यासों का अभ्यास सभी ने सामूहिक रूप से किया। योगाभ्यास का आरम्भ निम्न प्रार्थना से किया गया;

ॐ संगच्छध्वं संवदध्वं
संवो मनांसि जानताम्

योग दिवस में प्रतिभाग करते कुलपति, कुलसचिव, विद्यार्थी व अन्य।

देवाभागं यथा पूर्वे
सज्जनानां उपासते।

इस अवसर पर कुलपति, कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक एवं कार्मिकों के अतिरिक्त 60 की संख्या में छात्र, प्रशिक्षार्थी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। सभी ने विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों तथा प्रशिक्षुओं की देखरेख में योगाभ्यास किया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में एक विचार-गोष्ठी का आयोजन किया गया, इस सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर ओ0 पी0 एस0 नेगी ने की।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं कुलसचिव प्रोफेसर आर०सी०मिश्र ने भारत की प्राचीन योग परम्परा का विश्लेषण करते हुए वर्तमान मानवीय जीवन की पूर्णता के लिए योग की आवश्यकता को रेखांकित किया। प्रो0 मिश्र ने कहा मानव शरीर में ऊर्जा के कई केन्द्र हैं उनमें से अनवरत ऊर्जा निकलते रहती है। शरीर से इस ऊर्जा को एकत्र कर सही दिशा में लगाने की कला योग है।

प्रतिभागियों को योग कराते विश्वविद्यालय की विद्यार्थी

कार्यक्रम के अध्यक्ष, कुलपति प्रोफेसर ओ0 पी0 एस0 नेगी ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए पॉचवे विश्व योग दिवस की शुभकामनाएँ दी। अपने संक्षिप्त वक्तव्य में कुलपति महोदय ने कहा कि योग परम्परागत भारतीय जीवन का अभिन्न अंग है, योग को उन्होनें सात्विक जीवन पद्धति का अनिवार्य अंग बताते हुए तन एवं मन की शुद्धता के लिए अति आवश्यक बताया। कुलपति जी ने कहा कि योग की सम्पूर्ण विचार पद्धति एक तरफ जहाँ शान्ति प्रदान करने वाली कला के रूप में हमारे सामने है वहीं मूलत योग सूक्ष्म विज्ञानपरक पद्धति भी है। विश्वविद्यालय के अतिरिक्त अन्य सम्बद्ध राज्य के विविध 26 अध्ययन केन्द्रों में **अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस** के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ भानु प्रकाश जोशी ने सभी उपस्थित व्यक्तियों, शिक्षकों, कार्मिकों एवं विद्यार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा योग विभाग की गतिविधियों से विद्यार्थियों को परिचित कराया। कार्यक्रम के अन्त में कुलसचिव श्री भरत सिंह ने उपस्थित व्यक्तियों, शिक्षकों, कार्मिकों एवं विद्यार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

योग दिवस में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक से शिष्टाचार भेंट

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी ने दिनांक- 18 जून, 2019 को दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक से शिष्टाचार भेंट की। प्रो0 नेगी ने महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मदारी मिलने पर डॉ0 निशंक को बधाई दी।

कुलपति ने डॉ0 निशंक से राज्य के कई विश्वविद्यालयों का अभी यू जी सी अनुदान और नेक अक्रिडीशन की परिधि में न आने की बात कही, उन्होंने कहा कि इस कारण इन विश्वविद्यालयों को यू जी सी अनुदान नहीं मिल पा रहा है और न ही यूजीसी रिसर्च प्रोजेक्ट तथा यू जी सी के पद मिल पा रहे हैं। इस से विश्वविद्यालयों में शोध और गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान नही हो पा रही है।

उन्होंने राज्य के एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय जो यहां की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप उपयोगी है, की बातें भी मानव संसाधन मंत्री के सम्मुख रखीं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में स्थित है, लेकिन सम्पूर्ण उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र है।

मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ0 निशंक से भेंट करते कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के कडे नियमों के चलते विश्वविद्यालय यूजीसी '12 बी' में शामिल नहीं हो पा रहा है। जिसके चलते विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के लाभ विश्वविद्यालय को नहीं मिल पा रहे हैं।

यूजीसी के नियमानुसार विश्वविद्यालय को '12 बी' में आने के लिए कम से कम 40 एकड भूमि चाहिए जो कि अभी तक विश्वविद्यालय के पास 25 एकड ही है, राज्य की भोगोलिक परिस्थितयों के अनुरूप यह कठिन है। उन्होंने डॉ0 निशंक से अनुरोध किया है कि यहां की भोगोलिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुये इस तरह के मानकों में राज्य के लिए विशेष छूट दिये जाने के प्रावधान पर विचार किया जाता है तो यह निर्णय राज्य के हित में होगा।

सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग सेउत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की कार्यशाला का अयोजन

पौड़ी-

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा पौडी ब्लाक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन हे. न. ब. गढ्वाल विवि के पौडी परिसर में दिनाँक 31 मई से 1 जून 2019 को आयोजित की गयी| कार्यशाला का उद्घाटन पौडी परिसर निदेशक प्रो के. सी.पुरोहित, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय क्षेत्रिय केंद्र के निदेशक प्रो. ए.के. डोबरियाल एवं प्रो. प्रभाकर बडोनी और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया|

उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में पौडी परिसर निदेशक प्रो के. सी.पुरोहित जी ने दिव्यांग लोग भी समाज के विकास मे महति भूमिका निभा सकते हैं इसके लिये हमें उनको हर तरह की गतिविधियों में भाग लेने पर अवसर देने पर जोर दिया|और कार्यशाला में आये प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि वे दिव्यान्गता के विषय में जों कुछ भी जानकारी प्राप्त करके जाएँ उसे अपने कार्यक्षेत्र में प्रयोग में लाकर दिव्यांगों कों समझ की मुख्यधारा में शामिल करें और राष्ट्र के निर्माण में सहयोग दें|

कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने कार्यशाला के विषय, रूपरेखा एवं महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश पौडी ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विकलांग बच्चों एवं निशक्तजनों के लिए क़ानूनी प्रावधान,विशिष्ट शिक्षा का प्रबंध, उनमे विकलांगता की पहचान करना एवं सामान्य विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत उनको प्रवेश देना उनके शैक्षिक अधिकारों ,पुनर्वास सम्बन्धी अधिकारों एवं नई तकनीकियों के माध्यम से शिक्षण एवं केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी देना है|

कार्यशाला में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

कार्यशाला के समापन सत्र में प्रो के. सी.पुरोहित जी ने एवं प्रो. ए.के. डोबरियाल हे.न.ब.गढ़वाल विश्वविद्यालय के बी.एड. विभाग पौड़ी परिसर की प्रभारी प्रो.अनीता रुडोला ने कार्यशाला में आये प्रतिभागियों को प्रतिभाग का प्रमाण पत्र प्रदान किया

अल्मोड़ा

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा अल्मोड़ा जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 90 शिक्षक -शिक्षिकाओं प्रशिक्षु अध्यापकों को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन कुमाऊँ विश्वविद्यालय के अल्मोड़ा परिसर के सभागार में दिनाँक 14-15 जून, 2019 को आयोजित की गयी। कार्यशाला का उद्घाटन शिक्षाशास्त्र विभाग की प्राधयापिका डॉ ममता असवाल व कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में डॉ ममता असवाल ने दिव्यांग बच्चों के अध्यापन हेतु शिक्षकों के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं के अधिकाधिक आयोजनों की आवश्यकता बताई। शिक्षकों पर इन दिव्यांग बच्चों की बड़ी जिम्मेदारी का होना बताया और मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा लगातार इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन शिक्षा के क्षेत्र के लिए सराहनीय प्रयास है।

कार्यशाला को संबोधित करती डॉ0 ममता असवाल

कार्यशाला के समापन सत्र में डॉ ममता असवाल व कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल और विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्रतिभाग का प्रमाण पत्र प्रदान किया।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को सम्बोधित करते डॉ0 पोखरियाल

कार्यक्रम के अंत में कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यशाला संयोजक डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने त्रिदिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। हरिदत्त भट्ट ने आमंत्रित मुख्य अतिथि, विषय विशेषज्ञों एवं अल्मोड़ा जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी जी को हरिद्वार में स्थित उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति बनने पर बधाई

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के माननीय कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी जी ने प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी जी को उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलपति नियुक्त होने पर उन्हें विशेष रूप से बधाई दी। साथ ही विश्वविद्यालय में आपके द्वारा 30 मार्च 2019 को ज्योतिष विभागीय एकदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में प्रोफेसर त्रिपाठी को सम्मानित भी किया गया। प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी जी उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के ज्योतिष विषयक अध्ययन बोर्ड के सदस्य भी हैं। इसके साथ-साथ प्रोफेसर त्रिपाठी नई दिल्ली स्थित श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ में वास्तुशास्त्र विभाग के अध्यक्ष एवं आचार्य है।

APPENDICES

Appendix- I (परिशिष्ट –I)

चतुर्थ दीक्षान्त समारोह

विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में शोध की उपाधि लेने वाले शोधार्थियों की सूची

क्रम संख्या	शोधार्थी का नाम	विभाग
1.	रितु नौटियाल	शिक्षक शिक्षा विभाग
2.	ममता कुमारी	..
3.	विपिन चन्द्र	पत्रकारिता
4.	आरती भट्ट	..
5.	शिव प्रसाद जोशी	..
6.	दिनेश चन्द्र कर्नाटक	हिन्दी
7.	दीपक चन्द्र	समाजशास्त्र

Appendix- III (परिशिष्ट –III)

कार्य परिषद

(Executive Council)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	अध्यक्ष
2	प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया रिटायर्ड डीन ऑफ लैंगवेजज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, समर हिल शिमला	सदस्य
3	श्री आर.डी. आनन्द, एमएससी (पंजाब), पी.एचडी (लंदन) एलएलएम पंजाब वकील, 1581, सेक्टर 49 बी, चण्डीगढ़	सदस्य
4	श्री रमेश नारायण स्वामी आईएएस सेवानिवृत्त फोरमर चीफ सेक्रेटरी दिल्ली एवं भारत सरकार A-35, अदिति अपार्टमेन्ट, अपोजिट मदर डेयरी, आईपी एक्सटेन्सन, दिल्ली	सदस्य
5	श्री राकेश भारती मित्तल, उपाध्यक्ष, भारती एंटरप्राइजेज, भारती क्रीसेंट, 1 नेल्सन मंडेला रोड, वंसत कुंज, फेस-2, नई दिल्ली -110 070	सदस्य
6	प्रमुख सचिव/सचिव उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि	सदस्य
7	कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि जो उपकुलपति से निम्न पद का न हो	सदस्य
8	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानवीकि विद्याशाखा,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य, विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
10	प्रोफेसर दुर्गेश पन्त निदेशक, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा, उ.मु.वि.वि, हल्द्वानी	सदस्य
11	डॉ0 सूर्यभान सिंह सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
12	वित्त अधिकारी	आमंत्रित सदस्य
13	कुलसचिव	सदस्य सचिव

विद्या परिषद

(Academic Council)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ,हल्द्वानी	अध्यक्ष
2	प्रोफेसर एन.सी. गौतम कुलपति, महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, मध्यप्रदेश	सदस्य
3	प्रोफेसर डी.पी. सकलानी परिसर निदेशक, इतिहास विभाग, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व, हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल केन्दीय विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड	सदस्य
4	प्रोफेसर अभय सक्सेना डीन, स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेन्ट एण्ड कम्यूनिकेशन, देव संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार।	सदस्य
5	प्रोफेसर बी0एम0 कुमार मानविकी एवं समाज विज्ञान महाविद्यालय, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर	सदस्य
6	प्रोफेसर मधुरेन्द्र कुमार राजनीति विज्ञान विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल	सदस्य
7	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष द्वारा नामित एक व्यक्ति जो संयुक्त सचिव से निम्न पंक्ति का न हो	सदस्य
8	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
10	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11	प्रोफेसर दुर्गेश पंत निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
12	डॉ0 गगन सिंह सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सचिव
13	डॉ0 शशांक शुक्ल सहायक प्राध्यापक, हिन्दी, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
14	कुलसचिव	

Appendix- V (परिशिष्ट –V)

योजना परिषद
(Planning Board)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर नागेश्वर राव कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	अध्यक्ष
2	डॉ0 वेणुगोपाल रेड्डी निदेशक, क्षेत्रीय सेवाएं, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली- 110068	सदस्य
3	प्रोफेसर ओमजी गुप्ता निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्तविश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
4	डॉ0 एम0एन0 सिंह समाज कार्य विभाग, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद,सी0पी0आई0 कैम्पस, एम0जी0 मार्ग, सिविल लाइन्स, उत्तरप्रदेश, पिन- 221001	सदस्य
5	सी0ए0 गौतम कथूरिया लैम्डा (Lamda)14, ओमेक्स रिवेरा, रूद्रपुर- 263153	सदस्य
6	श्री राजीव बेरी 19/1, प्लीसेन्ट वैली, राजपुर रोड़, देहरादून	सदस्य
7	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
8	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
10	प्रोफेसर दुर्गेश पंत निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या शाखा,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11	कुलसचिव	सदस्य सचिव

वित्त समिति
(Finance Committee)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2	डॉ0 सुरेश चन्द्र पन्त निदेशक, उच्च शिक्षा (प्रतिनिधि सचिव, उच्च शिक्षा) उत्तराखण्ड शासन, देहरादून	सदस्य
3	श्री भूपेन्द्र प्रसाद काण्डपाल मुख्य कोषाधिकारी, सदस्य प्रतिनिधि सचिव, वित्त उत्तराखण्ड शासन	सदस्य
4	प्रोफेसर बी.एस. पठानिया सेवानिवृत्त, संकायप्रमुख (भाषा), हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय	सदस्य
5	श्रीमती आभा गर्खाल वित्त नियन्त्रक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	सदस्य सचिव
6	श्री भरत सिंह, कुलसचिव, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	विशेष आमन्त्रित सदस्य
7	श्री विमल कुमार मिश्र, उपकुलसचिव (वित्त) उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	विशेष आमन्त्रित सदस्य

Appendix-VII (परिशिष्ट –VII)

विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य
(Members of the University Authority)

Prof. Om Prakash singh Negi Vice Chancellor			
Name	**Designation**	**Contact No.**	**E-mail**
Sri Bharat Singh	Registrar	05946-210957	registrar@uou.ac.in
Prof. Girija Pandey	Director (RSD)	05946-286067	hpshukla@uou.ac.in
Prof. P.D. Pant	Examination Controller	9411597995	pdpant@uou.ac.in
Mrs. Abha Garkhal	Finance Controller	9456727137	gabha@uou.ac.in
Dr. Rakesh Rayal	Public Relation Officer	9410967600	rryal@uou.ac.in

Directors of School / Division/ Directorate				
Name	**Name of School**	**Division/ Directorate**	**Contact No.**	**E-mail**
Prof. R.C. Mishra	Management Studies & Commerce Health Science Tourism, Hotel Management & Hospitality	Academics Material Production and Distribution (MPDD)	9412034574	rcmishra@uou.ac.in
Prof. H.P. Shukla	Humanities	Library & Information Science Education Journalism & Media Studies	9410715100	hpshukla@uou.ac.in
Prof. Durgesh Pant	Computer Science & Information Technology	Dehradun Campus	9412375384	dpant@uou.ac.in
Prof. Govind Singh (On Leave)	Journalism & Media Studies	UOU Community Radio	9410964787	govindsingh@uou.ac.in
Prof. Girija P. Pande	Social Science Law Vocational Studies	Research & Innovation Regional Services Division (RSD)	9412351759	gpande@uou.ac.in

Prof. P.D. Pant	Science Agriculture & Development Studies	Examination Department	05946 210958	pdpant@uou.ac.in

Regional Directors

Regional Centre	**Regional Director**	**Address**	**Contact No.**	**E-mail**
Dehradun (11)	Dr. Sandeep Negi	SGRR, Pathribagh, Dehradun	9412031183 01352720027	dehradun@uou.ac.in
Roorkee (12)	Dr. Rajesh Paliwal	B.S.M PG College, Roorkee	9412439436 01332274365	roorkee@uou.ac.in
Pauri (14)	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B. Garhwal University, Pauri	9412960687 01368223308	pauri@uou.ac.in
Uttarkashi (15)	Dr. Suresh Chandra	Govt. PG College, Uttarkashi	01374-222004 9557557880 9911708741	uttarkashi@uou.ac.in
Haldwani (16)	Dr. Rashmi Pant	M.B P.G. College, Haldwani	9411162527 05946284149	haldwani@uou.ac.in
Ranikhet (17)	Dr. Yogendra Chandra Singh	Govt. PG College, Ranikhet	05966-220474 9997272828	ranikhet@uou.ac.in
Pithoragarh (18)	Dr. Bipin Chandra Pathak	LSM Govt. PG College, Pithoragarh	9412093678 05964-264015	pithoragarh@uou.ac.in
Bageshwar (19)	Dr. B.C Tiwari	Govt. PG College, Bageshwar	9412044914 05963221894	bageshwar@uou.ac.in

Appendix VIII (परिशिष्ट –VIII)

विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन
(Human Resource of University)

विश्वविद्यालय में शैक्षिक पद

क्र0सं0	विषय	प्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक
1.	अंग्रेजी	प्रो. एच. पी. शुक्ल	डॉ. सुचित्रा अवस्थी
2.	प्रबन्ध अध्ययन	प्रो. आर. सी. मिश्र	डॉ.मंजरी अग्रवाल डॉ. सुमित प्रसाद
3.	कम्प्यूटर साइंस	प्रो. दुर्गेश पन्त	डॉ. जितेन्द्र पाण्डे
4.	इतिहास	प्रो. जी. पी. पाण्डे	डॉ. एम. एम. जोशी
5.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	प्रो. गोविन्द सिंह (अवकाश पर)	श्री भूपेन सिंह
6.	शिक्षाशास्त्र	-	डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. प्रवीण कुमार तिवारी (अवकाश पर), सुश्री ममता कुमारी, डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा
7.	वाणिज्य	-	डॉ. गगन सिंह
8.	होटल मैनेजमेन्ट	-	डॉ. जटाशंकर तिवारी
9.	कृषि	-	डॉ. विरेन्द्र कुमार
10.	समाजशास्त्र	-	डॉ. दीपक पालीवाल
11.	राजनीतिशास्त्र	-	डॉ. सूर्यभान सिंह
12.	हिन्दी	-	डॉ. शशांक शुक्ला
13.	पर्यटन	-	डॉ. अखिलेश सिंह
14.	वानिकी	-	डॉ. एच. सी. जोशी
15.	आयुर्वेद	-	डॉ. हेमन्त काण्डपाल
16.	भौतिकी	-	डॉ. कमल देवलाल
17.	संस्कृत	-	डॉ. देवेश कुमार मिश्रा
18.	योग	-	डॉ. भानू जोशी
19.	एम.एस. डब्लू	-	डॉ. नीरजा सिंह
20.	ज्योतिष	-	डॉ. नन्दन कुमार तिवारी
21.	मनोविज्ञान	-	डॉ. सीता
22.	रसायन विज्ञान	-	डॉ. शालिनी सिंह
23.	भूगोल	-	मोहम्मद अकरम
24.	अर्थशास्त्र	-	डॉ. शालिनी चौधरी

अल्पकालिक विनियोजित वरिष्ठ परामर्शदाता/परामर्शदाता तथा अकादमिक एसोसिएट का विवरण

क्र0सं0	विद्याशाखा	विषय	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा)	डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल
2.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	(शिक्षाशास्त्र)	श्रीमती मनीषा पंत
3.	विज्ञान विद्याशाखा	वनस्पति विज्ञान	डॉ. पूजा जुयाल

4.	विज्ञान विद्याशाखा	जन्तु विज्ञान	डॉ. श्याम सिंह कुंजवाल
5.	विज्ञान विद्याशाखा	भूगोल	डॉ. रंजू जोशी पाण्डे
6.	विज्ञान विद्याशाखा	रसायन विज्ञान	डॉ. चारु चन्द्र पंत
7.	विज्ञान विद्याशाखा	गणित	सुश्री लता तिवारी
8.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	लोकप्रशासन	डॉ. घनश्याम जोशी
9.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	अर्थशास्त्र	सुश्री नेहा अत्री
10.	कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा	आई.टी.एण्ड कम्प्यूटर साइंस	श्री बालम सिंह दफौटी
11.	मानविकी विद्याशाखा	हिन्दी	डॉ. राजेन्द्र सिंह कैड़ा
12.	मानविकी विद्याशाखा	उर्दू	मो. अफजल हुसैन
13.	मानविकी विद्याशाखा	संगीत	श्री द्विजेश उपाध्याय
14.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	फूड एण्ड न्यूट्रीशियन (गृह विज्ञान)	श्रीमती मोनिका द्विवेदी
15.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	फूड एण्ड न्यूट्रीशियन (गृह विज्ञान)	डॉ. प्रीति बोरा
16.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	पत्रकारिता एवं जनसंचार	श्री राजेन्द्र सिंह क्वीरा
17.	पर्यटन एवं आतिथ्य अध्ययन विद्याशाखा	पर्यटन	डॉ. सुभाष रमोला
18.	विधि विद्याशाखा	विधि	श्री दीपांकुर जोशी
19.	व्यवसायिक अध्ययन विद्याशाखा	व्यवसायिक अध्ययन	श्री गोपाल दत्त

अल्पकालिक व्यवस्था के अन्तर्गत नियोजित प्रशासनिक परामर्शदाता/तकनीकी परामर्शदाताओं का विवरण

क्र0सं0	पदनाम	अनभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	तकनीकी परामर्शदाता (डाटा प्रोसेसिंग)	परीक्षा अनुभाग	श्री नवनीत कुमार
2.	तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो)	कम्यूनिटी रेडियो	श्री अनिल नैलवाल
3.	प्रशासनिक परामर्शदाता	मॉडल स्टडी सेन्टर	श्री विनोद विरखानी

नियमित/संविदा के आधार पर सृजित पद

क्र0सं0	पदनाम	कार्यरत कार्मिक का नाम	पद की प्रवृति
1.	नैटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर	श्री मोहित रावत	संविदा
2.	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	श्री जितेन्द्र द्विवेदी, श्री राजेन्द्र गोस्वामी	संविदा
3.	हार्डवेयर इंजीनियर	श्री राजेश आर्या, श्री विनीत पौड़ियाल,	संविदा
4.	प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-2	श्री पी0एस0 परिहार	संविदा
5.	आशुलिपिक ग्रेड-1	श्री संजय भट्ट	संविदा
6	आशुलिपिक ग्रेड-1	श्री विमल कुमार	नियमित

बाह्य सेवा प्रदाता (उपनल) के माध्यम से पूरित किये जाने हेतु सृजित पद

क्र0सं0	पदनाम	कार्यरतकार्मिक का नाम
1.	वेबसाइट एडमिनिस्ट्रेटर	श्री राकेश पपनै
2.	कम्प्यूटर लिट्रेट स्टेनो	श्रीमती बबीता दास
3.	कम्प्यूटर लिट्रेट एकाउन्टेंट	श्री हर्षवर्धन लोहनी
4.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	कु0 कमला राठौर, श्री योगेश मिश्रा, श्री पंकज बिष्ट,
5.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री मनोज कुमार शर्मा, श्री संतोष ढौडियाल
6.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री बसंत बल्लभ काण्डपाल, श्री चारु चन्द जोशी
7.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री गोपाल सिंह, श्री मनमोहन त्रिपाठी,
8.	डाटा एंट्री ऑपरेटर/क्लर्क टाइपिस्ट	श्रीमती मधु डोगरा, श्री अनिल कुमार पंत
9.	कम्प्यूटर ऑपरेटर,	कु. पूनम खोलिया
10.	कोऑर्डिनेटर	श्री नंदन अधिकारी, श्री मोहन चन्द्र पाण्डे,
11.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती दीपा फुलारा, श्रीमती रेखा बिष्ट,
12.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती रंजना जोशी, श्री अजय कुमार सिंह,
13.	कोऑर्डिनेटर	श्री निर्मल सिंह धौनी
14.	कम्प्यूटर लिट्रेट पी0ए0,	श्री रमन लोशाली
15.	इलैक्ट्रीशियन,	श्री दिनेश पाल सिंह
16.	ड्राइवर,	श्री मनीष कुमार
17.	लैब असिस्टेंट	श्री मनीष बुंगला
18.	चतुर्थ श्रेणी कार्मिक	श्री हेमचन्द, श्री व्यास सिंह, श्री चन्द्र शेखर सुयाल
19.	क्लर्क कम टाइपिस्ट,	श्री कुन्दन सिंह
20.	कैटलागर्स,	श्री राकेश पन्त,
21.	अनुसेवक	श्री चेत बहादुर
22.	स्टोरमेट	श्री बलबन्त राम
23.	बुक लिफटर	श्री दीपक चन्द्र उप्रेती
24.	प्लम्बर	श्री देवेन्द्र प्रसाद
25.	हेल्पर	श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
26.	माली	श्री मनोज कुमार
27.	स्वच्छक	श्री दलीप
28.	चपरासी	कु. नीमा उप्रेती, श्रीमती उषा देवी, श्री कैलाश राम विश्वकर्मा, नवीन चन्द्र जोशी

विश्वविद्यालय में नियोजित विनियमित कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रानीखेत	श्री रविन्द्र कुमार कोहली
2.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रुड़की	श्री महबूब आलम
3.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून	श्री बृज मोहन सिंह खाती
4.	लिपिक	क्रय अनुभाग	श्री हेम चन्द्र छिमवाल
5.	लिपिक	अधिष्ठान	श्री राहुल बिष्ट
6.	लिपिक	प्रवेश	श्री फिरोज खान
7.	लिपिक	निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं	श्री भरत नैनवाल
8.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय, पिथौरागढ़	श्री त्रिलोचन पाटनी

9.	वाहन चालक	कुलसचिव	श्री देवेन्द्र सिंह नेगी
10.	वाहन चालक	कुलपति	श्री मोहन चन्द्र पाण्डे
11.	वाहन चालक	वित्त नियन्त्रक	श्री शेखर उप्रेती

विश्वविद्यालय में नियोजित संविदा कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय पौड़ी	श्री सत्येन्द्र सिंह रावत
2.	लिपिक	परीक्षा अनुभाग	श्री मोहन चन्द्र बवारी
3.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्री दिनेश कुमार
4.	चतुर्थ श्रेणी	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री अजय पाल सिंह
5.	चतुर्थ श्रेणी	निदेशक मानविकी	श्री दिनेश चन्द्र फुलेरा
6.	चतुर्थ श्रेणी	कुलसचिव कार्यालय	श्री जगत सिंह बंगारी
7.	-	स्वच्छक अनुरक्षण	श्रीमती छाया देवी

बाह्य सेवा प्रदाता (ड्रेस रोजगार डॉट कॉम) के माध्यम से दैनिक वेतन भोगी के रुप में कार्यरत कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्रीमती पूजा हेडिया
2.	लिपिक	लाइब्रेरी	श्री गुणनिधि सिंह बिष्ट
3.	लिपिक	एम0पी0डी0डी0	श्री दीपक पन्त
4.	लिपिक	परीक्षा	श्री राहुल नेगी
5.	लिपिक	परीक्षा	श्री उमाशंकर नेगी
6.	लिपिक	परीक्षा	श्री हेमचन्द्र
7.	लिपिक	प्रवेश	श्री प्रमोद चन्द्र जोशी
8.	लिपिक	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	कु. दीपिका रैकवाल
9.	लिपिक	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री उमेश सिंह खनवाल
10.	लिपिक	प्रबंध अध्ययन विद्याशाखा	श्रीमती वैदेही गुरुरानी
11.	योग प्रशिक्षक	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	श्री ललित मोहन
12.	लिपिक	वित्त अनुभाग	श्री मोहन जोशी
13.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय,उत्तरकाशी	श्री धनेश्वर नेगी
14.	लिपिक	देहरादून परिसर	श्रीमती अपर्णा कुकरेती
15.	चतुर्थ श्रेणी	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री भुवन चन्द्र पलड़िया
16.	चतुर्थ श्रेणी	लेखा अनुभाग	श्री भीम आर्या
17.	स्वच्छक	अनुरक्षण	श्री अनिल कुमार
18.	स्वच्छक	देहरादून परिसर	श्री सतीश सिंह
19.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री धीरेन्द्र सिंह
20.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री दीपक रतूड़ी
21.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री सुरेश प्रसाद

Appendix- IX (परिशिष्ट –IX)

PROGRAMMES AT A GLANCE
पाठ्यक्रम एक दृष्टि में

UNDER GRADUATE PROGRAMMES					
Programme Name (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
Bachelor of Arts (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Geography (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Music (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Commerce (BCOM-17)	10+2	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Science (BSCG-17) (ZBC/ ZBF/BCF/BFG/PCM/PGM Groups)	10+2 Science	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Computer Application (BCA-17)	10+2 (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme, exam fee for the subject will be charged separately) / BCAPP Lateral entry (BCA IIIrd Sem): Diploma in Computer Application / IT (DCA/DIT)/ Diploma (Polytechnic) in relevant stream	3	6	English	Semester
Bachelor of Business Administration (BBA-17)	10+2	3	6	English	Annual
Bachelor of Yogic Science (BYS-17)	10+2, or equivalent Learners having diploma in Yoga and Naturopathy from UOU may take admission directly in second year	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Tourism and Travel Management (BTTM-17)	10+2	4	8	English	Semester
Bachelor of Hotel Management (BHM-17)	10+2	4	8	English	Semester
POST GRADUATE PROGRAMMES					
Programme Name & (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
Master of Computer Application (MCA-17)	Graduation in any stream (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: MCA IIIrd SEM: BCA/BSc (CS/IT), A Level from DOEACC, PGDCA, MCA Vth Semester: MSc (IT/CS)	3	6	English	Semester
Master of Arts (Geo Informatics) MA (Geo Informatics) (MAGIS-17)	Graduation in any stream Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS	2	4	English	Annual
Master of Science (Geo Informatics) M.Sc. (Geo Informatics) (MSCGIS-17)	Graduation in any stream Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS	2	4	English	Annual
Master of Science (Cyber Security) M.Sc. (Cyber Security) MSCCS-18	Graduation (Science/IT) Lateral entry: DOEACC A level? PGDCA/PGD in Cyber security B.E or B.TECH in Computer Science & Engineering	2	4	English	Semester
Master of Science (Information technology) M.Sc. (Information Technology) MSCIT-17	Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level	2	4	English	Semester

Master of Information Technology (MSCIT-17)	Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level. However, candidates not having Mathematics at 10+2 level or Graduation level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: B.Tech./B.E./A-level from DOEACC after graduation / PGDCA and graduation	2	4	English	Semester
M.A. Education (MAED-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Economics) MA (Economics) MAEC-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (History) MA (History) MAHI-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi h	Annual
Master of arts (Political Science) MA (Political Science) MAPS-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Public Administration) MA (Public Administration) MAPA-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Sociology) MA (Sociology) MASO-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Scial work MA (Social work) MSW-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Psychology) MA (Psychology) MAPSY-18	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Hindi) MA (Hindi) MAHL-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (English) MA (English) MAEL-17	Graduation in any stream	2	6	English	Annual
Master of Arts (Sanskrit) MA (Sanskrit) MASL-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
MASTER OF ARTS (JYOTISH) MA (JYOTISH) MAJY-18	Graduation in Jyotish/ Shastri or Shastri (Hon's) in Jyotish or equivalent	2	6	Hindi	Annual
Master of Performing Arts (Music) MPAM-19	बी0ए0 संगीत विषय की संबंधित विधा जैसे गायन,तबला आदि के साथ या बीएससी/बी.कॉम/ बीए संगीत विषय के बिना स्नातक डिग्री के समकक्ष कोई उपाधि के साथ स्नातक के समकक्ष डिप्लोमा जैसे भातखण्डे संगीत विद्यापीठ लखनउ का संगीत विशारद/ प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद का संगीत प्रभाकर/ अखिल भरतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल मुंबई का संगीत विद आदि।	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Yoga) MA (Yoga)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Home Science) MA (Home Science)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Journalism) MA (Journalisim)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Tourism and Travel Management (MTTM-17)	Graduation in any stream	2	4	English	Semester
Master of Buisness administration MBA MBA-17	50% Marks at Graduate or post Graduate level or 45% at graduate or Post graduate level along with 2 Years of supervisory/ managerial/Professional/teaching experience after completing graduation or Post graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student) 5% relaxation for reserve category) Admission through entrance test conducted by the university/ MAT/ CAT score	2	4	English	Semester
Master of Commerce M.Com MCOM-17	B.Com	2	6	Hindi	Annual
PG Programmes where admissions are carried out through entrance examination (M.B.A.)					

Master of Business Administration (MBA-17)	50% Marks at graduate or post-graduate level or 45% at Graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial/ professional/ teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category).Admission through entrance test conducted by the University / MAT / CAT score	2	4	English	Semester

POST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES

Programme Name & (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
PG Diploma in Computer Application (PGDCA-17)	Graduation in any stream	1	3	English	Semester
PG Diploma in Geo Informatics (PGDGIS-17)	Graduation in any stream	1	3	English	Annual
PG Diploma In Disaster Management (PGDDM-17)	Graduation in any subject	1	3	English / Hindi	Annual
PG Diploma in Cyber Law (PGDCL-17)	Graduation in any stream	1	3	English-Hindi	Annual
PG Diploma in Journalism and Mass Communication (PGDJMC-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma in Broadcast Journalism & New Media (PGDBJ-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma in Advertising and Public Relations (PGDAPR-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma Programmes where admissions are carried out through entrance examination (PGDMM, DIM and PGDHRM)					
PG Diploma in Marketing Management (PGDMM-17)	50% Marks at graduate or post graduate level with 1 year experience in the relevant field. Further those having 45% marks at graduate level or post graduate level shall also be eligible with 2 years' of supervisory/ managerial/ professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student).(5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT /CAT score	1	3	English	Semester
PG Diploma Human Resource Management (PGDHRM-17)		1	3	English	Semester
Diploma in Management (DIM-17)	50% Marks at graduation or at post graduation level or 45% at graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial / professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT/ CAT score	1	3	English	Semester

DIPLOMA PROGRAMMES

Programme Name (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
Diploma in Value Added Products from Fruits and Vegetables (DVAPFV-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Commercial Horticulture (DCH-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Public Health and Community Nutrition (DPHCN-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Yogic Science (DYS-17)	10+2 or equivalent	1	3	Hindi	Annual

Diploma in Management of Non-wood Forest Products (DMNWFP-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Phalit Jyotish (DPJ-17)	10+2 or Certificate in Jyotish	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Hotel Management (DHM-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Front Office Management (DFO-17)	10+2	1	4	English	Semester
Diploma in Accommodation Management (DAM-17)	10+2	1	4	English	Semester
Diploma in Tourism Studies (DTS-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Information Technology(DIT-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Vadic Karmkand (DVK-17)	10+2	1	3	Hindi	Annual
CERTIFICATE PROGRAMMES					
Programme name (code)	**Eligibility**	**Duration (yrs)**		**SLM**	**Mode of exam**
		Min	**Max**		
Certificate in Commercial Flower Production (CCFP-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Vegetable Production (CVP-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Organic Farming (CCOF-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Geo Informatics (CGIS-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Computer Application (CCA17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in e-Governance and Cyber Security (CEGCS-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Ayurvedic Masseur (CAM-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Herbal Beauty Care (CHBC-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Herb Cultivation (CAHC-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition (CAFN-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Yogic Sciences (CYS-17)	10+2 or equivalent	½	1	Hindi	Semester
Certificate in Naturopathy (CIN-17)	10+2 or equivalent	½	1	Hindi	Semester
Certificate Course in Office Management (CCOM-17)	10th pass	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Vedic Karmkand (CVK-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Phalit Jyotish (CPJ-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Sanskrit Language (CSL-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate Course in Panchayati Raj (CCPR-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Memory Enhancement (CME-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Mass Media (CMM-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
.Certificate Course in Industrial Skills & Process(CCISP-17)	10+2	1	2	English	Semester
Certificate Course in Automotive Manufacturing(CCAM-17)	10+2	½	1	English	Semester
Certificate Course in Automotive Assembly(CCAA-17)	10+2	½	1	English	Semester

Appendix X (परिशिष्ट –X)

विश्वविद्यालय दौरे पर आए गणमान्य व्यक्ति
(Dignitaries visited the University Campus)

क्रमांक	नाम	पद	आयोजन
1	श्रीमती बेबी रानी मौर्या	महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति, उत्तराखण्ड शासन	दिनांक 27 नवम्बर 2018 को विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति के रूप में प्रतिभाग।
2	डॉ0 धन सिंह रावत	माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री उत्तराखण्ड सरकार	दिनांक 27 नवम्बर 2018 को विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
3	मुकुल कानितकर	अखिल भारतीय संगठन मन्त्री, भारतीय शिक्षण मण्डल	दिनांक 25 जून 2018 को विशिष्ट व्याख्यान देने हेतु आमन्त्रित अतिथि।
4	प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी	कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार	दिनांक 30 मार्च 2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत संचालित ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमन्त्रित।
5	डॉ. प्रकाश पन्त	वित्त मन्त्री, उत्तराखण्ड सरकार	दिनांक 12 अप्रैल 2018 को योग विभाग की दसदिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
6	प्रोफेसर लाल बहादुर वर्मा	प्रसिद्ध इतिहासकार	दिनांक 10-12 अप्रैल 2018 को पत्रकारिता विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
7	डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक	सांसद, लोकसभा, हरिद्वार	दिनांक 12-14 जून 2018 को विशिष्ट शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दिव्यांगों के शिक्षा संवर्द्धन हेतु कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
8	डॉ. नीरजा टण्डन	विभागध्यक्षा, हिन्दी विभाग, कुमाउँ विश्वविद्यालय, नैनीताल	दिनांक 5 सितम्बर 2018 को शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
9	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	कुलपति	दिनांक 8 फरवरी 2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के नये कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण
10	श्री भरत सिंह बिष्ट	कुलसचिव	सितम्बर 2018 में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में नये कुलसचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण
11	श्रीमती कल्याणी	डीएफओ, वन विभाग, उत्तराखण्ड सरकार	5 जून 2018 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
12	श्रीमती विनीता वर्मा	ऑटिज्म विशेषज्ञ	2 अप्रैल 2018 को विश्व आत्मकेंद्रित जागरूकता दिवस के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभाग।

Appendix XI (परिशिष्ट –XI)

योग विभाग की विविध दस दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन निम्नानुसार राज्य में अलग- अलग स्थानों में किया गया-

शीतकालीन कार्यशाला 2018

क्रम संख्या	कार्यशाला का स्थान	विषय	दिंनाक
1	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	09/10/18 से 18/10/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 19/10/18
2	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	09/10/18 से 18/10/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 19/10/18
3	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	स्नातक तृतीय वर्ष	09/10/18 से 18/10/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 19/10/18
4	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	डिप्लोमा /स्नातक प्रथम वर्ष	21/10/18 से 30/10/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 31/10/18
5	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	21/10/18 से 30/10/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 31/10/18
6	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	स्नातक द्वितीय वर्ष	21/10/18 से 30/10/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 31/10/18
7	**आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय, किच्छा**	डिप्लोमा /स्नातक प्रथम वर्ष	10/11/18 से 19/11/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 20/11/18
8	**आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय, किच्छा**	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	10/11/18 से 19/11/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 20/11/18
9	**आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय, किच्छा**	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	21/11/18 से 30/11/18 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 01/12/18

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र की प्रयोगात्मक परीक्षा 2018

क्रम संख्या	कार्यशाला का स्थान	विषय	दिंनाक
1	श्री साई इन्फोटेक , हरिद्वार	योग विज्ञान में प्रमाण पत्र एवं प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र	प्रयोगात्मक परीक्षा 19/12 /18
2	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	योग विज्ञान में प्रमाण पत्र एवं प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र	प्रयोगात्मक परीक्षा 26/12/18

ग्रीष्मकालीन कार्यशाला 2019

क्रम संख्या	कार्यशाला का स्थान	विषय	दिंनाक
1	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	डिप्लोमा /स्नातक प्रथम वर्ष	23/01/19 से 01/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 02/02/19
2	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	स्नातक द्वितीय वर्ष	23/01/19 से 01/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 02/02/19
3	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	23/01/19 से 01/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 02/02/19
4	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	06/02/19 से 15/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 16/02/19
5	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	डिप्लोमा /स्नातक प्रथम वर्ष	06/02/19 से 15/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 16/02/19
6	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	18/02/19 से 27/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 28/02/19
7	**वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार।**	स्नातक तृतीय वर्ष	18/02/19 से 27/02/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 28/02/19
8	**आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय, किच्छा**	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	06/03/19 से 15/03/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 16/03/19
9	**आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय, किच्छा**	डिप्लोमा /स्नातक प्रथम वर्ष	23/03/19 से 01/04/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 02/03/19
10	**आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय, किच्छा**	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	23/03/19 से 01/04/19 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 02/03/19

वार्षिक लेखा (Financial Statements – 2018–19)

MUKESH USHA & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

CHARTERED ACCOUNTANTS'S REPORT

We have Compiled the attached Balance Sheet as at 31st March, 2019 and the Income and Expenditure Account and Receipt & Payment Account for the year ended on that date, attached herewith, of M/s. Uttarakhand Open University [Fee Fund], Haldwani alongwith Notes on Accounts attached herewith this report.

We report that:

1. The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account dealt with this report are in agreement with the Books of Account maintained at its office at Haldwani.

2. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of compilation of accounts.

3. In our opinion, proper book of accounts have been kept by the M/s. Uttarakhand Open University [Fee Fund], Haldwani so far as appears from our examination of these books.

4. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said accounts give a true and fair view :

In the case of Balance Sheet, of the State of Affairs of M/s. Uttarakhand Open University [Fee Fund], Haldwani as at 31st March, 2019.

And

In case of Income & Expenditure Account, of the Surplus for the year ended on that date.

CA MUKESH KUMAR, F.C.A., D.I.S.A.
[Membership No.: 052914]
For & On Behalf Of
MUKESH USHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No.: 010724C

Date : 12.10.2019
Place : Haldwani

"SANKALP"
A-16, Ganga Enclave, Behind Mahila Degree College, Nawabi Road, Haldwani, (Nainital) Uttarakhand
Ph. : 05946-224588, 327160, Mob. : 94120-87464, 7060087464
E-mail : mushaca01@gmail.com

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR
HALDWANI (NAINITAL)

BALANCE SHEET AS ON 31st. MARCH, 2019

LIABILITIES		AMOUNT(Rs.)	ASSETS	AMOUNT(Rs.)
CAPITAL FUND :			**FIXED ASSETS :**	1,87,56,645.00
Op. Balance as on 01.04.2018	56,06,66,599.25		(As Per Annexure)	
Less:Excess of Income Over Exp.	11,10,89,281.88	67,17,55,881.13		
			CURRENT ASSETS:	
			Imprest A\c	93,975.00
VCWF A\c		12,84,837.00	(As Per Annexure)	
VCWF Fees		13,78,573.65		
VCWF (State)		6,089.00	**Adances To Staff**	1,98,34,872.18
			(As Per Annexure)	
CURRENT LIABILITIES & PROVISION:				
UOU DEC. Fund	35,64,098.00		**FDR With Banks**	48,21,74,474.93
UOU State Fund	69,97,934.80	1,05,62,032.80	(As Per Annexure)	
			Sundry Debtors & Advances	9,54,829.28
Provisions			TDS AY 2019-20	13,00,118.00
TDS Payable	1,58,254.00			
GSLI	1,600.00		**Closing Balance :**	
Security Money	4,16,000.00		- Cash In Hand	26,486.00
Cheque Reversal A\c	47,96,690.00		- Bank Balances	16,76,61,225.94
NPS Payable	4,42,668.75	58,15,212.75	(As Per Annexure)	
		69,08,02,626.33		**69,08,02,626.33**

Checked & Compiled on the basis of Books
Records & Informations provided to us.

CA MUKESH KUMAR, F.C.A., D.I.S.A.
For & On Behalf Of
MUKESH USHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
M. No. 052944
Firm Reg. No 010724C

Date : 12.10.2019
Place : Haldwani

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR
HALDWANI (NAINITAL)

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31.03.2019

RECEIPTS		AMOUNT(Rs.)	PAYMENTS		AMOUNT(Rs.)
By Opening Balances:			Salary - Teachers/Staff		5,63,64,176.00
Bank Balances :-			Advertisement Exps		30,79,294.00
BOB - VCWF -17298	22,17,486.43		Bank Charges		7,54,427.29
Allahabad Bank - 89104	39,783.00		Computer/Hardware/Software/Technology/Stationery		57,27,239.00
BOB- 26842	-		Examination Fee		4,04,55,140.28
BOB- 17278	30,55,43,821.24		Electricity Expenses		9,54,306.00
Canara Bank- 907	6,09,78,054.29		Guest Exp.& Allow./Student Supp. System		36,78,035.18
ICICI Bank - 00268	4,56,83,487.92		Spl. Exp. /UPNL/Acd. Asso./Adm. Con./Ext. Ser Prov.		1,80,53,238.00
SBI -388	1,69,86,415.69		Study Centre Fees Refund		9,80,29,798.72
SBI - 503	18,763.60		Convocation /Other/ Library		15,79,632.00
SBI - 3738	-		Rates & Taxes		19,65,081.00
Cash In Hand	26,486.00	43,14,94,298.17	Office Expenses		33,68,015.18
			Office Machinery & Equipments		5,20,109.00
			Medical Expenses		22,121.00
Receipt - Fees		36,17,21,966.06	Printing Of Books		3,07,60,560.00
Other Income		5,63,291.45	Printing Unit Writing & Dev. Of Course Material		66,46,359.72
FDR Interest		1,51,69,646.74	General Maintenance Expenses		1,60,923.00
Saving Bank Interest		1,21,35,857.00	Insurance & Taxes		12,67,514.00
			Remunaration		16,41,923.00
GSLI		1,600.00	Staff Trainning Dev. Expenses		7,70,665.00
NPS		4,42,668.75	Vocational Edu. & Training Dev.		1,58,423.00
TDS Payable		1,58,254.00	Seminar Expenses		1,56,889.00
Security Money			Small Construction Work		70,704.00
VCWF A\c		6,18,725.00	Telephone/ Internet Expenses		5,88,153.00
			Vehicle Running Expenses		9,71,648.00
			Travelling Expenses		7,57,105.00
Cheque Reversal (Unpaid Cheques)		2,80,521.00			
			FDR		35,56,10,000.00
Sundry Debtors & Advances		23,840.30	Interest on FDR		1,38,69,528.74
			TDS		13,00,118.00
			Loans & Advances		56,86,496.42
			Closing Balances:		
UOU- State Fund		44,666.00	**Bank Balances :-**		
UOU- Dec. Fund		-	BOB - VCWF -17298	16,72,119.29	
			Allahabad Bank - 89104	41,193.00	
			BOB- 26842	2,80,99,133.13	
			BOB- 17278	5,56,12,918.24	
			Canara Bank- 907	5,70,90,842.49	
			ICICI Bank - 00268	-	
			SBI -388	50,27,325.59	
			SBI - 503	1,17,694.20	
			SBI - 3738	2,00,00,000.00	
			Cash In Hand	26,486.00	16,76,87,711.94
		82,26,55,334.47			82,26,55,334.47

Checked & Compiled on the basis of Books,
Records & Informations provided to us.

HALDWANI

CA MUKESH KUMAR, F.C.A., D.I.S.A.
For & On Behalf Of
MUKESH USHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
M. No. 052944
Firm Reg. No 010724C

Date : 12.10.2019
Place : Haldwani

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR
HALDWANI (NAINITAL)

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31st. MARCH, 2019

EXPENDITURE	AMOUNT(Rs.)	INCOME	AMOUNT(Rs.)
By Salary - Teachers/Staff	5,63,64,176.00	To Receipt - Fees	36,17,21,966.06
" Advertisement Exps	30,79,294.00	" Other Income	5,63,291.45
" Bank Charges	7,54,427.29	" FDR Interest	1,51,69,646.74
" Computer/Hardware/Software/Technology/Stationery	57,27,239.00	" Saving Bank Interest	1,21,35,857.00
" Examination Fee	4,04,55,140.28		
" Electricity Expenses	9,54,306.00		
" Guest Exp.& Allow./Student Supp. System	36,78,035.18		
" Spl. Exp. /UPNL/Acd. Asso./Adm. Con./Ext. Ser Prov.	1,80,53,238.00		
" Study Centre Fees Refund	9,80,29,798.72		
" Convocation /Other/ Library	15,79,632.00		
" Rates & Taxes	19,65,081.00		
" Office Expenses	33,68,015.18		
" Office Machinery & Equipments	5,20,109.00		
" Medical Expenses	22,121.00		
" Printing Of Books	3,07,60,560.00		
" Printing Unit Writing & Dev. Of Course Material	66,46,359.72		
" General Maintenance Expenses	1,60,923.00		
" Insurance & Taxes	12,67,514.00		
" Remunaration	16,41,923.00		
" Staff Trainning Dev. Expenses	7,70,665.00		
" Vocational Edu. & Training Dev.	1,58,423.00		
" Seminar Expenses	1,56,889.00		
" Small Construction Work	70,704.00		
" Telephone/ Internet Expenses	5,88,153.00		
" Vehicle Running Expenses	9,71,648.00		
" Travelling Expenses	7,57,105.00		
To Excess of Income Over Expenditure Transferred to Capital Fund A/c	11,10,89,281.88		
	38,95,90,761.25	-	38,95,90,761.25

Checked & Compiled on the basis of Books Records & Informations provided to us

CA MUKESH KUMAR, F.C.A., D.I.S.A.
For & On Behalf Of
MUKESH USHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
M. No. 052944
Firm Reg. No 010724C

Date : 12.10.2019
Place : Haldwani

क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची (List of Regional Centres)

S. No	Regional Centre	Code	Regional Director	Address	Contact No.	E-mail
1	Dehradun	11	Dr. Sandeep Negi	Sri Guru Ram Rai Post Graduate College (SGRR PG College), Patthribagh, Dehradun, India, Dehradun, Uttarakhand 248001	9412031183 0135-2720027	dehradun@uou.ac.in
2	Roorkee	12	Dr. Rajesh Chandra Paliwal	B.S.M. P.G. COLLEGE, Railway Road, Roorkee-247667 Disst. Haridwar(Uttarakhand)	919412439436 01332-274365	roorkee@uou.ac.in
3	Pauri	14	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B.Garhwal Central University, Pauri Campus, City - Pauri, PIN – 246001	9412960687 01368-223308	pauri@uou.ac.in
4	Uttarkashi	15	Dr. Suresh Chandra	Ram Chandra Uniyal Government Post Graduate College, Uttarkashi Tehsil- Bhatwari Uttarkashi - 249193	01374-222004 9557557880	uttarkashi@uou.ac.in
5	Haldwani	16	Dr. Rashmi Pant	Motiram Baburam Govt. Post Graduate College Nainital Road, Haldwani - 263139	9411162527 05946-284149	haldwani@uou.ac.in
6	Ranikhet	17	Dr. Yogendra Chandra Singh	Government (PG) College Ranikhet, District Almora – 263647,	05966-220474 9997272828	ranikhet@uou.ac.in
7	Pithoragarh	18	Dr. Bipin Chandra Pathak	L.S.M. Government PG College, Post office- Degree College, Pithoragarh, Dist- Pithoragarh PIN – 264015	9412093678 05964-264015	pithoragarh@uou.ac.in
8	Bageshwar	19	Dr. B.C Tiwari	Government PG College, Tehsil & Distt. - Bageshwar, PIN – 263642 (Uttarakhand)	9412044914 05963-221894	bageshwar@uou.ac.in

Appendix XIV (परिशिष्ट –XIV)

अध्ययन केंद्रों की सूची(List of Study Centres)

Region: Dehradun (11)

Sl.No	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	11000	UOU Model Study Centre Dehradun Campus	C-27, THDC Colony, Ajabpur kalan, Near Bangali kothi chowk, Doon University Road, Dehradun	Mr. Narendra Jaguri
2.	11017	Uttaranchal Ayurvedic College	17, Old Mussorie Road, Rajpur, City & Distt. - Dehradun PIN – 248009 (Uttarakhand)	Dr. Akshay Kumar Gaur
3.	11020	SGRR PG college, Pathribagh	Pathribagh, City & Distt. – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarkhand)	Dr. Harshvardhan Pant
4.	11112	VSKC Govt. Degree College, Dakpather DEHRADUN	Govt. Degree College, Dakpatthar, City – Dehradun, Distt. – Dehradun, PIN – 222481 (Uttarakhand)	Dr. Anita Tomar
5.	11113	UTTARANCHAL INSTITUTE OF HOSPITALITY MANAGEMENT AND TOURISM DEHRADUN	Ghar Vihar Phase 2, Mohakampur, City & Distt. Dehradun, PIN – 248 005 (Uttarakhand)	Sh. Sanjay Joshi
6.	11115	D.D. College	25, NIMBUWALA City & Distt. – Dehradun, PIN – 248 003 (Dehradun)	Sh. K.C. Joshi
7.	11125	Pandit Lalit Mohan Sharma Govt. P.G. College, Rishikesh	Pandit Lalit Mohan Sharma Govt. P.G. College, Rishikesh Distt. – Dehradun Pin Code – 249201	Dr. V.N. Gupta
8.	11126	M.P.G. College Mussoorie	M.P.G. College Mussoorie Distt. – Dehradun Pin Code – 248179	Dr. V.P. Joshi
9.	11127	Universal Institute of Professional Studies, Rishikesh	Universal Institute of Professional Studies, 102, Taj Complex, Ambedkar Chowk, Rishikesh	Sachin Painuly
10.	11128	Govt. Degree College, Raipur	Post office- Maldevta, Raipur Distt- Dehradun, Raipur Uttarakhand	Dr. Daksha Joshi
11.	11129	Modern Institute of Technology	Dhalwala, Rishikesh Dhalwala, Rishikesh, Distt- Dehradun	Dr. L. M. joshi
12.	11130	Sardar Mahipal Rajendra Degree College	Sahiya, Tehsil- Kalsi, Distt- Dehradun Uttrakhand, Pin-248196	Dr. Pushpa Jhaba

Region: Roorkee (12)

S. No.	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	12002	HEC PG College	Kanya Gurukul Campus, Near Chhoti Nehar, Kankhal, Haridwar,	Mr. Tara Singh
2.	12004	Swami Darshnananda Institute of Management & Technology (SDIMT)	Gurukul Mahavidhyalay, Jwalapur, Haridwar-249404 (Uttarakhand)	Km Jai Laxmi

3.	12008	BSM PG College	B.S.M.P.G. COLLEGE, ROORKEE City – Roorkee,	Dr. V.P Gautam
4.	12011	RMP PG College	Vill. & Post – Gurukul Narsan City – Roorkee, Distt. – Haridwar,	Dr. Sarvendra Singh
5.	12012	Chamanlal Educational Society	Chaman Lal Degree College Landhaura, City – Roorkee, Distt. – Haridwar,	Mr. Atul Harit
6.	12020	Vidhya Vikasini College	Vill & Post – Gurukul Narsan, City – Roorkee,	Ms. Pooja Shree
7.	12034	KNIMT (Kunti Naman Institute of Management & Technology)	NH-58, Near Patanjali Yogpeeth Phase –II, Bhadedi, Rajputan, City – Roorkee,	Mr. Narendra Kumar
8.	12037	Babu Ram Degree College, Roorkee	7 K.M. Milestone, Roorkee Dehradun Highway, Saliyar, Roorkee,	Sh. Yogesh Kumar
9.	12042	Government P.G College Kotdwar Kotdwar, Garhwal	Government Post Graduate College, City - Kotdwar, District - Garhwal PIN - 246149	Dr.A.N.Singh
10.	12047	Roorkee Industrial Training Institute	Chudiyala Road, Bhagwanpur, City – Roorkee, Distt. – Haridwar,	Mr. Amit Kumar
11.	12058	SHRI SAI INFOTECH	Jamuna Talkies Lane Haridwar, City – Haridwar, Distt. – Haridwar,	Ms. Sristhi Chaddha
12.	12061	Mohini Devi Institute of Management & Technology	Iqbalpur Road, Asaf Nagar (Near Shastri Puram),City - Roorkee, Distt. - Haridwar PI– 247667 (Uttarakhand)	Ms. Maneesha Singhal
13.	12072	Pilot Baba Institute	Dakash road Kankhal Jagjitpur City - Kankhal, Distt. – Haridwar PIN – 249408	Mr. Satya Vir Singh
14.	12076	Mahendra Singh Degree, Budhwashahid Haridwar	Budhwa Shahid, Post. Buggawala, Distt. Haridwar Pin – 247662	Dr. Roma
15.	12078	Government Degree College, Manglour,	Near Manakchowk Disst - Haridwar	Dr. Anurag
16.	12079	Hariom sarswati P.G. College	Vill- & Post- Dhanauri, Distt- Haridwar	Dr. Sharad Kumar Pandey

Region: Pauri (14)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	14003	Government Degree College	Degree College Vedikhal, Pauri Garhwal	
2.	14005	Government PG College, Jaiharikhal	Govt. P.G. College Lansdowne (Jaiharikhal) Garhwal, – Jaiharikhal PIN – 246193	Dr. Vijay Kumar Agarwal,
3.	14009	H.N.B. Garhwal Central University Campus	City- Pauri, Distt- Pauri, Garhwal Pin- 246001	Prof. M.S. Bisht
4.	14018	Government PG College, Agastyamuni	Govt. P.G. College, City - Agastyamuni, Distt. – Rudraprayag, PIN - 246421(Uttarakhand)	Dr. D.S.Chauhan
5.	14046	Govt. Degree College Chandrabadni	P.O. Jamnikhal, Tehri Garhwal (Naikhari) Pin - 249112	Dr. Pratap Singh Bisht
6.	14047	Govt. Degree College Nagnath Pokhari	Government Post Graduate College Nagnath Pokhari, Chamoli, Uttarakhand	Dr. Sanjiv Kumar Juyal
7.	14048	Than Singh Rawat Govt Degree College , Nainodanda Patotia	Than Singh Rawat Govt Degree College , Nainodanda Patotia	Dr. Vivek Kumar Kediya

			District – Pauri Garhwal Pin Code – 246277	
8.	14049	Government Degree College,	Thalisan Pauri, post- Thalisan, Choprakot, Pauri	Shri Suman Kumar

Region: Uttarkashi (15)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	15011	Annpurna Food Craft Institute (AFCI)	AFCI HM College Chamba,Near Sri Dev Suman Inter College , Chamba, Tehri Garhwal Pin Code- 249145	Sh. Bharat Bhushan Singh Rawat, Mr. Vinod Kumar Kuliyal
2.	15016	RCU Govt. PG College Uttarkashi	Near azad Maidan/Police Kotwali, City- Uttarkashi Pin-249193	Dr. Devendra dutt Painuly
3.	15024	P.S.B. Govt. Degree College Lambgaon	Lambgaon, P.O. – Lambgaon, Tehsil - Pratapnagar, Distt.- Tehri Garhwal	Dr. Sharma
4.	15027	Rajendra Singh Rawat Govt. Degree College Barkot	Rajendra Singh Rawat Govt. Degree College Barkot Distt- Uttarkashi Pincode- 249193	Dr Vijay Bahuguna
5.	15028	Govt. degree College	Thatyur Tehri Garhwal Dist- Tehri Garhwal Pin- 249180	Dr, Kunwar Singh

Region: Haldwani (16)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	16000	UOU Model Study Centre	UTTARAKHAND OPEN UNIVERISYT, HQ, University Road, Behind Transport Nagar Haldwani-263 139,	Dr. Gagan Singh
2.	16003	Amrapali Institute of Applied Sciences	Shiksha Nagar, Lamachaur, City – Haldwani Distt. – Nainital, PIN – 263139	Mr. Pankaj Pandey
3.	16011	The Indian Institute of Management & Technology, Nurturing Tomorrow	The IIMT, Near – Gas Godown Chauraha, Kaladhungi Road, City – Haldwani, Distt. – Nainital,	Ms. Soni Arya
4.	16022	PNG Government PG College	PNGP PG College Ramnagar, City – Ramnagar, Distt. – Nainital,	Dr. Vikas Dubey
5.	16023	S.B.S Government P.G College	Fazalpur Mahraula, Rampur Road, City – Rudrapur, Distt. - U.S Nagar,	Dr. Y.K Sharma
6.	16034	M.B.P.G College	Motiram Baburam Govt. Post Graduate College Nainital Road, Haldwani (Nainital)	Dr. Rashmi Pant
7.	16047	Renaissance College of Hotel Management & Catering Techonology	Vill. - Basai, PO- Peerumadara, City – Ramnagar, Distt. – Nainital, PIN - 244715	Mr. Sunil Kumar
8.	16052	Government Degree College Kashipur	Kashipur, P.O. – Kashipur, Tehsil – Kashipur, Distt. - U.S Nagar	Dr. Vinod Kumar
9.	16071	Govt. Degree College, Kotabagh	Vill. – Selsiya, Chak Dhauladi, Block – Kotabagh, City – Kotabagh, Distt.- Nainital	Dr. Bhuwan
10.	16072	Pt. Poornand Tiwari Government Degree College	Pokhrad, P.O. – Pokhrad,	Dr. Alka Sharma

		Doshapani	Tehsil – Dhari, Distt. – Nainital, PIN – 263136	
11.	16090	H.N.B. Govt. PG College Khatima	Near Telephone Exchange Khatima (U.S.Nagar)	Mr. Pankaj Kumar
12.	16099	AIM Institute of Hotel Management	Bareilly Road, Goraparao, Haldwani Distt. Nainital, PIN – 263 139 (Uttarakhand)	Mr. Kamal Tiwari
13.	16101	Govt. Degree College Banbasa	Vill – Banbasa, P.O. – Chandani, Tehsil – Tanakpur, Distt.- Champawat,	Dr. Gurendra Singh
14.	16103	Dr. Susheela Tiwari Institute of Hotel Management	Shyam Vihar, Rampur Road, City – Haldwani, Distt. – Nainital PIN -263139	Mr. Kamlesh Harbola
15.	16104	Uttarakhand Ayurvedic College	Panchayat Ghar, Rampur road, City – Haldwani, Distt. – Nainital, PIN – 263139	Mr. Vimal Katiyar
16.	16116	Govt. Degree College Tanakpur	Govt. Degree College Tanakpur Distt- Champawat Pincode- 262309 (Uttarakhand)	Dr. Sunil Kumar Katiyar
17.	16117	Indira Priyadarshni Govt. P G Women Commerce College, Haldwani	Nawabi Road Haldwani Distt – Nainital Pin Code- 263139 Uttarakhand	Dr. Fakeer Singh
18.	16118	Govt. Degree College, Sitarganj	Village – Sisouna, Distt- Udham Singh Nagar, Pincode- 262405 (Uttarakhand)	Dr. Rajvinder Kaur
19.	16120	Govt. P G College, Village – Rani Nangal,	Fauzi Colony, Tehsil – Bazpur Distt- Udham Singh Nagar- Pin Code-262401 (Uttarakhand)	Dr. Satya Prakash Sharma
20.	16121	Dr. Sushila Tiwari Private degree College, Chintimazra, Sitarganj	Dr. Sushila Tiwari Private degree College, Chintimazra, Sitarganj Post- Sitarganj, Distt- Udham Singh Nagar, Pincode- 242605	Dr. Shivendra
21.	16122	Govt. Degree College Patlot	Govt. Degree College Patlot Distt – Nainital Pin – 263157	Mr. Arun Kumar Singh

Region: Ranikhet (17)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	17007	Govt PG College Ranikhet	Govt. P.G. College Ranikhet Distt.- Almora Pin - 263645	Dr. Mukul Kumar
2.	17013	Govt P.G.College Dwarahat	Govt. P.G. College Dwarahat, City – Dwarahat, Distt.- Almora, PIN – 263 653	Dr. Prem Prakash
3.	17030	Government Degree College, Karanprayag	Government Degree College Karanprayag, Distt. – Chamoli,	Dr Gaurav Vashney
4.	17059	Govt. Degree College Bhikiyasen	Ranikhet Sadar Bazar, Uttarakhand	
5.	17062	Govt. Degree College Chaukhutiya	P.O.- Chaukhutia (Ganai) Distt.- Almora, PIN - 263656	Dr. Siraj Ahmad
6.	17063	Government Degree Collerge, Gairsain (Chamoli), Chamoli	Govt. Degree College Gairsain Garkande, Distt. – Chamoli PIN – 246428 (Uttarakhand)	Dr. Shiv Narayan Sidh
7.	17065	Govt. Degree College, Almora	Address- Bhatronjkhan Distt- Almora Pin Code- 263646	Dr. Ajay Kumar
8.	17066	Govt. PG College, Almora	Govt. PG College. Address- Manila Distt- Almora	Dr. Yogesh Chandra

			Pin Code- 263667	
9.	17067	Govt. Post Graduate College	Siyalde Almora	Dr. Gokul Singh Satyal

Region: Pithoragarh (18)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.				
2.	18002	Govt. P.G. College, Pithoragarh	L.S.M. Govt. P.G. College, Post – Degree College, Pithoragarh	Dr.R.S. Adhikari
3.	18004	Govt. P.G. College, Narayan Nagar	Post - Narayan Nagar, Tehsil – Didihat, Distt-Pithoragarh,	Dr. R.N. Pandey
4.	18011	Govt. P.G. College Lohaghat	Vill. Chori, Lohaghat, Distt. Champawat,	Dr. Dharmendra Rathod
5.	18029	Govt. Degree College Champawat	Fulara Gaon, Champawat, Distt.Champawat, PIN - 262523	Dr. B.P.Oli
6.	18031	Govt. Degree College Baluwakote	Post – Baluwakote, Tehsil Dharchula , Distt. Pithoragarh,	Dr. Atul Chand
7.	18032	Govt. PG College Berinag	Berinag, Distt.- Pithoragarh, PIN – 262531	Dr. Jyoti Niwas Pant
8.	18033	Govt. Degree College Gangolihat	Gangolihat, P.O. & Tehsil – Gangolihat, Distt. Pithoragarh,	Dr. Bharat Singh
9.	18035	Govt. Degree College, Pithoragarh	Govt. Degree College Address- Ganai Gangoli Distt- Pithoragarh Pin- 262532	Dr. Munesh Kumar Pathak
10.	18036	Govt. Degree College, Pithoragarh	Govt. Degree College, Address- Muwani Distt- Pithoragarh Pin-262572	Dr. Ashish Kumar Gupta
11.	18037	Govt. Degree College, Champawat	Govt. Degree College, Amodi Distt- Champawat Pin- 262523	Dr. Sanjay Kumar
12.	18038	Govt. Degree College, Munsyari	Munsyari Pithoragarh	Dr. Ravi Joshi
13.	18039	Govt. Degree College,	Devidhura Champawat vill- Kanvad post- Devidhura, Champawat	Dr. S.K. Singh

Region: Bageshwar (19)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	19001	Govt PG College Bageshwar	G.P.G.CollegeBageshwar Kathayatbara Bageshwar	Dr Sharad Bhatt
2.	19016	Late Chandra Singh Sahi Government Degree College	Late Chandra Singh Shahi Govt Degree College Kapkot Post- Ason, Kapkot Tahsil- Kapkot Distt. - Bageshwar	Dr. Munna Joshi
3.	19022	Govt. Degree College, Kanda	Govt. Degree College, Kanda Distt- Bageshwar Pin Code- 263631	Dinesh Joshi

4.	19023	Govt. PG College Talwari	Govt. PG College Talwari Tharali Distt- Chamoli Pin Code- 246482	Dr. R. S. Rawat
5.	19024	Govt. Degree College Garur, Bageshwar	Govt. Degree College Garur Distt- Bageshwar Pin Code- 263641	Dr. Awadesh Tewari

क्रम संख्या - 137 (ख)

पंजीकृत संख्या– यू.ए./डी.एन.-30/03
लाइसेन्स टू पोस्ट विदाउट प्रीपेमेन्ट

उत्तरांचल शासन

सरकारी गजट , उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट
भाग-1, खण्ड (क)
(उत्तरांचल अधिनियम)

देहरादून, सोमवार, 31 अक्टूबर, 2005 ई.
कार्तिक 09, 1927 शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन
विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 608/विधायी एवं संसदीय कार्य/ 2005

देहरादून, 31 अक्टूबर, 2005

अधिसूचना

विविध

"भारत का संविधान" के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय विधेयक, 2005 पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2005 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।"

उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005

(अधिनियम संख्या 23, वर्ष 2005)